THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-27 अंक : 152 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ . 4, 2079 सोमवार, 15 अगस्त 2022

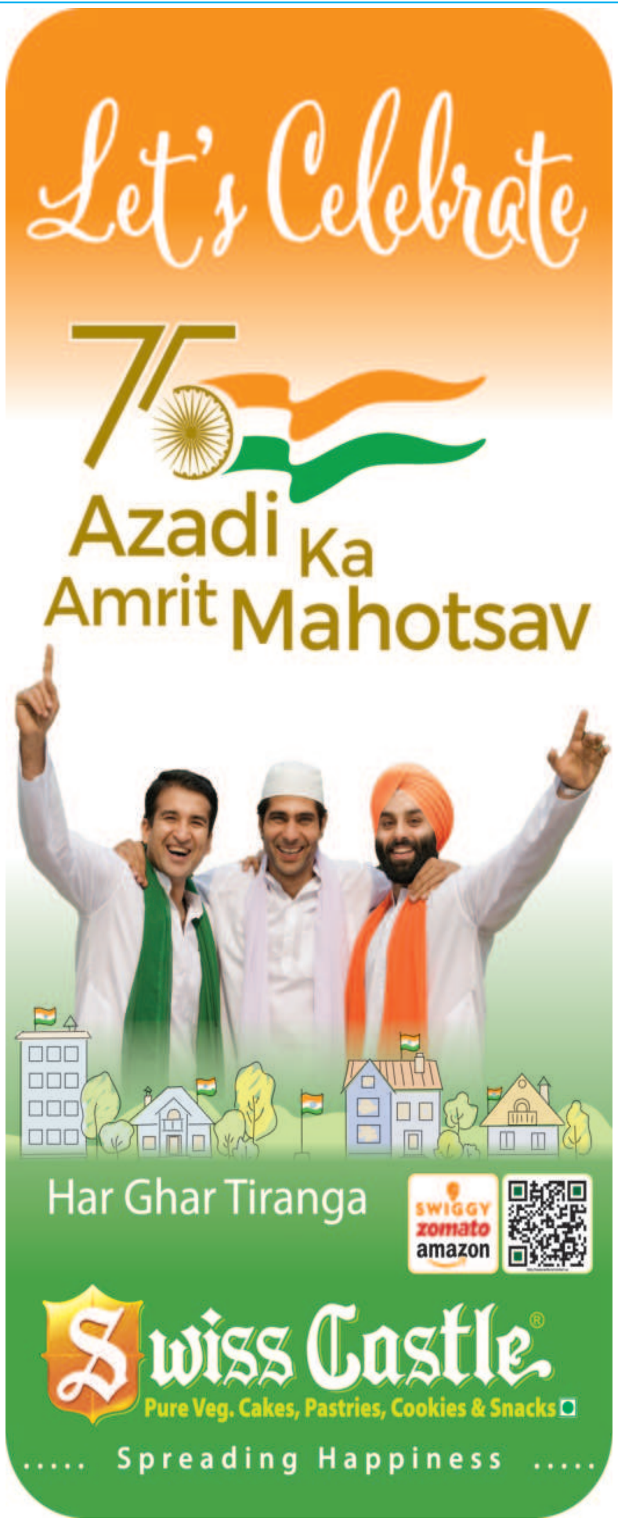


## राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

# मुर्मू बोलीं जब दुनिया कोरोना से जूझ रही थी, तब भारत ने खुद को संभाला

### अब तेजी से बढ़ती इकोनॉमी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। अपने पहले संबोधन में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों से लेकर आदिवासी समुदाय के योगदान तक पर बात की। वहीं, यह भी कहा कि कोरोना के दौर में जब पूरी दुनिया संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने खुद को संभाला। अब भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

कोरोना के दौर की बात करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, हमने देश में बनी वैक्सीन के साथ मानव इतिहास का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया। पिछले महीने हमने दो सौ करोड़ वैक्सीन कवरेज का आंकड़ा पार कर लिया है। महामारी का सामना करने में हमारी उपलब्धियां दुनिया विकसित देशों से बेहतर रही हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं को वोटिंग राइट्स हासिल करने के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था, जबकि भारत ने गणतंत्र की शुरूआत से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया। इससे शुरूआत से ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की बहुत सी उम्मीदें बेटियों पर टिकी हुई हैं। मौका मिलने पर वे शानदार सफलता हासिल कर सकती हैं। आज बेटियां फाइटर पायलट से लेकर स्पेस साइंटिस्ट तक हर काम में अपना परचम लहरा रही हैं।

उन्होंने कहा, भारत के नए आत्मविश्वास का स्रोत देश के युवा, किसान और सबसे बढ़कर देश की महिलाएं हैं। महिलाएं अनेक रूढ़ियों और बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी निर्णायक साबित होगी।

# फडणवीस को गृह और वित्त, सीएम ने शहरी विकास विभाग अपने पास रखा

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कैबिनेट में विभागों का बंटवारा कर दिया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गृह और वित्त विभाग दिया गया है। वहीं, शहरी विकास विभाग मुख्यमंत्री शिंदे ने अपने पास रखा है।

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के 39 दिन बाद मंगलवार यानी 9 अगस्त को कुल 18 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी। 50-50 फॉर्मूले के तहत भाजपा और शिंदे गुट से 9-9 विधायकों को मंत्री बनाया गया था। अब इन्हीं के बीच विभागों का बंटवारा किया गया है।

शिंदे की नई टीम में सभी मंत्री करोड़पति हैं। सबसे अमीर मालाबार हिल्स से भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढा हैं। सबसे कम यानी 2 करोड़ की प्रॉपर्टी पैठण सीट से विधायक संदीपन भुमरे के पास है। कैबिनेट में 12 ऐसे मंत्री हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

# संघ प्रमुख मोहन भागवत का बयान

## 'भारत अहिंसा का पुजारी, दुर्बलता का नहीं'

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'जब अखंड भारत की बात करते हैं तो लोग डर जाते है और कहते हैं कि यह कब होगा। जब डरना छोड़ देंगे, तब अखंड भारत होगा।' आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को नागपुर में कहा कि भारत देश अहिंसा का पुजारी है, दुर्बलता का पुजारी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत देश कई विविधताओं को समेटे है। हमारे देश की ओर पूरी दुनिया की नजरें लगी हैं।

**दुनिया आज भारत की ओर देख रही है: भागवत**

भागवत ने आगे कहा कि यदि भारत को भारत के नाते बड़ा बनाना है। अमेरिका सारी दुनिया में अपना डंडा चलाता है, चीन अपने सामर्थ्य का विस्तार करने की कोशिश में लगा रहता है। मोहन भागवत ने कहा कि हमने ही जात-पात की खाई बनाई है। छोटे अहंकार की साजिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया विविधता के बेहतर प्रबंधन के लिए आज भारत की ओर देख रही है।

**'भारत अहिंसा का पुजारी है, दुर्बलता का नहीं'**

भागवत ने कहा कि टाटा के पीछे विवेकानंद की प्रेरणा थी। शक्ति का थोड़ा अवतरण चीन में हुआ, विश्व में क्या क्या हो रहा है, ये हम देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अहिंसा का पुजारी है, दुर्बलता का नहीं। भागवत ने कहा कि अखंड भारत की बात की जाती है तो लोग डर जाते हैं। बोलते हैं—कब होगा। जब डरना छोड़ देंगे, तब अखंड भारत होगा। उन्होंने कहा कि हमें हमारे देश में स्वच्छता अभियन चलाना पड़ता है। उसके बाद भी रोड के दोनों ओर कचरा फैला रहता है। समस्या होती है तो गुजार लगानी पड़ती है। लेकिन इसके लिए बसें क्यों जलाना।

गौरतलब है कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत मोहन भागवत ने भी आरएसएस कार्यालय पर कल शनिवार को तिरंगा फहराया था। तिरंगा फहराने की अलग अलग फोटोज से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया, इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत तिरंगा फहराते दिख रहे हैं। साथ ही लिखा कि 'स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मनाएं। हर घर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रीय स्वाभिमाना जगाएं।' इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी तिरंगा की डीपी लगाई थी। भागवत ने अपना प्रोफाइल फोटो भी बदलकर तिरंगा लगाया।

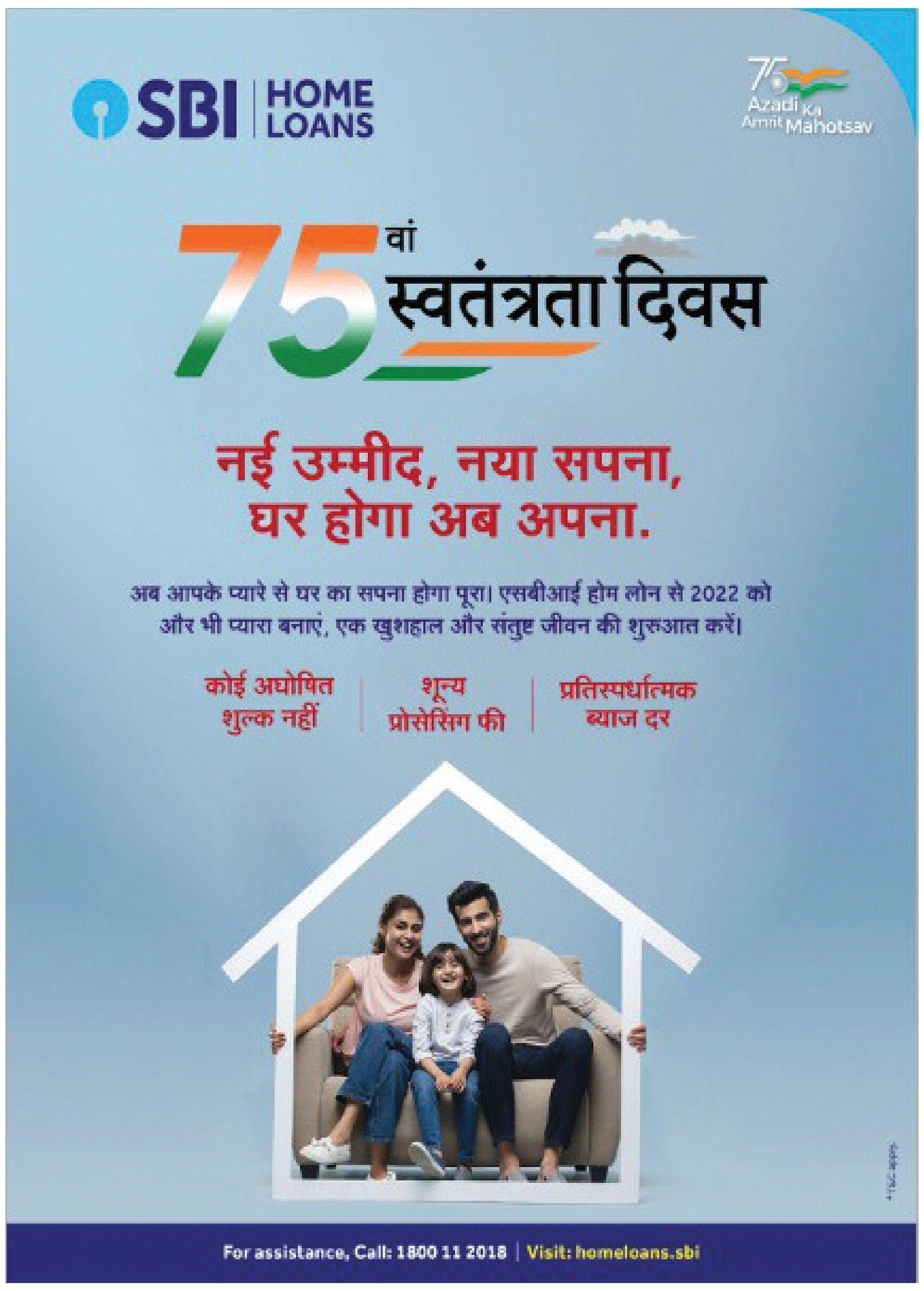

# सोनिया गांधी और प्रियंका को कोरोना

### राहुल को भी बुखार... पवन बंसल को मिलेगी कांग्रेस दफ्तर में झंडा फहराने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना महामारी एक बार फिर पैर पसारने लगी है. कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनियां गांधी एक बार फिर कोरोना की चपेट में आ गई हैं. इसके साथ ही उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को भी कोरोना पॉजिटिव बताया जा रहा है. तो वहीं सोनिया के बेटे राहुल गांधी को भी बुखार की शिकायत है. ऐसे में कांग्रेस पार्टी के दफ्तर में 15 अगस्त को झंडा कौन फहराएगा. इस मामले में एक जानकारी सामने आई है कि अगर राहुल गांधी कल सुबह कांग्रेस ऑफिस आकर झंडा फहराने की स्थिति में नहीं होते हैं तो ऐसे में कांग्रेस नेता पवन बंसल को झंडा फहराने की जिम्मेदारी मिल सकती है. वो इसलिए क्योंकि वो पार्टी में सबसे वरिष्ठ महासचिव हैं.

**कांग्रेस पार्टी के नेता कोरोना की चपेट में**

सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को कोरोना होने के बाद राहुल गांधी को बुखार आ गया है. इसके अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी कोरोना संक्रमित हैं. उन्होंने इस बात की जानकारी ट्वीट करके दी है. उन्होंने शनिवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखते हुए कहा है कि वह आजादी की 75वीं वर्षगांठ के ध्वजारोहण समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे. उन्होंने लिखा है कि मेरा कोरोना टेस्ट पॉजीटिव आया है इसलिए मैं स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने की हालत में नहीं हूं.

बता दें कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी पहले से ही आइसोलेशन में हैं. सोनिया गांधी दोबारा कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं. शुक्रवार को उनकी टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, इसके बाद वो आइसोलेशन में हैं. सोनिया गांधी कोरोना संक्रमित हैं इस बात की जानकारी पार्टी प्रवक्ता जयराम नरेश ने दी. उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. वो सरकार के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आइसोलेशन में रहेंगी.

# केंद्रीय मंत्री ने तिरंगे की डोरी खींची वह बिना फहराए नीचे आ गया

भोपाल, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले में तिरंगा फहराने के दौरान नीचे आ गया. तिरंगे को लेकर ध्वज संहिता का ध्यान नही रखा गया. यह वाकया तब हुआ जब केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते तिरंगा फहरा रहे थे. बिना फहराए डोरी खींचते ही नीचे आने के बाद तिरंगे को सही करके फहराया गया. केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इसे प्रशासन की चूक बताया है. केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते हर घर तिरंगा कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे डिंडोरी पहुंचे थे. डिंडोरी जिला प्रशासन हर घर तिरंगा कार्यक्रम को कितनी संजीदगी से ले रहा है इसका अंदाजा शनिवार को हुई घटना को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है. इस घटना के वीडियो में देखा जा सकता है कि केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते तिरंगा फहराने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन तिरंगा बिना फहराए ही नीचे आ जाता है. इसके बाद आनन फानन में तिरंगे को सही करके दोबारा फहराया जाता है. यह वाकया कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर रानी दुर्गावती चौक पर हुआ.

# विधायक ममता देवी ने सरकारी अस्पताल में दिया बेटे को जन्म

### कहा- इससे सरकारी अस्पतालों पर बढ़ेगा लोगों का भरोसा

रामगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ की विधायक ममता देवी ने सदर अस्पताल के जनरल वार्ड में एक बच्चे को जन्म दिया है। सदर अस्पताल में नॉर्मल डिलीवरी से उन्हें बेटा हुआ है। एक विधायक का प्राइवेट अस्पताल में न जाकर एक सरकारी अस्पताल में डिलीवरी कराना सोशल मीडिया पर खासा चर्चा में है। लोग ममता देवी के इस फैसले का सम्मान कर रहे है। साथ ही लोगों का सरकारी अस्पतालों के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। ममता देवी ने कहा कि मैंने अपना डिलिवरी सरकारी अस्पताल में कराने का फैसला इसलिए लिया ताकि लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों पर बना रहे और वो अपने इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों पर भरोसा कर सकें।

**मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी बधाई**

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ममता देवी को ट्वीट कर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ से माननीय विधायक और बहन श्रीमती ममता देवी जी को संतान प्राप्ति की अनेक-अनेक बधाई एवं शुभकामनाएं। खुशी के इस शुभ अवसर पर उनके परिवारजनों को भी हार्दिक शुभकामनाएं।

**सोशल मीडिया पर हो रही तारीफ**

ममता देवी के प्रशंसकों ने भी डिलीवरी के बाद अस्पताल में लड्डू बांटें। सोशल मीडिया पर भी उनकी खूब तारीफ हो रही है।

# एसपी सोलन को राष्ट्रपति मेडल, बाकी तीन को मिलेगा पुलिस मेडल

शिमला, 14 अगस्त (एजेंसियां)। 15 अगस्त के उपलक्ष्य पर हिमाचल के चार जवानों को पुलिस मेडल से सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सम्मानित होने वाले पुलिस जवानों और अधिकारियों की सूची रविवार को जारी कर दी गई है। इस सूची में हिमाचल के भी चार नाम शामिल हैं। इनमें सबसे पहला नाम सोलन जिले में बतौर पुलिस अधीक्षक सेवाएं दे रहे वीरेंद्र शर्मा का हैं। इन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनके अलावा हिमाचल के तीन अधिकारियों को पुलिस मेडल से सम्मानित किया जाएगा। आईजी वेलफेयर एंड एडमिन के पद पर तैनात दिनेश कुमार यादव, पीटीसी डरोह में तैनात इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार और टीटीआर शिमला यूनिट में तैनात एएसआई किशोर कुमार को पुलिस मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

# ओवैसी पर भड़के गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में सरकार बदलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पूरे रौ में नजर आ रहे हैं। नए नवेले उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ सोशल मीडिया पर तीखी नोकझोंक के बाद उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी को घेरा है। गिरिराज ने ओवैसी के उस बयान पर उन्होंने घेरा है, जिसमें उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमानों की भूमिका की बात कही थी। एआईएमआईएम चीफ ने कहा था कि दुष्ट तत्वों को बताना चाहते हैं कि मुसलमानों ने भी स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। ओवैसी ने यह भी कहा, 1857 के विद्रोह के बाद, वास्तव में मुसलमानों ने एक बड़ा बलिदान दिया था।

स्वतंत्र वार्ता
# मेरा हैदराबाद
सोमवार, 15 अगस्त, 2022 

सुविचार

यदि आपका हृदय ईमान से भरा है तो एक शत्रु क्या, सारा संसार आपके सम्मुख हथियार डाल देगा।

## राष्ट्रपति पुलिस पदक से आंध्र के एक व वीरता पुलिस पदक से तीन पुलिसकर्मी सम्मानित

नई दिल्ली/अमरावती, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 1,082 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इसमें वीरता के लिए 347 वीरता पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति का 87 पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिये 648 पुलिस पदक शामिल है। 347 वीरता पुरस्कारों में से अधिकंश 204 कर्मचारियों को जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में उनकी वीरता के लिये सम्मानित किया जा रहा है। 80 कर्मचारियों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिये और 14 कर्मचारियों को पूर्वोत्तर क्षेत्र में वीरतपूर्ण कार्रवाई के लिये सम्मानित किया जा रहा है।

347 पुलिसकर्मियों में वीरता पुलिस पदक से सम्मानित होने वालों में आंध्र प्रदेश के एएसी मंडला हरि कुमार और जेसी पुव्वाला सतीशु को वीरता पुलिस पदक जबकि जेसी मुर्रे सूय तेजा को प्रथम बार के साथ वीरता पुलिस पदक से सम्मानित किया जायेगा।

विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित होने वाले 87 पुलिसकर्मियों में आंध्र प्रदेश के पुलिस प्रशिक्षण महानिरीक्षक पी. वेंकटरामी रेड्डी शामिल है। आंध्र प्रदेश में विजयवाडा के एसएसजी आईएसडब्ल्यू में आरक्षित पुलिस निरीक्षक जे. संता राव और विजयवाडा के ओ/ओ आईजीपी, एसआईबी में पुलिस उप निरीक्षक को सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक प्रदान किया गया है।

## तेलंगाना के 12 पुलिस अधिकारियों को पुलिस पदक

### राचकोंडा के सीपी महेश भागवत को राष्ट्रपति पुलिस पदक

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राचकोंडा पुलिस आयुक्त महेश एम भागवत सहित चौदह पुलिस अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा घोषित पदक मिलेगा। सीपी महेश भागवत और पुलिस अधीक्षक (एनसी) इंटेलिजेंस सेल देवेंद्र सिंह को उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चयनित किया गया है, जबकि 12 पुलिस अधिकारियों ने पुलिस पदक हासिल किया। बारह अधिकारियों की सूची में संयुक्त पुलिस आयुक्त, जासूसी विभाग, एआर श्रीनिवास, अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) पलेरू सत्यनारायण, एसआईबी एएसपी पैला श्रीनिवास, मध्य क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त सयानी श्रीनिवास राव, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सुरदा वेंकट रमण मूर्ति, आईएसडब्ल्यू डीएसपी चेरुकु वासुदेव रेड्डी, टीएस पुलिस अकादमी डीएसपी गंगिशट्टी गुरु राघवेंद्र, रामागुंडम सब-इंस्पेक्टर चिप्पा राजामौली, राचकोंडा स्पेशल ब्रांच असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस कटरागड्डा श्रीनिवासु, कामारेड्डी असिस्टेंट रिजर्व सब-इंस्पेक्टर (एआरएसआई) जंगनगरी नीलम रेड्डी, तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस ममनूर चौथी बटालियन एआरएसआई सलेंद्र सुधाकर और करीमनगर इंटेलिजेंस डीएसपी कार्यालय हेड कांस्टेबल उंदिनी श्रीनिवास शामिल है।

### सब इंस्पेक्टर सैयदा तहसीन समेत तीन आरपीएफ कर्मियों को पुलिस पदक

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के तीन रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 76 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार पाने वालों में सब इंस्पेक्टर, महबूबनगर, हैदराबाद डिवीजन की सैयदा तहसीन, आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र के सहायक उप निरीक्षक, मौला-अली, सुब्बा राव नाटकम और आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, मौला-अली, हैदराबाद में हेड कांस्टेबल विजया सारधी बंडी शामिल है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) अरुण कुमार जैन ने जोन के आरपीएफ कर्मियों द्वारा प्राप्त सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त की और कर्तव्य के प्रति उनकी उत्कृष्टता और समर्पण की सराहना की। महाप्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि आरपीएफ रेल उपयोगकर्ताओं और संपत्ति को सुरक्षा प्रदान करने के अपने प्राथमिक कर्तव्य में उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखेगा।

**आजादी के अमृत महोत्सव पर विभिन्न संस्थाओं के सहयोग ये क्लासिक गार्डन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेती हुई काव्यारेड्डी, समाजसेवी गोपाल बल्दवा, मिस अन्विता, गुजराती वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी, विजय सुराणा, कविता जैन, प्रीति सुगंध, सुनील बोकाडिया, सीएम मधुसूदन अग्रवाल व अन्य। इस दौरान कई प्रतिभागियों का सम्मान भी किया गया।**

# दमरे के सत्तर रेलवे स्टेशनों पर 'विभाजन की भयावहता' प्रदर्शनी का आयोजन

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में दक्षिण मध्य रेलवे ने 14 अगस्त को दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड मंडल के सत्तर रेलवे स्टेशनों (59 फोटो गैलरी प्रदर्शनी और 11 डिजिटल माध्यम) पर 'विभाजन की भयावहता' स्मरण दिवस पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी की स्थापना की है।

आजादी का अमृत महोत्सव के इस वर्ष में राष्ट्र स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरा करने पर 14 अगस्त को पूरे देश में विभाजन भयावह स्मरण दिवस मनाया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा विभाजन भयावह दिवस की परिकल्पना की गई है। विभाजन से पीड़ित लाखों लोगों की पीड़ा को प्रकाश में लाया जा रहा है।

पिछली शताब्दी में मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन के बारे में देश को याद दिलाने के लिए प्रदर्शनी की स्थापना की गई थी, जिसने बड़ी संख्या में लोगों के जीवन का दावा किया था। भारतीय रेलवे की व्यापक पहुंच को ध्यान में रखते हुए, रेलवे बोर्ड द्वारा भारत में 700 स्टेशनों पर प्रदर्शनी गैलरी की योजना बनाई गई थी ताकि यात्रा करने वाली जनता को हमारे पूर्वजों द्वारा सहन की गई पीड़ा और पीड़ा के बारे में जागरूक और शिक्षित किया जा सके।

# रजाकारों की तरह काम कर रहे है मंत्री, विधायक : बंडी

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने रविवार को यहां आरोप लगाया कि तेलंगाना राष्ट्र समिति के विधायक और मंत्री रजाकारों के अराजक शासन की लोगों को याद दिलाते हुए लाइसेंसी गुंडा बन गए हैं। टीआरएस सरकार के मंत्री हवा में फायरिंग कर रहे हैं। सत्तारूढ़ दल हत्यारों, बलात्कारियों और रेत और ड्रग माफिया डॉनों के लिए एक आश्रय स्थल बन गया है। संजय ने मोतकुर गांव में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यहां तक कि अधिवक्ताओं की भी दिनदहाड़े हत्या की जा रही है। सिर्फ 15 दिनों में, दो वकीलों की हत्या कर दी गई। पिछले साल उच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील गट्टू वामन राव और उनकी पत्नी की मंथानी में हत्या कर दी गई थी। संजय ने कुछ पुलिस अधिकारियों और नौकरशाहों पर टीआरएस पार्टी की कठपुतली बनने और भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और यहां तक कि आम जनता को परेशान करने का आरोप लगाया। हम ऐसे पुलिस अधिकारियों की एक सूची तैयार कर रहे हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद उन्हें उनकी जगह दिखाई जाएगी। संजय ने कहा कि मुनुगोड़े विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव से टीआरएस के कई मंत्रियों और विधायकों का राजनीतिक कैरियर खतरे में पड़ जाएगा, क्योंकि भाजपा उपचुनाव में जीत हासिल करने जा रही है। कांग्रेस और टीआरएस ने उपचुनाव से बहुत पहले हाथ खड़े कर दिए है।

# रेल राज्यमंत्री ने ट्रेन के हाल्ट पर गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, डॉ. भारती प्रविण पवार नांदगांव में (वीडियो लिंक के माध्यम से) आज ट्रेन नंबर 15017 एलटीटी-गोरखपुर काशी एक्सप्रेस ट्रेन के हाल्ट पर गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल मुंबई से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े एवं स्वागत भाषण दिया और मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल मंडल राजेश कुल्हारी ने आभार व्यक्त किया। प्रायोगिक आधार पर 6 महीने की अवधि के लिए नांदगांव में 2 और लासलगांव में 1 गाड़ी का हाल्ट प्रदान किया गया है। नांदगांव में 15017 एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस 11.29 बजे नांदगांव पहुंचेगी और 11.30 बजे प्रस्थान करेगी। 15018 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 11.39 बजे नांदगांव पहुंचेगी और 11.40 बजे प्रस्थान करेगी 22177 सीएसएमटी-वाराणसी महानगरी एक्सप्रेस 05.04 बजे नांदगांव पहुंचेगी और 05.05 बजे प्रस्थान करेगी। 22178 वाराणसी-सीएसएमटी महानगरी एक्सप्रेस 05.39 बजे नांदगांव पहुंचेगी और 05.40 बजे प्रस्थान करेगी। लासलगांव में 11071 एलटीटी-बनारस कामायनी एक्सप्रेस 5.37 बजे लासलगांव पहुंचेगी और 5.38 बजे प्रस्थान करेगी।

11072 बनारस-एलटीटी कामायनी एक्सप्रेस 5.59 बजे लासलगांव पहुंचेगी और 6.00 बजे निकलेगी।

# राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोगों को बधाई दी

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई ने "स्वतंत्रता दिवस" के अवसर पर लोगों को बधाई दी। एक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि देश के 76वें स्वतंत्रता दिवस के इस खुशी के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। अब, हमारा देश आजादी के 75 साल को "आज़ादी के अमृत महोत्सव" के रूप में मना रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के साथ मनाया जा रहा यह 76 वां स्वतंत्रता दिवस हमारे देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। हम औपनिवेशिक अत्याचार से मुक्त हुए और अनगिनत बलिदानों और एक अथक लड़ाई के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की। ऐसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर पर, हमारे दिल और दिमाग में अपने राष्ट्रीय ध्वज और तिरंगे के प्रति सम्मान और सम्मान दिखाना हमारा कर्तव्य है।

# विस अध्यक्ष ने हैदराबाद साइकिल समूह की सराहना की

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी ने हैदराबाद साइकिल समूह की सराहना की। समूह ने स्वतंत्रता भारत वज्रोत्सव के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हैदराबाद से नागपुर तक साइकिल रैली निकाली है। रविवार की सुबह हैदराबाद से बंसुवाड़ा जा रहे अध्यक्ष ने मेडक जिले के चेगुंटा शहर के पास हैदराबाद साइकिल ग्रुप के प्रतिभागियों को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपने काफिले को रोक दिया और उनसे कुछ देर बात की और साइकिल यात्रा के बारे में जानकारी ली। प्रतिभागियों ने कहा कि साइकिल रैली लोगों में देशभक्ति का प्रचार करने और स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष मनाने के महत्व को फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। विस अध्यक्ष ने यात्रा शुरू करने की उनकी पहल की सराहना की और कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह देश के सभी वर्गों के लोगों का है।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
चौलाराम हाम्बड़
(प्रकाश हाम्बड़)
अध्यक्ष
सीरवी समाज पारसीगुटा
श्री आईजी गौशाला
जे.सी.ज्वैलर्स, पॉट मार्केट

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
लाबुराम पंवार
(सुरेश, महेन्द्र)
सलाहकार सीरवी समाज पारसीगुटा
एस. राजेन्द्र ज्वैलर्स, सनतनगर, हैदराबाद
एस. राजेन्द्र ज्वैलर्स, के.पी.एच.बी. हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
पुनाराम हाम्बड़
पूर्व सचिव सीरवी समाज पारसीगुटा
रामदेव इलेक्ट्रीकल्स
चकरीपुरम, नागारम

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दुस्ताँ हमारा
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
चेनाराम चोयल
पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज जीडिमेटला
विकास प्लाईवुड बापूजीनगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
मांगीलाल काग
अध्यक्ष
सीरवी समाज जिडीमेटला
(कालूराम काग गौभक्त)
भवानी सिल्वर पैलेस राजु कॉलनी बालानगर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
नारायणलाल वरपा
सचिव
सीरवी समाज जीडिमेटला
नरेन्द्र हार्डवेयर, ओल्ड बोइनपल्ली

दिल हमारे एक है हिन्दुस्तान हमारा है,
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भंवरलाल काग
कोषाध्यक्ष
सीरवी समाज जीडिमेटला
श्री माताजी ज्वैलर्स एंड पॉन ब्रोकर्स
नेहरुनगर जगतगिरीगुट्टा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
Happy Independence Day
सोहनलाल परिहार
सलाहकार सीरवी समाज जीडिमेटला
श्री पद्मा ट्रेडर्स, चिंतल

दिल हमारे एक है एक है हमारी जान,
हिन्दुस्तान हमारा है, हम है इसकी शान
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
विष्णु रामावत
अध्यक्ष तेलंगाना वैष्णव
नवयुवक मंडल सिकंदराबाद
विपुल इलेक्ट्रिकल्स एंड इंजीनियरिंग कम्पनी
ओल्ड भोईगुडा सिकंदराबाद

सभी समाज बंधुओ को
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
बाबूलाल वैष्णव
उपाध्यक्ष: तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल
बालाजी बाबूलाल पॉन ब्रोकर्स
सुभाषनगर हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
संतोषकुमार वैष्णव
महासचिव: तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल
बालाजी संतोषकुमार ज्वैलर्स
येल्लमाबंडा, कुकटपल्ली

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
शेषाराम परिहारियां
सीरवी समाज मेड्चल एरिया मेम्बर
Happy Independence Day
श्री जगदम्बा ज्वैलर्स एंड पॉन ब्रोकर्स
मैन रोड मेड्चल 9848817042

स्वतंत्र दिवस की बधाई
जगदीशप्रसाद काग
अध्यक्ष सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन
श्री जगदीश ज्वैलर्स एल.बी.नगर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रकाश सेपटा
सचिव सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन
श्री गणेश एजेन्सीज
एल.बी.नगर, रिंग रोड के पास, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
मोहनलाल चोयल
पूर्व सचिव, सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन
हनुमान प्लाईवुड, चन्द्रा ज्वैलर्स एल.बी.नगर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
Happy Independence Day
जगदीश देवासी
(लितरिया)
पूर्व अध्यक्ष देवासी समाज
संघ-हैदराबाद-सिकंदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
हनुमान छिपा
(बिरडावास)
Jai Hind
प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय
आर्दश जाट महासभा तेलंगाना

अनेकता में एकता ही हमारी शान है,
इसीलिए मेरा भारत महान है।
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
सतपाल ढाढिया
अ.भा.आर्दश जाट महासभा
यदाद्रि भुवनगिरी जिला अध्यक्ष
श्री धनलक्ष्मी ज्वैलर्स
आलेर 9866942307

यह दिन है अभियान का...भारत माता के मान का...
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
गोविन्द सागुंण
सहसचिव जाट समाज ट्रस्ट तेलंगाना
लॉयन्स चेयरमैन उपाध्यक्ष आलेर
अ.भा आर्दश जाट महासभा
यदाद्रि भुवनगिरी जिला उपाध्यक्ष
श्री बालाजी ज्वैलर्स आलेर

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, भारत देश महान हमारा
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
गोविन्द कागट
(लहर)
पूर्व सहसचिव
जाट समाज ट्रस्ट तेलंगाना
पूजा ज्वैलर्स भोनगिरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
रामसिंह चौहान
अध्यक्ष राजस्थानी राजपूत संघ
हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)
15 August Happy Independence Day

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
रिड्मलसिंह परिहार
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी राजपूत
समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद
एस.आर.एन.इंटरप्राईजेस
सी.टी.सी, पार्कलेन

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
गोपालसिंह चौहान
HAPPY INDEPENDENCE DAY
गोपाल मेटल इंडस्ट्रीज
फतेहनगर हैदराबाद 9949899208

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
सारे जहां से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा
चैतन बिजवाण
पूर्व कोषाध्यक्ष वीर तेजा
नवयुवक मंडल भुवनगिरी
प्रकाश ज्वैलर्स भोनगिरी

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
Happy Independence Day
नेमीचन्द गोयल
महालक्ष्मी इलेक्ट्रीकल्स
ईश्वर इलेक्ट्रीकल्स
अलवाल हैदराबाद

सारे जहाँ से अच्छा,
हिन्दूस्ताँ हमारा-हमारा
15 AUGUST की शुभकामनाएँ
पारसनाथ चौहान
सामाजिक कार्यकर्ता
अलवाल हैदराबाद 9032093735

जय हिन्द जय भारत
Happy Independence Day
15TH AUGUST
पवनकुमार सांगर
पूर्व अध्यक्ष कृष्णा कुमावत समाज बडंगपेट
लक्ष्मी शॉपिंग मॉल, वनस्थलीपुरम

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
चन्द्रप्रकाश कुमावत
अध्यक्ष कुमावत सेवा समिति
चंगीचेरला, उप्पल तेलंगाना
श्री लक्ष्मी हार्डवेयर एंड पेन्टस, चंगीचेरला

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ढगलाराम सेपटा
उपाध्यक्ष
श्री आईजी गौशाला
बालाजी ज्वैलर्स, अशोकनगर

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दूस्ताँ हमारा
स्वतंत्रता दिवस की बधाई
मंगलाराम पंवार
सचिव, श्री आईजी गौशाला
श्री लक्ष्मी ज्वैलर्स, चिरयाल

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
हुकमाराम सनपुरा
(कैलाश सनपुरा)
सहसचिव श्री आईजी गौशाला
महालक्ष्मी ज्वैलर्स नेरेडमेट

दिल हमारे एक है, एक है हमारी जान,
हिन्दुस्तान हमारा है, हम है इसकी शान
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ...
भंवरलाल मुलेवा
पूर्व अध्यक्ष, श्री आईजी गौशाला
श्री राजलक्ष्मी ज्वैलर्स
कीसरा, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
हंसाराम आगलेचा
(अध्यक्ष सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा)
श्री बाबा रामदेव ट्रेडिंग कम्पनी करमनघाट

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
हीरालाल सेणचा
(सचिव सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा)
लक्ष्मी मार्केटिंग
बडंगपेट

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
दीपाराम काग
कोषाध्यक्ष सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा
चौधरी ट्रेडर्स, बडंगपेट हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
शंकरलाल सोलंकी
अध्यक्ष संत श्री राजारामजी कलबी
समाज ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद
(तेलंगाना)
परमेश्वरा बैंगल्स
बेगम बाजार 9440024878

दिल हमारे एक है, एक है हमारी जान,
हिन्दुस्तान हमारा है, हम है इसकी शान
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ...
प्रकाश सोयल
(गौभक्त)
प्रकाश इन्टरप्राईजेस
नेरडमेट हैदराबाद

समस्त सीरवी समाज व प्रवासी बंधुओं को
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
ओंकारलाल हाम्बड
9966221229
पूर्व अध्यक्ष सीरवी समाज
मल्लापुर, बडेर, हैदराबाद
बालाजी ज्वैलर्स, एचएमटी नाचारम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
भैराराम काग
9490763858
पूर्व शिक्षा समिति सदस्य
सीरवी समाज पारसीगुटा
जय भवानी हार्डवेयर, इलेक्ट्रीकल्स हायतनगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
सुनिलकुमार सीरवी
भाजपा युवा नेता व मारवाड़
विधानसभा, लोकसभा पाली
(राजस्थान)

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 अगस्त, 2022

# आर्मी कैंप पर आतंकी हमला

बीते कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में काफी तेजी से इजाफा हुआ है। यहां तक कि सामान्य नागरिकों को भी आतंकी निशाना बना रहे हैं। घाटी में हो रही टारगेटेड हत्या का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। इन घटनाओं के मद्देनजर इसपर रोक लगाने के लिए सुरक्षा बलों ने भी कमर कस ली है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सुरक्षा बलों की बदली प्राथमिकता का फायदा उठाकर सीमापार के आतंकवादी संगठन फिर से फिदायीन हमले को अंजाम देने पर उतर आए हैं। श्रीनगर में शनिवार को आतंकियों ने सीआरपीएफ के बंकर पर ग्रेनेड हमला कर दिया। अलीगाह मस्जिद के पास हुए हमले में एक जवान गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल की पहचान सब इंस्पेक्टर परवेज राणा के रूप में हुई है। इसके पहले जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आर्मी कैंप पर गुरुवार तड़के हुआ आतंकी हमला भी कई वजहों से ध्यान देने लायक है। खबरों के अनुसार फरवरी 2018 के बाद से जम्मू कश्मीर में किसी सैन्य ठिकाने पर हुआ यह पहला आतंकी हमला है। गनीमत रही कि हमला करने आए दोनों फिदायीन आतंकवादी मौके पर ही मार गिराए गए, लेकिन इस क्रम में देश के चार जवान भी शहीद हो गए। देखा जाए तो अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही सुरक्षा व्यवस्था की चौकसी काफी बढ़ गई है। इसलिए पिछले कुछ वर्षों से जम्मू-कश्मीर में बड़े आतंकी हमले लगभग बंद हो गए थे। यह भी माना जा रहा था कि सीमा पार से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिशों पर काफी हद तक रोक लग चुकी है। देखा जाए तो इस अवधि में जम्मू-कश्मीर के सामान्य लोगों को निशाना बनाने वाली आतंकी गतिविधियों में खासा इजाफा हुआ है, जिसे आतंकवादियों की बदली रणनीति का परिणाम बताया जाता रहा है। स्वाभाविक ही टारगेटेड किलिंग्स पर रोक लगाना सुरक्षा बलों की प्राथमिकता में आ गया। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या सुरक्षा बलों की बदली प्राथमिकता का फायदा उठाकर सीमापार के आतंकवादी संगठन फिर से फिदायीन हमले को अंजाम देने पर उतारू हो गए हैं। यह आशंका इस वजह से भी मजबूत होती है कि पुलिस के मुताबिक इस हमले के पीछे लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है। मामला तब और गंभीर लगने लगा जब इससे एक दिन पहले पुलिस ने पुलवामा में 25 किलो आईईडी जब्त किया। जाहिर है, राजौरी आर्मी कैंप पर हुए हमले को अकेली घटना के रूप में नहीं लिया जा सकता। इसे आतंकवादियों के एक बड़े अभियान की कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए। अफसोसजनक तो यह है कि टारगेटेड किलिंग की घटनाओं में भी कोई कमी आने के संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। बांदीपोरा में हुई बिहार के मधेपुरा के एक प्रवासी मजदूर की हत्या यही बताती है। अब समय आ गया है कि छोटे-छोटे स्थानीय गिरोहों के बूते चलाई जाने वाली टारगेटेड किलिंग गिरोह को सख्ती से कुचल देना चाहिए। इसके साथ ही सीमा पार से चलाई जा रही आतंकी साजिशों पर भी सख्ती से अंकुश लगाने की जरूरत है। वर्षों से यहां कोई निर्वाचित सरकार न होने की वजह से भी आतंकी समूह घाटी में टारगेटेड किलिंग्स को अंजाम देना आसान समझ रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए अब जरूरी हो गया है कि समय रहते जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाकर निर्वाचित सरकार को सत्ता सौंप देना चाहिए। चुनाव आयोग भी इस समस्या से वाकिफ है। इसलिए उसने हाल ही में वहां मतदाता सूची को अंतिम रूप देकर प्रकाशित करने की समयसीमा 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 25 नवंबर कर दी। इससे स्पष्ट हो गया है कि इस साल तो वहां चुनाव होना काफी मुश्किल होगा। चुनावों के जरिए निर्वाचित नेतृत्व सामने आने पर जो लोकतांत्रिक माहौल बनेगा, उसका फायदा सिविल सोसाइटी की बडी भूमिका के रूप में सामने आ सकता है, जो टारगेटेड किलिंग के पीछे सक्रिय छिटपुट गिरोहों को स्थानीय स्तर पर पहचानने और निष्क्रिय करने में मददगार होगी। आखिर कब समझेंगे कि आतंकवाद के खिलाफ बहुस्तरीय लड़ाई छेड़े बगैर हम जम्मू-कश्मीर को आतंक मुक्त नहीं कर सकते। देखा जाए तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया इस लड़ाई का सबसे अहम हिस्सा है, जिसे ज्यादा देर तक अनदेखा करना देश हित में कदापि नहीं होगा।

# कमाल की नजरें, नजरों का कमाल

डॉ.विलास जोशी

प्रकृति की सबसे बडी नियामत है आंखें और उसको मिला हुआ वरदान है- यकीन मानिए ये नजर भी बहुत तिकड़मी चीज होती है और ये कई बार ऐसी कयामत ढाती है कि जो हमारे सोचे से भी परे होता है। किसी ने सच ही कहा है कि- की तुलना में नजरे अपना काम बहुत तेजी से करती है।फिर आंखों ने भी नजरों ही देखा देखी उससे बहुत कुछ सीख लिया है मसलन- नजरे चुराना, नजरों से गिरा देना, नजने झूकाना,नजरे मोड़ लेना और नजरे इनायत करना। जब किसी को किसी से प्यार हो जाता है ,तब वह अपने प्रियतम से यही कहते है कि-आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे,इसलिए अपनी आंखों में बसाके रखना और मुझे आंसू की तरह अपनी नजरों से कभी गिरा मत देना। क्योंकि, एक चक्कर लोग गिरे हुए आदमी को जरूर उठाने की मशक्कत कर लेते है,लेकिन आंख से गिरे हुए बेचारे आंसू को कोई नहीं उठाता है। फिर एक बार कोई किसी के नजर से गिर जाए, तो फिर उसे उसकी की नजरों में उठने में ताउम्र कोशिस ही करते रहना पड़ता है। नजरे बहुत कुछ बोलती भी है। जब एक माँ अपने बेटे पर उसके किसी गलती पर नाराज होकर गुस्से से उसकी तरफ देखेती है,तब उसके नजरों से उसे अंगारे बरसते हुए प्रतीत होते है। उसी प्रकार जब किसी कार्यालय में बॉस अपने किसी अधिनस्त की फाइल पढकर नाराज होता है,तब उसकी नजरे अग्नीबाण छोड़ते हुए प्रतीत होती है । फिर कार्यालयों में लोग अपने बॉस की नजरों में चढ़ने के लिए ना जाने क्या क्या यत्न -प्रयत्न करते है,लेकिन बॉस तो बॉस ही होते है। उनकी नजरों में कोई स्थाई रूप से स्थान बना पाए- यह जरा मुश्किल ही होता है। राजनीति में भी नजरों की महत्ता बहुत न्यारी है। राजनीति में नजरों का कमाल तब देखने को मिलता है,जब कोई नया आगंतुक युवा नेता पार्टी होईकमान का दिल जीतकर उनकी नजरे इनायत पाने में सफल हो जाता हैं ,तब उसके कॅरियर के वारे न्यारे हो जाते है,फिर सबदूर उसकी पो बारह होते दिखाई देती है।फिर पार्टी हाईकमान उसे पार्टी संगठन के किसी बड़े पद पर या यदाकदा उसे किसी मंत्री पद का ऑफर भी कर देते है। उसी प्रकार पार्टी का कोई नेता, चाहे वह मंत्री हो, सांसद हो या विधायक ,यदि वह एक बार पार्टी हाईकमान की नजरों से उतर जाता है तो उसके राजनीतिक कॅरियर का बंठाढार होने में भी देर नहीं लगती। देखिए ये सब नजरों का कमाल है। कई लोग नजरों के आड़ से भी तीर चलाते है।कईबार आपने कई महफिलों और पार्टियों में नजरों ही नजरों में इशारे होते देखे होंगे।फिर ये नजरों के इशारे भी कमाल कर देते है।जैसा कि हम फिल्मों में नायक-नायिकाओं के प्यार भरी नजरों के इशारों में उनकी मुहब्बत परवान चढते देखते है। नजरे भी प्रकार लिऐ हुए है,जैसे नजरे चार करना। नजरे दिल के पार भी हो सकती है यह पढ़ने/सुनने में भले ही थोडा अजीब लगता हो,लेकिन असल जिंदगी में ऐसा होता भी है और एक बार किसी की नजर किसी के दिल के पार उतर जाए तो समझ लीजिए कि उसकी तो जिंदगी ही बदल जाती है। फिर नजरों से धोखा देना और नजरों से हमदर्दी दिखाना -ये सब नजरों के ही कमाल है। इसीलिए कहता हूं कि जरा बच के चलिएगा।

## असहयोग आंदोलन के प्रथम जेलयात्री

# महर्षि सदाफल देव महाराज

निरंकार सिंह

आजादी के 75वे साल को 'अमृत महोत्सव' के रूप में पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस संदर्भ में देश की आजादी के लिए अपना अप्रतिम योगदान देने वाले महान क्रांतिकारियों, प्रखर स्वतंत्रता सेनानियों और हुतात्मा बलिदानियों का पुण्य स्मरण करना हमारा परम कर्तव्य बन जाता है। हम सबका यह सौभाग्य है कि आजादी के इस अमृत महोत्सव के हम सब साक्षी बने हैं । आजादी के इतिहास को अब तक कई लोगों ने लिखा है। मगर इसके कई पक्ष अभी भी अछूते रह गये हैं। देश की आजादी के लिए एक तरफ जहाँ राजनैतिक प्रयास चल रहा था वहीं दूसरी ओर क्रांतिकारियों का साहसपूर्ण बलिदानी अभियान भी चल रहा था। इसके साथ ही महान संतों का आध्यात्मिक प्रयोग और देश को जगाने का एक संकल्पित आह्वान भी आजादी की आग को प्रज्जवलित कर रहा था। इनमें कई ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जो अब तक इतिहासकारों की दृष्टि में पूर्ण रूप से सम्मानित स्थान नहीं पा सके हैं और इतिहास के पृष्ठों पर उन्हें समुचित सम्मान नहीं मिल पाया है। इस अमृत महोत्सव के अवसर पर आजादी के वास्तविक इतिहास को शोधपूर्ण अन्वेषण के बाद तथ्य और कथ्य के साथ प्रस्तुत करने की दिशा मे एक सार्थक पहल हुई है और उसी कड़ी में है- स्वतंत्रता के प्रकाश को प्रज्जवलित करने वाले स्वामी सदाफल जी महाराज। महान संत स्वामी सदाफल देव महाराज बलिया जिले के पकड़ी गांव में अपनी आध्यात्मिक साधना में लीन थे। इसी बीच ईश्वरीय प्रेरणा से अपनी साधना को छोड़कर 10 सितम्बर 1920 को बिहार प्रान्त के दानापुर में फौजियों के बीच देश की आजादी के लिए विद्रोह करने के सम्बन्ध में अपना ओजस्वी भाषण देने पहुच गये। जिसके फलस्वरूप आप पर फौज को उकसाने का आरोप लगाकर ब्रिटिश सरकार द्वारा मुकदमा चलाया गया था। इस केस में स्वामी जी को दो वर्ष का सश्रम कारावास का दण्ड दिया गया था, जिसके फलस्वरूप आपको जेल यात्रा 22 दिसम्बर 1920 को प्रारम्भ हुई थी। उस समय स्वामी जी को लोग विज्ञानानंद जी के नाम से जानते थे। इस तरह वे असहयोग आन्दोलन के प्रथम जेल यात्री बने। स्वामी जी की जेल-यात्रा के बाद ही देश के अन्य बड़े-बड़े नेता सन् 1921 के असहयोग आन्दोलन में गिरफ्तार हुए हैं। इस तरह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी महर्षि सदाफलदेव जी महाराज की जेल यात्रा का शताब्दी महोत्सव इस वर्ष स्वर्वेद महामंदिर धाम पर मनाया जा रहा है। महर्षि सदाफल देव महाराज जेल से सजा काटने के बाद बाहर आने पर पूरी तरह ब्रह्म ज्ञान की साधना में लग गये। विहंगम योग संत समाज के 98वें वार्षिकोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यह बात स्वीकार की कि ''सैकड़ों साल के इतिहास में हमारे स्वाधीनता संग्राम के कितने ही ऐसे पहलू रहे हैं जिन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधे रखा। ऐसे ही कितने संत से जो आध्यात्मिक तप छोड़कर आजादी के लिए जुटे। हमारे स्वाधीनता संग्राम की आध्यात्मिक धारा इतिहास में वैसे दर्ज नहीं हुई जैसे कि जानी चाहिए थी। आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो इस धारा को सामने लाना हमारा दायित्व है। इसलिए देश की आजादी की लड़ाई में अपने गुरूओं, संतों, तपस्वियों के योगदान को स्मरण कर रहा है। नयी पीढ़ी को उसके योगदान से परिचित करा रहा है। मुझै खुशी है कि विहंगम योग संस्थान भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहा है।'' महर्षि सदाफल देव महाराज जी की मूल रूचि अध्यात्म और ब्रह्म विद्या जानने की ही थी। वह एक ऐसे ही ब्रह्मनिष्ठ सद्गुरु थे, जिनका अवतरण भाद्रकृष्ण चतुर्थी वि0 सं0 1945 को 25 अगस्त सन् 1888, को उत्तर प्रदेश के बलिया जिला अन्तर्गत पकड़ी ग्राम में पिता राजर्षि हनुमान जी राय बाबा स्कम्भ मुनि, और माता श्रीमती स्व0, मुक्ति देवी के यहाँ हुआ। प्रसिद्ध सेंगर-वंशीय इस ऋषिकुल की उत्पत्ति महर्षि शृंगी से मानी जाती है, जिनके बारे में कहा जाता है कि राजा दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ को उन्होंने ही करवाया था। महर्षि शृंगी की शादी राजा दशरथ के मित्र अंगदेश के राजा रोमपाद की कन्या से हुई थी। इसी शृंगी ऋषि और शान्ता से उत्पन्न सन्तति को सेंगर-वंश कहा गया है। महर्षि सदाफलदेव जी महाराज की पूर्व पीढ़ी में भी अनेक त्यागी सन्त-महात्मा हो चुके हैं। इनमें बाबा लालजी राव का नाम अत्यन्त आदर के साथ लिया जाता है। इन्हीं बाबा लालजी राव की छठी पीढ़ी में महर्षि सदाफलदेव जी महाराज का अवतरण हुआ। वे बचपन से ही साधु-प्रवृत्ति के थे और छोटी अवस्था में ही गीता-रामायण का पाठ करने लगे थे।

स्वामीजी जब 11 वर्ष के हुए तो उन्हें वेदों को पढ़ने की इच्छा हुई। इसके लिए वे काशी भी गये। पर उस समय के रूढ़िवादी पंडितों ने उन्हें क्षत्रिय-कुल का जानकर वेद पढ़ाने से इन्कार कर दिया। उन्हें क्या पता था कि एक दिन यही बालक चारों वेदों का ब्रह्मविद्यापरक भाष्य लिखेगा? स्वामी जी में बचपन से ही वैराग्य-भाव उदित होने लगा था। वे साधु-सन्तों की खोज में रहने लगे। कई सन्त-महात्माओं का दर्शन भी किए मगर तृप्ति नहीं हुई। उन्हें लगता था कि परमात्मा के नाम पर जो भी प्रारम्भिक पूजा-पद्धतियाँ समाज में प्रचलित हैं, वे परमात्मा-प्राप्ति के सही मार्ग नहीं हैं। परमात्मा की ओर बढ़ने के ये प्रारम्भिक सोपान हो सकते हैं। इसी उधेड़बुन में वे सत्यज्ञान की तलाश में सर्वत्र घूमने लगे। उनकी यह यात्रा तब तक जारी रही जब तक उन्हें पूर्ण सद्गुरु नहीं मिल गये। उन्हें सत्यज्ञान का मार्ग मिल गया। साथ ही उन्हें यह भी पता चल गया कि वे किस उद्देश्य से कहाँ से आये हैं? ऐसे महर्षि सदाफलदेव जी महाराज जिन्हें अपनी पूर्व-मुक्ति का भी ज्ञान था, फिर भी जब योग-साधना में प्रवृत्त हुए तो बहुत से सामान्य अनुभवों की ओर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। विशेष अनुभव के रूप में शब्द और प्रकाश की अनुभूति होने पर भी उसे मायिक प्रकाश ही कहा और बराबर आगे के मार्ग की प्राप्ति के लिए अग्रसर होते रहे। वे चाहते तो योग के प्रारम्भिक अनुभवों को ही उपलब्धि मानकर अपने मत का प्रचार करने लगते, मगर ऐसा उन्होंने नहीं किया। वे हमेशा परमात्म-ज्ञान की पूर्णता के लिए अग्रसर होते गए। उन्हें यह लगता था कि जो परमात्मा इन्द्रियाँ, मन और बुद्धि की पहुँच के परे है, उसे उन्हीं के माध्यम से कैसे जाना जा सकता है? उनकी साधना की यात्रा सतत आगे बढ़ती रही। स्वामीजी प्रभु-प्राप्ति के मार्ग में अनवरत आगे बढ़ते जा रहे थे। इसी क्रम में जब एक सन्त-विशेष स्वामीजी को मिले हैं, तब आपको शान्ति मिली है और उस सन्त द्वारा बताई साधना को वृत्तिकूट आश्रम की पर्णकुटी के नीचे एक गुफा में करने लगे हैं।

फिर यहाँ से आश्रम के दक्षिणी भाग स्थित बगीचे में गुफा में योगाभ्यास करने लगे। यहाँ पर जब अधिक लोग आने-जाने लगे तब फिर उस स्थान से वि0 सं0 1963 ई0स01906, में चले गये, जिसे आज सभी वृत्तिकूट गुफा के नाम से जानते हैं। स्वामीजी की खपरैल गुफा बहुत लोगों ने प्रत्यक्ष देखी है। उसी स्थान पर आज पाँच तल्ला स्मृति-केन्द्र बना हुआ है, जिसके निचले भाग में अभी भी उस पुरानी गुफा का स्थान सुरक्षित है।

# भारत विभाजन का कड़वा सच

मुनीष त्रिपाठी

14 अगस्त 1947 को भारतीय पुण्यभूमि खंडित हुई उस खंडित भूमि का नाम पाकिस्तान पड़ा । पिछले साल 14 अगस्त को भारत सरकार ने फैसला किया कि वह अब हर साल 14 अगस्त को भारत के विभाजन की त्रासदी को लेकर स्मृति दिवस मनाएगा । भारत विभाजन की विभीषिका इतनी गहरी थी जिसकी कल्पना भी उन लोगों के आज भी रोंगटे खड़े कर देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष जिनके परिजनों ने विभाजन की विभीषिका को देखा था, सुना है। कहा जाता है बड़े लोग जब गलती करते है या उनसे महत्वपूर्ण निर्णयों के आकलन में गलती होती है तो उसका दुष्परिणाम भी बहुत व्यापक और लंबे कालखंड के लिये होता है। विभाजन की भूमिका का बीज सबसे पहले 1909 में मारले मिंटो सुधार के तहत विधान परिषदों में मुसलमानों के लिये पृथक निर्वाचन अधिनियम में पड़ा था । पहले कांग्रेस ने इसका प्रखर विरोध किया लेकिन 1916 में कांग्रेस ने लीग के साथ लखनऊ समझौते में स्वीकार कर लिया । यही से कांग्रेस ने मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे घुटने टेक कर सैद्धांतिक स्वीकृत दे दी और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे भारत के खंडित होने तक लगातार झुकती रही । 1920 में असहयोग आंदोलन में तुर्की के अपदस्थ खलीफा के समर्थन में खिलाफत को भी इस आंदोलन में गांधी जी के प्रभाव में जोड़ दिया गया।जिसका भारतीय भूमि से कोई लेना देना नही था । इंदुलाल याज्ञिक ने अपनी किताब 'गांधी एज आई न्यू हिम' के पेज 129 में लिखा कि ₹हमने गांधी जी यह सौदा कभी नही किया था कि हम उनके साथ किसी धार्मिक या धार्मिक राजनैतिक आंदोलन में शामिल होंगे।₹ आंदोलन की समाप्ति के बाद पूरे देश के छोटे बड़े शहरों में दंगे हुए । मालाबार में तो मुस्लिम मोपलाओं ने हिंदुओ का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया। कांग्रेस कार्यसमिति में इस कुकृत्य की खुलकर निंदा नही हुईं । आंबेडकर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान और भारत विभाजन ' के पेज 148 में लिखा कि महात्मा गांधी ने नरसंहार करने वाले मोपलाओं के बारे में कहा कि₹ मोपला धर्मभीरु वीर लोग है जो उनके विचार से धर्म सम्मत है।₹ पाकिस्तान के हिंदुओ ने सिंध को तत्कालीन बम्बई प्रान्त से अलग न करने की मांग को लेकर गांधी से कहा ऐसा करने से वे अल्पसंख्यक हो जाएंगे उनके जीवन पर पहले से अधिक खतरा हो जाएगा। इस पर गांधी जी ने 10 फरबरी 1940 के अपने हरिजन समाचार पत्र के द्वारा कहा कि₹ हिंदुओ को अपनी जानमाल की हिफाजत करने का तरीका खुद खोजना होगा। ₹ नतीजा सिंध, बंबई प्रान्त से अलग हुआ और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक हो गए । उन पर हमलों की संख्या में जबरदस्त बढोत्तरी हुई। इसमें कोई शक नही कि गांधी ने खेड़ा, चंपारण, असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वारा भारतीय जन समुदाय को स्वतंत्रता की चेतना से जोड़ दिया परन्तु साम्प्रदायिकता के आगे वह लगातार घुटना टेकते रहे । जिससे मुस्लिम लीग को ताकत मिलती गयी और वह लगातार मजबूत होती चली गई। जाने माने इतिहासकार विपिन चंद्रा जिन्हें आमतौर पर गांधीवादी इतिहासकार माना जाता है उन्होंने अपनी किताब 'भारत का स्वतंत्रता संघर्ष' में गाँधी युग की कांग्रेस पर साम्प्रदायिकता से लड़ने में असफल बताकर कांग्रेस की खुलकर आलोचना की । उन्होंने अपनी किताब भारत का स्वतंत्रता संग्राम में 353, 387,395 पेज पर लिखा कि कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता से संघर्ष नही किया और उसके मूल कारणों को नही समझा जिससे मुस्लिम लीग और जिन्ना मजबूत होते गए। कांग्रेस स्वतंत्रता की चेतना का प्रसार तो कर सकी परन्तु राष्ट्र से नही जोड़ सकी खासकर मुसलमानों को । यह कांग्रेस की बड़ी कमजोरी थी । भारतीय भूभाग को अलग होने और पाकिस्तान बनने की प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी नही हुई यह लंबे कुटिल ,कुत्सित प्रयासों और राष्ट्रवादी विचारों की दीर्घकालीन असफलताओं के चलते हुआ है। अविभाजित भारत लाहौर के रहने वाले प्रोफेसर ए एन बाली जिन्होंने खुद अपनी आंखों से बटवारे को देखा था । उन्होंने बंटवारे के पीछे की कुटिलताओं और राष्ट्रीय असफलताओं को भी अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने बंटवारे पर 'नाउ इट कैन बी टोल्ड' नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने अपनी इस किताब के पेज 34 में लिखा कि ₹ कैसे लाहौर जो कि हिन्दू बाहुल्य 1941 तक था । मुस्लिम लीग ने एक हिन्दू पार्षद के वोट के चलते लाहौर नगर निगम में बहुमत प्राप्त कर नगर निगम द्वारा ग्रामीण मुस्लिम इलाकों को मिलाकर लाहौर को मुस्लिम बाहुल्य बना दिया था । ₹ बटवारे तय होने के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने अंतिम समय तक यह तय नही किया था कि लाहौर, कलकत्ता और दिल्ली पाकिस्तान में रहेगा या भारत में । हिंदुओं के बहुमत के कारण कलकत्ता और दिल्ली तो भारत को मिल गए परन्तु प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का बसाया शहर लाहौर, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाने के कारण पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। साम्प्रदायिकता से नतमस्तक होने और तुष्टीकरण की नीति के चलते भारत का दुखद विभाजन हुआ और विभाजन की ऐसी विभीषिका जनमानस ने झेली जिसका वर्णन करना मुश्किल है। विभाजन के दौरान ब्रिटिश अधिकारी मोसले जिसने अपनी आंखों से दुखद विभाजन को देखा था। उसने बताया था कि पाकिस्तान से भारत में आने वाला एक जत्था 73 मील का था । ये लम्बे जत्थे इसलिये चलते थे क्योकि जत्थों में शामिल लोगों को लगता था कि बड़े जत्थे के साथ चलना उनके लिये ज्यादा सुरक्षा जनक हो सकता है। फिर भी हालात इतने बुरे थे पाकिस्तान के मुस्लिम बलवाई जत्थों पर हमला करके सामान, महिलाओं, युवतियों को लूट लेते थे फिर भी जत्था रुकता नही था और चलता ही जाता था। विस्थापित हो रहे परिजन और पीड़ित असहाय होकर हमेशा के लिये स्वजनों से बिछड़ जाते थे ।विभाजन की विभीषिका का वर्णन किताब 'फ्रीडम मिडनाइट चिल्ड्रन' तथा लेखक गुरुदत्त की कई पुस्तकों में जिन्होंने विभाजन स्वयं झेला था सहित कई किताबों में वर्णित है । ज्ञात इतिहास में मात्र छह महीनों में इतनी बड़ी त्रासदी आधुनिक दुनिया में शायद ही कहीं हुई हो। हिटलर ने जरूर तीस लाख यहूदियों का कत्ल करवा दिया था परंतु उसे ऐसा करवाने में काफी समय लगा था। 14 अगस्त 1947 को देश ने बंटवारें का दर्द झेला था। पाकिस्तान जहां इसे अपनी आजादी के दिन के रूप में मनाता हैं वहीं भारत में अभी भी लाखों लोग हैं जिनके दिलों में बंटवारे का जख्म , दर्द आज भी ताजा है। लाखों लोग अपना घर, परिवार और रिश्तेदार को छोड़कर भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से यहां आए। देश के बंटवारे के समय करीब ढाई करोड़ लोग दोनों देशों के विस्थापित हुए। बंटवारे की त्रासदी का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस दौरान 15- 20 लाख लोग मारे गए।

# स्वतंत्र बनो स्वच्छंद नहीं

मुनि चैतन्य कुमार अमन

प्रतिवर्ष जब 15 अगस्त का दिन आता है तब प्रत्येक भारतवासी यह सोचते हैं कि यह वही दिन है जिस दिन हमारा भारत देश अंग्रेजों की गुलामी से होकर स्वतंत्र बना था और आज उस बात को 75 वर्ष हो रहे हैं और देश आजाद का अमृत महोत्सव मनाने के लिए तत्पर है पर आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने पर एक बार सिंहावलोकन की आवश्यकता है। क्या वास्तव में हमारा हिंदुस्तान स्वतंत्र है या केवल भुलावे में हैं। यद्यपि प्रत्येक प्राणी स्वतंत्र रहना पसंद करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता में जो सुख है वह परतंत्रता में कदापि नहीं। इसीलिए हिंदू साहित्य में स्पष्ट कहा है की पराधीन सपनेहु सुख नाही - पराधीनता का तो सपने में भी सुख नहीं हो सकता। मनुष्य तो एक चिंतनशील मननशील प्राणी है। जबकि एक पशु-पक्षी अज्ञानी है वह भी बंधन में रहना पसंद नहीं करते। वह आकाश खुली हवाओं में विचरण करना पसंद करते हैं। ऐसी स्थिति में एक मनुष्य परतंत्र रहे, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। विश्व मंच पर जब नजर उठा कर देखते हैं तो कोई भी राष्ट्रीय किसी दूसरे राष्ट्र के अधीन रहना पसंद नहीं करेगा चाहे भले कोई राष्ट्र कितना ही छोटा भी क्यों ना हो। भारत जैसा महान लोकतांत्रिक देश जब आजादी को प्राप्त हुआ उस समय इसको मुक्त/स्वतंत्र बनाने में गांधी जैसे कितनों ने अपना बलिदान दिया तब स्वतंत्र भारत के रूप में प्रतिष्ठा मिली। स्वतंत्र शब्द जिसका बड़ा अर्थ निकला पूछा गया स्वतंत्र कौन? स्वतंत्र वह जिसका स्वयं पर नियंत्रण है। आचार्य श्री तुलसी ने एक उद्घोष दिया था- निज पर शासन, फिर अनुशासन। आज का भारत का नागरिक स्वतंत्र नहीं बल्कि स्वच्छंद है। वह अपने मन की इच्छा अनुसार करता है। वह कहता है मुझे कोई रोके नहीं टोके नहीं। मैं कुछ भी करूं मैं अपनी मर्जी का मालिक हूं। कोई उसे कुछ कहता है उसे अटपटा लगता है। उसको जीवन में यह सब अटपटा लगता है। यह वही भारत देश है जिसने कभी विश्व को नैतिकता का संदेश दिया था। सत्य अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाला देश आज असत्य हिंसा और अपराध से ग्रस्त है। धनलिप्सा, पद लिप्सा वह महत्वकांक्षी की अंधी दौड़ में बेतहाशा दौड़ रहा है। जब तक इसी अंधी दौड़ से व्यक्ति- व्यक्ति का सुधार नहीं होगा तब समाज और राष्ट्र में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं होगी। अपेक्षा है स्वयं को देखें और स्वयं का सुधार करेंगे तो पुनः स्वतंत्र भारत का सपना साकार हो सकेगा। जब भारत देश आजाद हुआ तो सबने सोचा होगा कि अब हम स्वतंत्र है. आजाद है। स्वतंत्रता हमारा अधिकार है। हम कुछ भी कर सकते हैं लेकिन सबको यह भी याद रखना चाहिए कि स्वतंत्रता भी नियमों से आबद्ध है। हमें हर नियम का सम्मान करना चाहिए। व्यवहार की शिक्षा भी हमें मर्यादित अनुशासित होकर चलना सिखाती है। यद्यपि राजनीति के क्षेत्र में चलने वाले कानून थोपे हुए होते हैं, वे डंडे के बल पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। वही धर्म अध्यात्म के क्षेत्र में नियमों की अनुपालना स्वेच्छा से होती है। कानून की तरह धर्म की मर्यादाएं थोपी नहीं जाती। शांतिपूर्ण जीवन यापन में व्यक्ति को स्वयं अपनी सीमाओं का निर्धारण करना चाहिए साथ ही पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय मर्यादाओं को सजगता पूर्वक पालने का मानस होना चाहिए। इस मायने में तेरापंथ धर्मसंघ एक आचार एक विचार और एक आचार्य केन्द्रित धर्मसंघ है। इसके प्रत्येक सदस्य को स्वेच्छा से संघीय मर्यादाओं का पालन करना होता है। संघ के प्रत्येक साधु-साध्वी को समान अधिकार है। अपने विचारों को स्वतंत्र रूप में आचार्य को निवेदित किया जा सकता है। आचार्य भी छोटे-बड़े सभी के विचारों को बड़े गौर से सुनते हैं। उचित लगने पर उसे मान्य भी कर लेते हैं किन्तु हर साधु साध्वी की विचाराभिव्यक्ति को स्वीकृत करना अनिवार्य नहीं होता है। यदि यह व्यवस्था परिवार, समाज, राष्ट्र के संदर्भ में लागू कर राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य को अपनी मुखिया को सुनाने की स्वतंत्रता हो तो राष्ट्र के लिए वरदान साबित हो सकेंगे। व्यक्तिगत जीवन में एक अकेला व्यक्ति कुछ भी करें, समझ में आ सकता है किन्तु परिवार, समाज अथवा राष्ट्रीय परिवेश में जीने वाला स्वतंत्र जीवन नहीं जी सकता, उसे अपनी सोच, अपना चिंतन सामुहिक जीवन के अनुरूप बनाना होगा। अन्यथा कहीं भी टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। वहस्वतंत्रता वरदान बन सकती है। जिसमें सब के साथ तामेल बिठाकर चलने को मनोवृत्ति होती है। जहां संकीर्णता संपृक्त विचार, नकारात्मक सोच होती है तो वह स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। सोच हमेशा सकारात्मक, विधेयात्मक हो, जिससे वह व्यक्तिगत जीवन व सामुहिक जीवन सबके लिए शांतिपूर्ण जीवनयापन में सहायक बन सके।

# खोखली मर्दानगी

डॉ. सुरेश कुमार

अदालत के बाहर भैया मजनू अपनी मुँछों पर ताव दे रहे थे। अपनी मर्दानगी को इन्हीं मूँछों से नापते-तोलते थे। इसी मर्दानगी के चक्कर में अपनी साली का खून कर बैठे। खून करने का कोई पछतावा नहीं था। पत्नी को छोड़ घर के सभी लोगों ने केस को रफा-दफा करने के लिए वकील पर दबाव बनाने लगे।

वकील ने कहा – मैं औरत थोड़ी न हूँ, जो मुझ पर अपनी मर्दानगी दिखाने की कोशिश कर रहे हो। केस खुद तुम्हारी पत्नी ने ठोका है। दम हो तो उसी के सामने अपनी मूँछों पर हाथ फेरकर दिखाओ।

मजनू ने कहा – ऐ काले कोर्ट। ज्यादा चपड़-चपड़ मत कर। तुझे अच्छी तरह से पता है कि जिस दिन तू ईमानदारी के पक्ष में केस लड़ने लगेगा उस दिन तेरी दुकान बंद हो जाएगी। बीवी-बच्चे भूखे मरने लगेंगे। तेरे जैसे बड़े खुशकिस्मत हैं कि दुनिया भर में बेईमानी, पाप, अत्याचार भरा पड़ा है जिससे तुम जैसों की दुकान चलती है। खुद बेईमानी की आँच पर पकी रोटियाँ खाने जैसा नामर्दी की बात करता है और चला है मुझे मेरी मर्दानगी सिखाने।

वकील कुछ कहना चाहता था कि मजनूँ फिर से बोल उठा – मर्दानगी न हो तो पुरुष की जिंदगी बेकार है। जीने को तो मच्छर-मक्खी भी जी लेते हैं, लेकिन वह जीना भी कोई जीना होता है। पैसा फेंककर मैं पेरोल पर अंदर-बाहर होने का खेल खेलकर ऊब चुका हूँ। वह तो मेरी मर्दानगी है कि मैं इतना सब कुछ होते हुए भी टस से मस नहीं होता। मेरी पत्नी को समझा कि वह केस वापस ले ले। वरना मेरी मर्दानगी को उबाल मारने में देर नहीं लगेगी। जो हश्र साली का हुआ है वही उसके साथ भी हो सकता है।

वकील के साथ पत्नी भी खड़ी थी। यह सब सुन वह भड़क उठी - मैं तेरी धमकियों से डरने वाली नहीं हूँ। मैं औरत हूँ औरत। जो कापुरुषों को जन्म दे सकती है, वह कापुरुषों को मार भी सकती है। मेरी बहन की हत्या करने को मर्दानगी समझते हो तो मैं थूकती तुम्हारी ऐसी मर्दानगी पर। शम्मा-परवानों के बखानो में आने वाली स्त्री डरावनी बनने में देर नहीं लगाती। उसे अबला समझने की भूल करना आ-बला जैसी होगी। औरत का औरतपन मर्दानगी पर भी भारी पड़ता है।

मजनू कुछ कहना चाहता था कि पत्नी ने चप्पल लेकर उसके गाल पर ऐसा मारा कि उसकी मूँछों पर भी निशाना पड़ गया। थोड़ी देर पहले वह जिन मूँछों पर ताव दे रहा था वही मूछें उसमें घृणा पैदा कर रही थीं।

# गुमरगुंडा शिव मंदिर में दी जाती है बच्चों को वैदिक शिक्षा

बस्तर के दंतेवाड़ा के बीजापुर मार्ग के गुमरगुंडा में एक शिव मंदिर ्थित है जंहा भगवान शिव विराजमान है। गुमरगुंडा स्थित शिवालय की स्थापना 41 साल पहले हुई थी, लेकिन एक दशक से इसकी महत्ता बढ़ी। गुमरगुंडा के नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रधालुओं की संख्या बढ़ने लगी है।

वहीं मंदिर में एक साथ तीन शिवलिंग की स्थापना की गई है। इस मंदिर में सोमवार के अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त पूजन व दर्शन के लिए पहुंचतें है गुमरगुंडा शिव मंदिर में लोग अब सावन और शिवरात्रि ही नहीं बारह माह किसी भी दिन आराधना के लिए पहुंचते हैं।

सोमवार की सुबह से ही आसपास के क्षेत्रों में भगवान शिव के मंदिरों में उनका दूध दही से अभिषेक किया जाता है और नगर स्थित शिव मंदिर गुमरगुंडा, व समलूर के शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का ताता लगा रहता है।

गुमरगुंडा शिव मंदिर की खासियत है कि यहां एक पहाड़ी नाला का पानी मंदिर के नीचे स्थित कुंड से हो कर गुजरता है। गर्मियों में नाला सूख भी जाए तो कुंड में पानी बना रहता है इसी कुंड के पानी से श्रद्घालु तीनों शिवलिंग को जलाभिषेक करते हैं।

यह शिवलिंग इसी कुंड के सफाई के दौरान प्राप्त हुई थी बाद में नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जलहरि दक्षिण भारत से मंगवाई गई।

**आश्रम में वैदिक शिक्षा-** यहां पर आश्रम संचालित है और यहाँ आदिवासी बच्चों को वैदिक शिक्षा दी जाती है यह मंदिर और यहां संचालित आश्रम ऋषिकेश आश्रम काशी से संबध हैं इस लिए यहां के बच्चों को वैदिक संस्कार भी दिए जा रहे हैं। मंदिर और आश्रम स्थापना के प्रणेता स्वामी सदाप्रेमानंद जी ने इस स्थल गुफा में तपस्या की थी।

# मीठेश्वरनाथ शिव मंदिर

**मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर वंश प्रतिदिन यहां प्रार्थनाओं के लिए आते हैं और इस मकबरे की पूजा करते हैं। इस मकबरे की मिश्रित दीवार 2018 में मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर राजवंश द्वारा बनाई गई है।**

दरभंगा जिला, बिहार, भारत में स्थित है । यह मंदिर 20 वीं शताब्दी में बनाया गया था यह मंदिर स्थापित होने की तारीख से लगभग 71 वर्ष पुराना है। इस मंदिर की आधारशिला के अनुसार, मंदिर मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर द्वारा बनाया और स्थापित किया गया है। इस मंदिर के बीच एक पौराणिक कथा छिपी हुई है। मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर पोते जे.एम. ठाकुर द्वारा बताई गई पौराणिक कथा के अनुसार, एक दिन मिष्ठू ठाकुर के घर एक ऋषि आए। मिट्ठू ठाकुर ने ऋषि से पूछा, आप क्या चाहते हैं, बाबा? । ऋषि ने कहा, मुझे बहुत भूख लगी है, मुझे कुछ खाने को दो। मिट्ठू ठाकुर ने कहा, ठीक है, तुम यहां बैठो और मैं तुम्हें कुछ खाने के लिए लाती हूं। मिट्ठू ठाकुर उस ऋषि के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए घर में आए, उस समय आम का मौसम था, इसलिए मितु ठाकुर एक प्लेट में दही , चपटा चावल और आम लेकर आए।

जब मिट्ठू ठाकुर भोजन प्राप्त करने के लिए आया, तो ऋषि ने मितु ठाकुर से कहा, देखो, तुम उस ब्लैक स्टोन को हर दिन पानी चढ़ाते हो, तुम एक काम करो, वहाँ कोने में एक शिव मंदिर का निर्माण करो। मिट्ठू ठाकुर ने कहा, "ठीक है! ठीक है! आपको पहले खाना चाहिए "और आंगन में आने लगी। जब मिट्ठू ठाकुर आंगन में जाने लगे, तो उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, और ऋषि उनके पीछे नहीं थे। मिट्ठू ठाकुर को लगा, शायद ऋषि बाहर होंगे। जब वह बाहर देखने गया, तो ऋषि भी बाहर नहीं थे। मिट्ठू ठाकुर सोचने लगा, इस भोजन का क्या किया जाए। मिट्ठू ठाकुर ने सोचा कि वह भगवान शिव होंगे और मंदिर के निर्माण के लिए ऋषि ने कहा था कि जमीन के नीचे एक थाली के साथ भोजन को दफन कर दें। इसी कारण से, मिथु मिस्त्री ठाकुर ने इस शिव मंदिर का निर्माण किया और इस मंदिर का नाम मिथेश्वरनाथ शिव मंदिर रखा।

**आर्किटेक्चर-** इस मंदिर की वास्तुकला शैली हिंदू मंदिर संरचना की तुलना में मंडप है । इस मंदिर की वास्तुकला एक ब्रिटिश वास्तुकार द्वारा बनाई गई थी। मंदिर की क्षेत्र गणना के अनुसार 0.03 एकड़ या 7.17 धुर है। इस मंदिर की ऊंचाई लगभग 25-30 फीट है। मंदिर में 12 खंभे हैं, और मंदिर का प्रांगण 2016 में मित्थु ठाकुर वंश द्वारा पुनर्निर्मित किया गया है। मंदिर के अंदर शिवलिंग नंदी प्रतिमा और गणेश प्रतिमाएँ अपनी माँ पार्वती के साथ हैं। मंदिर के बाहर एक तुलसी स्क्वायर है।

मिथेश्वरनाथ शिव मंदिर के सामने भी दो मकबरे हैं, जो ऊँचाई से ऊँचा है मिथु मिस्त्री ठाकुर मकबरा और दूसरा जो ऊंचाई में छोटा है गंगेश्वरी देवी मकबरा (मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर की पत्नी)। गंगेश्वरी देवी मकबरे का निर्माण पहले और फिर 19 अक्टूबर 1982 को मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर की मृत्यु के बाद मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर मकबरा का निर्माण और स्थापना उनके पुत्र द्वारा की गई।

अब,मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर वंश प्रतिदिन यहां प्रार्थनाओं के लिए आते हैं और इस मकबरे की पूजा करते हैं। इस मकबरे की मिश्रित दीवार 2018 में मिट्ठू मिस्त्री ठाकुर राजवंश द्वारा बनाई गई है।

# अमरावती कोण्डागॉव शिव मंदिर

अमरावती शिव मंदिर क्या आपने कभी ऐसे मंदिर के बारे में सुना है जो ईंटों से बनी आधी और चट्टानों पर उकेरी गई आधी का संयोजन है जवाब या तो हाँ या नहीं हो सकता है। खैर, अगर जवाब "हाँ" भी हो सकता है, नहीं भी ऐसी रचनाएँ पूरे भारत में उंगलियों पर गिनी जा सकती हैं। ऐसा ही एक दिव्य गंतव्य अमरावती शिव मंदिर है।

**कहां और कैसे पहुंचें**

अमरावती शिव मंदिर जिला मुख्यालय के पूर्व में 32 किलोमीटर दूर स्थित एक छोटा सा गाँव है। संभागीय मुख्यालय के उत्तर में लगभग 75 किलोमीटर दूर है। लॉजिंग और बोर्डिंग के लिए, सही गंतव्य है,

**पुरातात्विक और धार्मिक महत्व**

यह जानना दिलचस्प है, कि कुछ महान राजवंशों की भूमि थी, जिन्होंने इसकी कला और संस्कृति में बहुत योगदान दिया। या तो नल वंश हो सकता है, या गंग वंश हो सकता है, छिंदक नागवंशी हो सकता है, या काकतीय राजवंश हो सकता है

प्रत्येक राजवंश ने बस्तर के कुछ क्षेत्रों को स्वीकार किया और उन्हें सर्वोत्तम तरीके से विकसित किया। उनमें से, बस्तर डिवीजन में पाए जाने वाले सबसे पुराने राजवंशों में से एक नाल वंश (04 वीं – 07 वीं शताब्दी ईस्वी) था, जिसने कोंडागांव के आसपास के इलाकों को नारायणपुर के मध्य मार्ग तक माना और विष्णु, गोभारीन की महान मंदिर श्रृंखला की नींव रखी।

यह मंदिर भगवान शिव का निवास है जो भगवान विष्णु के महान प्राचीन स्मारकों, उमा-महेश्वर के साथ-साथ बहुत प्राचीन शिव-लिंग का प्रतिनिधित्व करता है, आदि। गढ़-धनोरा के क्षेत्रों में, कुछ प्राचीन मूर्तियाँ पाई जाती हैं, जो नल राजवंश की उम्र की लगती हैं,

जो मिली मूर्तियों के समान हैं। इस मंदिर का अधिक महत्व है क्योंकि यह क्षेत्र स्थानीय और आसपास के क्षेत्र के लोगों का उच्च ध्यान आकर्षित करता है। शिव-रत्रि के अवसर पर, एक बार भगवान शिव (शिव-लिंग) के दर्शन करने के लिए उपासकों, अनुयायियों और भक्त लोगों की भारी भीड़ का सामना करना पड़ता है।

**कला और मूर्तिकला**

अमरावती शिव मंदिर मंदिर एक एकल मंदिर बनाने के लिए एक साथ मंदिर निर्माण की दो शैली का एक अनूठा संयोजन दिखाता है। सामने की ओर से, हम ईंटों से बने मंदिर के भाग (संभवतः चट्टानी भाग की तुलना में बाद में बनाया गया होगा)। पीछे की ओर, हम एक सुंदर लेकिन लगभग तबाह मंदिर का हिस्सा देख सकते हैं,

जो चट्टानों के बड़े टुकड़ों से बना है, जिसे साथी ग्रामीणों द्वारा बताया गया है, का उपयोग छत के रूप में किया गया है जो छोटे चट्टान स्तंभों की मदद से खड़ा है। चट्टानी छत, अंडाकार आकार में है, और जैसा कि साथी ग्रामीणों द्वारा बताया गया है, इसका मतलब स्वयं भगवान शिव की कृपा से वहां बने प्राकृतिक शिव-लिंग के रूप में है।

**अमरावती कोण्डागॉव शिव मंदिर-** मंदिर में हम कई मूर्तियों का अवलोकन कर सकते हैं जो गढ़-धनोरा के क्षेत्रों में मूर्तिकला की शैली और निर्माण के तरीके से मिलती-जुलती हैं, जहाँ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा बहुत सारे पुरातत्व स्मारक पाए गए हैं, जो गढ़ की आयु का संकेत देते हैं। 4 वीं – 7 वीं शताब्दी ईस्वी की आयु के स्मारकों के स्मारकों के रूप है।

मंदिर के अंदर, हम भगवान विष्णु की एक लंबी मूर्ति का अवलोकन कर सकते हैं, जिसमें कला की एक अनूठी शैली है जहाँ एक कपड़ा एक कलाई से शुरू होता है, फिर जांघों तक जाता है और दूसरे हाथ की कलाई पर वापस समाप्त होता है।

**अमरावती कोण्डागॉव शिव मंदिर-**(भगवान विष्णु की मूर्तियों के समान लगता है,) एक गढ़-धनोरा में देख सकते हैं)। यह जानना दिलचस्प है कि यहां हम उमा-महेश्वर की मूर्तियों की 3 अलग-अलग शैलियों को उनके गहनों, प्रतीकों और जानवरों के स्थान पर विभिन्न नक्काशी के साथ देख सकते हैं, जिस पर वे बैठते हैं।

सामने और बाहर से मंदिर के पहले दृश्य से, यह आपको एक सामान्य मंदिर का रूप देगा, जिसके शीर्ष में एक "गुंबद" है, लेकिन जब आप अंदर प्रवेश करते हैं, तो आप एक अलग दुनिया में आंतरिक लुक जैसी गुफा के साथ महसूस करते हैं।

लगभग 150-200 मीटर दूर जंगल में जाने पर, हम गणेश की एक मूर्ति का निरीक्षण कर सकते हैं, जो लगभग 2.5 फीट की ऊंचाई पर है।

अमरावती कोण्डागॉव शिव मंदिर- फिर से गणेश की मूर्ति के पास जाने पर, हम कुछ और मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं जैसे कि दुर्गानी माता और बावड़ी माता (यह मंदिर 1962 में बनाए गए हैं)।

# राखी जैसा दिखता है कृष्ण कमल फूल ब्रह्मा-विष्णु-महेश का प्रतीक

कमल के फूल को हिन्दू धर्म में अहम माना जाता है। जी दरअसल यह कई प्रकार के होते हैं। इस लिस्ट में ब्रह्म कमल, सफेद कमल, नीलकमल, कृष्णकमल आदि शामिल है। जी दरअसल कृष्ण कमल के फूल की बनावट राखी की तरह होती है और इसी वजह से इसे राखी का फूल भी कहते हैं। कहा जाता है यह बेल की तरह होता होता है इसलिए इसे झुमका लता के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा इसे जुगनू फूल भी कहते हैं और यह बहुत ही शुभ माना जाता है। कृष्णकमल का साइंटिफिक नाम पैशन है और यह किसी के साथ आगे बढ़ने वाली बेल है। वहीँ अधिकतर यह साउथ ईस्ट अमेरिका और साउथ अमेरिका में पाया जाता है। कहा जाता है इसके जमीन के ऊपर उगने वाले हिस्सों से दवा बनती है। इसके अलावा इसकी लताओं में फूल के साथ फल भी उगते हैं। जी दरअसल यह कमल कई तरह के रंगों में पाया जाता है। जैसे, बैंगनी, लाल और सफेद आदि। इस फूल की 500 से ज्यादा प्रजातियां हैं। आपको बता दें कि हिन्दू धर्म की धार्मिक मान्यताओं के कारण लोग इसे अपने घर में लगाते हैं। इसी के साथ इसकी बाहरी

पंखुड़िया बैंगनी लाल या सफेद होती हैं जिसकी संख्या करीब 100 तक होती है।

जी हाँ और इसके ऊपर पांच कली निकलती है और कुछ लोग इसे कौरव और पांडवों से जोड़कर देखते हैं। कहा जाता है इन पांच कलियों के ऊपर और तीन कलियां होती हैं जिन्हें ब्रह्मा-विष्णु-महेश का प्रतीक माना जाता है और जो केंद्र में विराजमान हैं उन्हें कृष्ण स्वरूप कहा गया है इसीलिए इसका नाम कृष्णकमल है। इसके अलावा इस फूल को घर में लगाने से जीवन में शांति, सुख, समृद्धि, उन्नति और सभी तरह के योग बनते हैं और इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। इस कृष्णकमल के कई तरह औषधीय फायदे भी हैं।

# शुभ नहीं माना जाता है नलों से पानी का टपकते रहना

वास्तु के अनुसार अगर घर के किसी भी हिस्से में नल टपकता है तो ये वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। घर का टपकता नल फिजूलखर्ची का सूचक है और खासकर कि घर की रसोई का नल टपकता है तो ये बिल्कुल भी अच्छा नहीं है

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि नल साफ करते समय वह अपनी जगह से हिल जाता हैं और फिर पानी टपकने लगता है। हालांकि नल से पानी टपकने के और भी कई कारण हो सकते हैं। कई बार इसके अंदर पानी या फिर कुछ चीज भी जमा हो जाता है जिसकी वजह से नल ब्लॉक हो जाता है और लीक करने लग जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि

वास्तु में नल से पानी का टपकना अशुभ माना जाता है? जी हां, वास्तु के अनुसार, नल से बूंद-बूंद करके पानी का बहना इस बात की ओर इशारा करता है कि कहीं न कहीं आपके घर या व्यापार में कोई मुसीबत आने वाला है। ऐसे में आज आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए टपकते नल के वास्तु दोष के बारे में। वास्तु के अनुसार अगर घर के किसी भी हिस्से में नल टपकता है तो ये वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। घर का टपकता नल फिजूलखर्ची का सूचक है और खासकर कि घर की रसोई का नल टपकता है तो ये बिल्कुल भी अच्छा नहीं है क्योंकि रसोई में अग्नि का निवास होता है जहां आग और पानी एक साथ हो वहां परेशानियां शुरू हो जाती है।

घर का कोई सदस्य बीमार हो सकता है, व्यापार में नुकसान या किसी टूट-फूट में पैसा जा सकता है।

पानी के फिजूल बहने से वरूण देव का दोष भी लगता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए, घर में कोई टपकता हुआ नल है तो उसे जल्द से जल्द ठीक करा लें।

## विवाद के बीच उर्वशी रौतेला ने की बोल्ड फोटो शेयर

उर्वशी रौटेला इन दिनों ऋषभ पंत के साथ अपने झगड़े को लेकर मीडिया की खबरों में छाई हुई है। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि उन्हें मिस यूनिवर्स बहरीन 2022 का ऑफिशियल जज चुना गया है। उर्वशी रौटेला फिल्म एक्ट्रेस है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्में काफी पसंद की गई हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं।

**उर्वशी रौटेला ने थाई हाई वन पीस ड्रेस पहनकर फोटोशूट कराया है।**

उर्वशी ने हाल ही में थाई हाई वन पीस ड्रेस पहनकर फोटोशूट कराया है। इसमें उनका स्लिम और टोंड फिगर भी नजर आ रहा है। पहली तस्वीर में वह पेड़ के पास खड़े होकर फोटो खींचा रही है। इसमें उनके बाल खुले हुए हैं। उन्होंने मेकअप कर रखा है। उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है। उन्होंने इयरिंग्स पहन रखी है और वह कैमरे की ओर देख रही है। इसकी बात की फोटो में उनके चेहरे पर स्माइल है। वहीं तीसरी फोटो में वह अलग अंदाज में बोल्ड पोज दे रही हैं।

## 'मिर्जापुर 3' की गोलू का 3.0 वर्जन

**सीरीज के तीसरे पार्ट के लिए जमकर मेहनत कर रहीं श्वेता त्रिपाठी, जिम में जमकर बहा रही हैं पसीना**

अमेजन प्राइम की वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच गोलू पंडित यानि श्वेता त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में श्वेता मिर्जापुर सीजन 3 में अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए जिम में कड़ी मेहनत करती हुई दिखाई दी। श्वेता त्रिपाठी अपने ट्रेनर के साथ बॉक्सिंग प्रैक्टिस कर रही हैं।

वीडियो के बीच में एक टैग लगा हुआ है, जिस पर गोलू 3 .0 लिखा है । जिससे ये साफ हैं की मिर्जापुर 3 में गोलू पंडित का किरदार काफी अलग और जबरदस्त होने वाला है। श्वेता के इस वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

# श्रीदेवी को याद कर भावुक हुई बेटी जाह्नवी कपूर

## एक्ट्रेस का पोस्ट देख नम हो जाएंगी आंखें

हिंदी सिनेमा की बेहद पॉप्युलर एक्ट्रेसेस में गिनी जाने वाली अभिनेत्री श्रीदेवी को बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार कहा जाता है। एक्ट्रेस भले ही आज हमारे बीच ना हो, लेकिन उनका जिक्र अक्सर होता है। शनिवार को श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी है और ऐसे में उनकी यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने भी मां को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद किया और उनके लिए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है।

जाह्नवी कपूर ने मां श्रीदेवी संग अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जिसमें नन्ही–सी जाह्नवी को श्रीदेवी गले लगा रही हैं। फोटो को शेयर करते हुए जाह्नवी ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे मम्मा, मैं आपको हर रोज और ज्यादा मिस करती हूं। मैं आपसे हमेशा प्यारी करूंगी।

श्रीदेवी की बात करें तो 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु में जन्मी हवा-हवाई गर्ल ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना करियर शुरु किया था। उनका असली नाम श्री अम्मा अयपन्न यंगर था, लेकिन फिल्मों में आने बाद एक्ट्रेस ने अपना नाम बदलकर श्रीदेवी रख लिया और इस नाम ने उन्हें खूब पॉप्युलैरिटी भी दिलाई।

श्रीदेवी ने अपने करियर में अमिताभ से लेकर धर्मेंद्र तक लगभग हर सुपरस्टार के साथ काम किया। एक्ट्रेस ने मिस्टर इंडिया, चांदनी, चालबाज, सदमा, नगीना, लम्हे, जुदाई, इंग्लिश-विंग्लिश, मॉम, निगाहें, फरिश्ते, लाडला और रूप की रानी चोरों जैसी कई शानदार फिल्में दीं। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो 29 जुलाई को उनकी फिल्म गुड लक जेरी रिलीज हुई है, जो साउथ फिल्म कोलामावु कोकिला की हिंदी रीमेक है।

ओरिजनल फिल्म में नयनतारा ने लीड रोल निभाया था तो रीमेक में जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में है। गुड लक जेरी को जाह्नवी के करियर की बेस्ट फिल्म कहा जा रहा है क्योंकि एक्ट्रेस की एक्टिंग दमदार है। इस फिल्म के बाद जाह्नवी के पास वरुण धवन के साथ वाली फिल्म बवाल भी है। एक्ट्रेस के खाते में फिल्म जन गण मन भी है, जिसमें वे साउथ स्टार विजय देवरकोंडा और पूजा हेगड़े के साथ नजर आएंगी। इन सबके साथ ही जाह्नवी के पास करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 भी है।

## उर्फी जावेद की नई ड्रेस देख बौखलाए फैंस, कहा ये क्या चिपका दिया। ..'

बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अक्सर अपने फैशन सेंस के चलते सुर्खियों में नजर आती रहती हैं। उर्फी अपने अतरंगी फैशन के कारण काफी बार ट्रोल होते नजर आयी हैं, हलाकि उर्फी हर बार अपने ट्रोलर्स को मुह तोड़ जवाब देते दिखती हैं। उर्फी हर बार अपने अलग अंदाज से लोगो को एंटरटेन करते दिखती हैं। हाल ही में उर्फी ने अपनी एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाली है जिसमें उन्होंने ग्रीन कलर का ड्रेस पहना है जिसमें वो बेहद ही हॉट लग रही हैं। उर्फी की ये वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गयी है, और फैंस वीडियो पर कमैंट्स कर अपने विचार बता रहे हैं। जानकारी के लिए वीडियो जरूर देखें

## अनुराग कश्यप ने तापसी पन्नू को लेकर कह दी ऐसी 'गंदी बात'

### वीडियो देखकर आपको भी आ जाएगी शर्म

अनुराग कश्यप और तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्म 'दुबारा' के प्रचार में जुटे हुए हैं जहां फिल्म निर्देशक एक ऐसा बयान दे दिया जिसे सुनकर सभी लोग हैरान रह गए. सिद्धार्थ कनन के साथ एक इंटरव्यू के दौरान जब उनके स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर बात किया जा रहा था तब अचानक से वें बोल पड़े, "मेरे स्तन तापसी पन्नू से बड़े हैं." जहां एक तरफ उनके इस बयान को सुनकर सभी लोग हैरान हैं, वहीं इस वीडियो में मौजूद तापसी उनके इस बयान पर मुस्कुराती नजर आईं. वीडियो देखने के बाद लोग अनुराग को जमकर ट्रोल कर रहे हैं. इस वीडियो में दोनों रणवीर सिंह के न्यूड फोटोशूट कर बात कर रहे हैं. इसी बीच सिद्धार्थ, अनुराग से बोलते हैं कि 'सर, आप भी एक न्यूड फोटोशूट करवाएं. मेरा यकीन मानिए जिस तरह आपकी तोंद बाहर निकलकर आएगी, वो फोटोशूट वायरल होग.' इस पर तापसी ने कहा, 'प्लीज हॉरर शो शुरू मत करो.' इसका जवाब देते हुए सिद्धार्थ ने कहा, 'तुम कॉम्प्लेक्स हो और जलती हो क्योंकि तुम जानती हो कि अनुराग सर वायरल हो जाएंगे और उन्हें पब्लिसिटी मिल जाएगी.' इस पर अनुराग ने कहा, 'हां, ये तो मुझसे वैसे ही डरती, इसको तो मुझसे सिर्फ इसी वजह से कॉम्प्लेक्स है कि मेरे बूब्स (स्तन) इससे बड़े हैं.

## बॉबी देओल की पत्नी ने सबके सामने कर दी एक्टर की बेइज्जती, यूजर्स बोले- इतना घमंड नहीं होना चाहिए

सिंगर अर्जुन कानूनगो ने गर्लफ्रेंड कार्ला से शादी कर ली है। शादी के बाद उन्होंने बीती रात रिसेप्शन पार्टी दी। इस पार्टी में कई सेलेब्स पहुंचे जिसमे बॉबी देओल और उनकी पत्नी भी शामिल थीं।। पार्टी की कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हालांकि बॉबी देओल का इस पार्टी से जो वीडियो सामने आया है उसे देखकर तो सब अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। वहीं कुछ तो उस वीडियो को लेकर बॉबी देओल की पत्नी को ट्रोल कर रहे हैं। बॉबी का ये वीडियो तो अर्जुन और कार्ला की फोटोज और वीडियोज से ज्यादा वायरल हो रही हैं। दरअसल, वीडियो में आप देखेंगे कि बॉबी देओल पत्नी तान्या के साथ मीडिया फोटोग्राफर्स के सामने आते हैं। इस दौरान दोनों ट्रेडिशनल लुक में नजर आते हैं। बॉबी देओल ने ब्लैक कुर्ता, जैकेट और पजामा पहना था। वहीं तान्या ने पिंक कलर की फ्लोरल साड़ी।

## क्या है रवीना के जवान रहने का राज अभिनेत्री ने खुद किया खुलासा

90 के दशक में अपनी खूबसूरती के जादू से फैंस को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस अब भी कमाल की दिखती हैं. इसका सबूत एक्ट्रेस रवीना टंडन की लेटेस्ट फोटोज हैं. जिसमे उनका लुक फैंस को क्रेजी बना रहा है. आपको सुनकर हैरानी होगी कि रवीना टंडन की उम्र 47 साल है. लेकिन इस उम्र में भी वह आज कल की एक्ट्रेस को खूबसूरती में टक्कर दे रही हैं. रवीना टंडन अब भी यंग दिखती हैं. वह अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हैं. रवीना टंडन अपने फिट रहने के राज के बारे में बताती हैं कि उन्हें वर्कआउट करने पसंद है. वह हेल्दी खाना खाती हैं. इसके अलावा वह फ्रूट्स और प्रोबायोटिक का सेवन करती हैं. वह अपने खाने में दही का सेवन करना नहीं भूलती हैं. रवीना की डाइट की बात करें तो उन्हें चीजों को मिक्स करके खाना अच्छा लगता है. उनकी रोजाना की डाइट की बात करें तो वहीं रोटी, सिंपल दाल और दही खाती हैं. रवीना का कहना है कि दही भोजन को पचाने में मदद करता है. इसके अलावा रवीना होममेड काढ़ा भी पीती हैं. जिससे वह चुस्त रहने के साथ-साथ उनका वजन भी कंट्रोल में रहता है. वहीं, एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि उन्हें बटर बेहद पसंद है. लेकिन वह सिर्फ हेल्दी डाइट को फॉलो करती हैं.

## हॉलीवुड स्टार ऐनी हेचे का निधन

### प्रियंका चोपड़ा ने जताया दुख

एक्ट्रेस एनी हेचे की लेकर एक दुखद खबर आई है. एक हफ्ते से जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहीं हॉलीवुड स्टार एनी हेचे ने दुनिया को अलविदा कह दिया है. बीते दिन खबरें थीं कि वो कोमा में हैं और उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है. जिसके बाद अब उनके निधन की खबर ने उनके फैंस और करीबियों पर दुख का पहाड़ गिरा दिया है. बता दें कि एक हफ्ते पहले एक कार दुर्घटना के बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया था.

**आपको बता दें कि 5 अगस्त को सड़क दुर्घटना का शिकार हुई एनी हेचे की उम्र महज 53 साल की थी. बीते दिन उनके रिप्रेजेंटेटिव का बयान सामने आया था. एक्ट्रेस के रिप्रेजेंटेटिव ने उनकी सेहत की जानकारी देते हुए बयान दिया था कि ऐनी हेचे को लाइफ सपोर्ट सिस्टम से हटा दिया जाएगा. इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा था कि एक्ट्रेस के बचने की कोई उम्मीद नहीं नजर आ रही है. यहां तक कि उनके अंगों को भी दान कर दिया जाएगा. एक्ट्रेस के निधन के बाद पूरा मनोरंजन जगत उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआएं कर रहा है. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर एनी हेचे की मौत पर शोक जताया है. एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी के जरिए एनी के बच्चों, परिवार और करीबियों के साथ अपना प्यार और सपोर्ट व्यक्त किया है. साथ ही, लिखा है कि मुझे गर्व है कि मैंने आप जैसी शख्सियत के साथ काम किया. आप एक बहुत ही अच्छी इंसान थीं और एक उम्दा कलाकार भी. मेरे दिल में आपके लिए एक खास जगह है. आपकी आत्मा को शांति मिले.**

**कैसे हुई थी दुर्घटना?**

रिपोर्ट्स की मानें तो एनी हेचे की कार 5 अगस्त को वेस्ट लॉस एंजिल्स में एक घर से जा टकराई थी. ये दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कार के कुछ हिस्से अब भी घर की दीवारों में धंसे हुए हैं. जानकारी के अनुसार, पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि, वो नशे में गाड़ी चलाने के मामले की जांच कर रह हैं. एलएपीडी के स्पोक्सपर्सन जेफ ली के मुताबिक, ऐनी के खून में नशीले पदार्थ पाए गए थे. इस घटना से जुड़े सभी सबूत जुटाए जा रहे हैं. इस बीच एनी की मौत ने भी सबको झकझोक दिया है.

## शाहरुख खान की 'पठान' का बायकॉट करना पड़ा भारी

### सीएम के 'गुरु भाई' साधु देवनाथ को मिली जान से मारने की धमकी

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'पठान' रिलीज से पहले से विवादों में घिर गई है। दरअसल फिल्म को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर बहिष्कार करने की आवाज उठ रही है। इसी बीच गुजरात के कच्छ साधु समाज क अध्यक्ष साधु देवनाथ ने भी सनातनियों से 'पठान' का बहिष्कार करने की अपील की थी। अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरु भाई साधु देवनाथ ने दावा किया है कि शाहरुख खान की फिल्म का बहिष्कार करने की अपील करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है।

**किसने दी साधु देवनाथ को धमकी?**

मीडिया से बातचीत में साधु देवनाथ ने कहा कि वह धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ बचाउ थाने में शिकायत कराएंगे। उन्होंने आरोपी के बारे में बात करते हुए कहा, ₹शाहरुख खान के फैन सलीम अली ने ट्विटर पर मेरा एक सिर कटा हुआ पोस्टर पोस्ट किया है। वह शाहरुख खान की पीआर टीम से है। आरोपी ने यह प्रतिक्रिया गुरुवार के द्वारा किए गए उस ट्वीट के बाद दी है, जिसमें मैंने सनातनियों से आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा की तरह शाहरुख की नई फिल्म 'पठान' का बहिष्कार करने की अपील की थी। साधु देवनाथ ने आगे कहा, मैं किसी भी फिल्म के खिलाफ नहीं हूं लेकिन उन एक्टर्स के खिलाफ हूं, जो भारतीय फैन फॉलोअर्स पर फलते-फूलते हैं और देश को ही गाली देते हैं।

**साधु देवनाथ ने की ये मांग**

साधु देवनाथ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह चाहते हैं कि पुलिस धमकी देने वाले शख्स के पीछे मौजूद गिरोह का पर्दाफाश करे और सलीम की जांच करें।

**अगले साल रिलीज होगी शाहरुख खान की 'पठान'**

बॉलीवुड के किंग खान अगले साल तीन फिल्मों (पठान, डंकी और जवान) से फैन्स को बड़ा तोहफा देने वाले हैं। हाल ही में फिल्म 'पठान' का फर्स्ट लुक रिलीज हुआ था, जिसके बाद फैन्स में एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। फिल्म 'पठान' में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

## आमिर खान के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत भारतीय सेना के अपमान का लगा आरोप

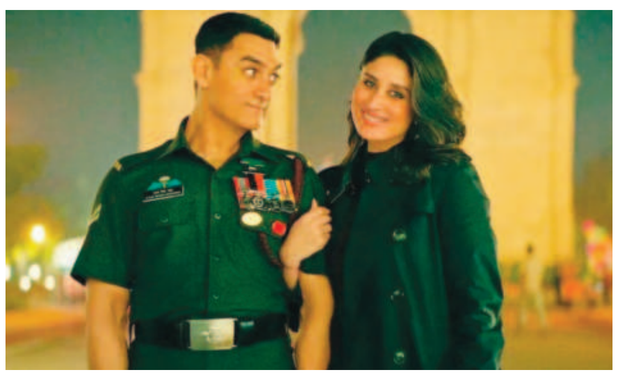

फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर आमिर खान एक बार फिर से मुसीबत में फंस गए हैं। बता दें कि आमिर खान और करीना कपूर स्टारर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लेकर पिछले काफी समय से विवाद चल रहा था और लोग सोशल मीडिया पर इसके बायकॉट की मांग कर रहे थे। अब लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर आमिर खान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।

**ये आरोप**

अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर दिल्ली के एक वकील ने पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा से आमिर खान के खिलाफ शिकायत की है। अपनी शिकायत में वकील ने आमिर के अलावा फिल्म के प्रोड्यूसर पैरामाउंट पिक्चर प्रोडक्शन हाउस और अन्य लोगों के नाम भी लिए हैं। दरअसल शिकायतकरता विनीत जिंदल ने आमिर खान और प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ 'लाल सिंह चड्ढा' फिल्म में भारतीय सेना के अपमान और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है।

वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि फिल्म में आपत्तिजनक कंटेट था, जिसको लेकर शिकायतकर्ता ने आमिर और पैरामाउंट पिक्चर्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 153, 153 ए, 298 और 505 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

# स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे के रंगों को फैशन में करें शामिल, सबसे हटकर आएंगे नजर

**आज 15 अगस्त** को देश भर में आजादी का जश्न मनाया जा रहा हैं। हर भारतीय इस दिन देशभक्ति की भावना में डूबा रहता है। मन करता है कि आसपास की जितनी चीजें नजर आए वो तिरंगे के रंग में रं गा हो। खाने-पीने की चीज से लेकर कपड़ों तक हर चीज में हम केसरिया, सफेद और हरा रंग देखना पसंद करते हैं। लड़कियां तो आजादी के दिन स्टाइलिश दिखने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती हैं।अगर आप इस बार स्वतंत्रता दिवस पर फैशन में देशभक्ति का तड़का लगाना चाहती हैं तो चलिए ऐसे तिरंगे के रंगों को अपने लुक में शामिल करें ...

अगर आप कॉलेज या आफिस स्वतंत्रता दिवस के दिन जा रही हैं तो सफेद सूट के तिरंगा वाला दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। या फिर सफेद सूट के साथ ग्रीन पजामी पहन सकती हैं और केसरिया दुपट्टा ले सकती हैं।इसके अलावा आप सफेद, ऑरेंज और ग्रीन साड़ी पहन सकती हैं। ब्लाउज को उसके अनुसार कैरी कर सकती हैं।

इसके साथ आप केसरिया, हरे या सफेद रंग की ईयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं। इन दिनों बाजार में तिरंग वाला ईयररिंग्स खूब मिल रहा है। सूट के साथ आप इसे कैरी करके खूबसूरत लग सकती हैं। स्वतंत्रता दिवस पर अगर आप बाहर घूमने जा रही हैं और स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो दोनों हाथों में तिरंगे वाली चूड़ियां पहन लें। ट्रेडिशनल आउटफिट पर केसरिया, सफेद और हरे रंग की मिक्स चूड़िया काफी जंचेंगी। इसके अलावा आप तिरंगे वाली ब्रेसलेट भी ट्राई कर सकती हैं।

ये तो बात लड़कियों की हो गई। लड़के इस दिन सफेद, ऑरेंज या ग्रीन कुर्ता पहन सकते हैं। इसके साथ वो सफेद पजामा कैरी कर सकते हैं। नेहरू जैकेट के साथ आजादी के लुक को कंप्लीट कर सकते हैं। या फिर तिरंगा वाला टी-शर्ट भी कैरी किया जा सकता है।

# इन एक्टिविटीज के साथ बच्चों के लिए खास बनाएं स्वतंत्रता दिवस

**15 अगस्त का** दिन हर भारतीय के लिए बहुत ही खास होता है। सन् 1947 में इस दिन भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, इसलिए देश में हर भारतीय इस दिन को एक साथ मिलकर सेलिब्रेट करता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन वीर सपूतों के बलिदान को याद करते हुए झंडा भी फहराया जाता है। पैरेंट्स बच्चों के लिए इस दिन इतिहास से जुड़ी कुछ अहम बाते बताने के लिए एक्टिविटीज करवा सकते हैं।

**कार्यक्रम में करें शामिल**

15 अगस्त के दिन हर जगह पर ध्वजारोहन के कार्यक्रम होते हैं। आप बच्चों को उन फंक्शन्स का हिस्सा बना सकते हैं। इससे उनके अंदर देशभक्ति की भावना भी प्रकट होगी और वो इस दिन के महत्व को भी समझ पाएंगे। आप बच्चों को राष्ट्रगान गाने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं।

**मार्च-पास्ट का करें आयोजन**

आप बच्चों के लिए मार्च-पास्ट यानी की परेड भी आयोजित कर सकते हैं। पैरेंट्स बच्चों के लिए सोसाइट में इस तरह का मार्च-पास्ट आयोजित कर सकते हैं। इससे बच्चों के अंदर अनुशासन आएगा और देश के जवानों के प्रति भी सम्मान बढ़ेगा।

**ड्राइंग, डांस, सिंगिंग और पेंटिंग कॉम्पिटिशन**

स्वतंत्रता दिवस के दिन आप बच्चों के लिए ड्राइंग और पेंटिंग कॉम्पिटिशन भी आयोजित करवा सकते हैं। बच्चों को तिरंगी टी-शर्ट पेंट करवाकर तीन रंगों का महत्व बता सकते हैं। डांस कार्यक्रम आयोजित करते दिन और भी खास बना सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस के दिन नाटक कार्यक्रम आयोजित करके भी वीर स्पूतों के बारे में बता सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस के दिन आप बच्चों के लिए ड्राइंग और पेंटिंग कॉम्पिटिशन भी आयोजित करवा सकते हैं। झंडे के चित्र या फिर कुछ इस तरह के चित्र आप बच्चों से बनवा सकते हैं। इसके अलावा यदि बच्चों को गाना गाने का शौक है तो आप उनके लिए सिंगिंग कॉम्पिटिशन भी आयोजित करवा सकते हैं। सांस्कृतिक नृत्य भी इस दिन के लिए आप बच्चों को सिखा सकते हैं।

**देशभक्ति से जुड़े नाटक**

आप इस दिन बच्चों के लिए देशभक्ति से जुड़े नाटक की भी तैयार करवा सकते हैं। जैसे - आप अपने घर के पास किसी ग्राउंड में उनके लिए छोटे से कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। आयोजन में आप बच्चों को महात्मा गांधी, चन्द्रशेखर आजाद और भगत सिंह की पोषाक पहनाकर उनके जीवनशैली पर छोटा सा एक नाटक तैयार करवा सकते हैं।

**टी-शर्ट पेंटिंग**

बच्चों के लिए आप इस दिन स्वतंत्रता सेनानियों की पोषाक बनवा सकते हैं। इन ड्रेसेज के साथ आप अलग से उनके लिए ड्रेस कॉम्पिटिशन रख सकते हैं। थीम पार्टी भी आप इस दिन आयोजित कर सकते हैं। बच्चों के दोस्तों को बुलाकर उन्हें ट्राइकलर की ड्रेसिंग थीम फॉलो करने के लिए कह सकते हैं। टी-शर्ट पेंटिंग भी आप इस दिन के लिए रख सकते हैं। सफेद टी-शर्ट को आप तिरंगा जैसी रंगवाकर बच्चों को तिरंगा रंगों का महत्व बता सकते हैं।

# दफ्तर में ऊब महसूस होती है तो इन टिप्स को अपनाएं

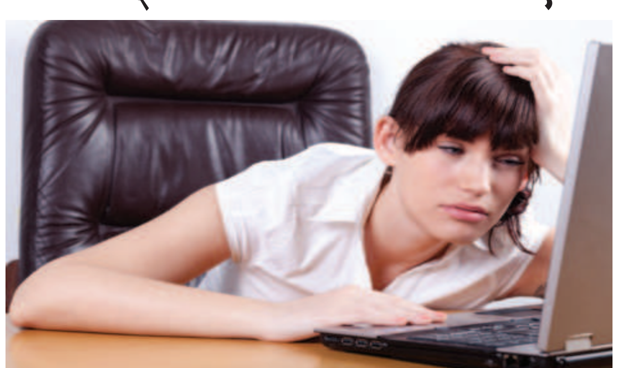

**एक ही कार्य को** करते रहने पर ऊब होना सामान्य है। ऐसे में चुनौती ये आती है कि ऐसा क्या किया जाए कि उत्पादकता भी बनी रहे और दफ़्तर में मन भी लगा रहे। कर्मचारी किसी भी संस्था का हो, फिर चाहे वो रेलवे में टिकट काटने वाला हो या फिर बैंक मैनेजर ही क्यों न हो, संस्था की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहिया होता है। उसके काम करने के तौर-तरीक़े से विकास की गति तय होती है। ऐसे में अगर उसकी काम करने की रुचि, क्षमता या भाव कम हो जाए, तो उसका नकारात्मक असर संस्था के साथ उसकी प्रगति पर भी पड़ता है। इसलिए ज़रूरी है कि कार्य करते समय किसी भी तरह की बोरियत महसूस न हो। उडेमी वर्कस्पेस द्वारा किए गए एक शोध के मुताबिक़ 53% कर्मचारी ये स्वीकार करते हैं कि एक समय के बाद वे अपने काम से ऊब जाते हैं। मिसाल के तौर पर, रोज़ अगर आपको खाने में दाल-चावल ही परोसा जाए, तो आपको उससे ऊब होने लगेगी। ठीक यही हाल दफ़्तर में देखने को मिलता है। चाहे आप किसी भी सेक्टर में कार्य कर रहे हों, एक समय बाद अपने काम से बोरियत महसूस होना शुरू हो जाएगी।

**ऊब से बचने के रास्ते मौजूद हैं...**

**अपना ज्ञान बढ़ाएं**

आप चाहे किसी भी क्षेत्र में हो, काम से संबंधित ज्ञान बढ़ा सकते हैं। अन्य कर्मचारियों के साथ समूह बनाकर कुछ रोचक गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं जिससे न सिर्फ़ ज्ञान बढ़ेगा, बल्कि कार्य भी बेहतर तरीक़े से हो सकेगा। जैसे आप अपने कार्य से संबंधित क्षेत्र में जानकारी निकालें और दूसरा कर्मचारी दूसरी फ़ील्ड की जानकारी निकाले। अगले दिन, आपने जो भी नया सीखा उस पर चर्चा करें। ये तरक़ीब आपके काम को नयापन देगी।

**नई चुनौतियां लें**

कई बार कर्मचारी इसलिए ऊब जाते हैं क्योंकि वे किसी चुनौती की तलाश नहीं करते। किसी के द्वारा चुनौतीपूर्ण कार्य दिया जाए इसकी प्रतीक्षा करने के बजाय, ख़ुद को चुनौती दें। नए प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए तैयारी करें। देखें कि आपके सहकर्मी या फिर जो कर्मचारी उच्च पद पर हैं वे क्या काम कर रहे हैं। सहकर्मी से भूमिका की अदला-बदली के बारे में भी बॉस से बात कर सकते हैं।

**थोड़ा माहौल बदलें**

काम में सक्रिय रहने के लिए माहौल में परिवर्तन ला सकते हैं। सहकर्मियों के साथ हंसी-मज़ाक करें लेकिन गॉसिप से दूरी बनाए रखें। काम के बीच में ब्रेक लेते रहें। एक ही काम लगातार करते रहने पर दिमाग़ कुछ नया नहीं सोच पाता। दृश्यों के बदलाव से भी काम में मन लगा रहता है। डेस्क पर रंग शामिल करने की कोशिश करें। छोटे पौधे रखें व डेस्कटॉप वॉलपेपर कुछ दिनों के अंतराल में बदलते रहें।

**अपने कौशल बढ़ाएं**

ऐसा कौशल चुनें जिसे आप पसंद करते हों, फिर वो प्रोग्रामिंग हो, लेखन हो, डिज़ाइनिंग हो या फिर वाद्य यंत्र सीखना ही क्यों न हो। इससे मन प्रसन्न रहेगा। कुछ अन्य कौशल भी सीख सकते हैं, जो काम से संबंधित हों। जैसे अगर आप मैनेजमेंट में अच्छे हैं, तो लीडरशिप स्किल्स पर काम करें। अपने आसपास अन्य कर्मचारियों को देखें जिनकी लीडरशिप में पकड़ हो। अगर लेखन में रुचि है, तो ब्लॉग लिखना शुरू करें। ये कौशल काम में नयापन बनाए रखेंगे।

# टैटू की दीवानगी अक्सर युवाओं में देखी जाती है

टैटू की दीवानगी अक्सर युवाओं में देखी जाती है, लेकिन जर्मनी में यह चलन हर उम्र के लोगों में बढ़ रहा है, चाहे वे यूनिवर्सिटी में पढने वाले हों या दफ्तर जाने वाले. आखिर टैटू इन सब को इतना आकर्षित क्यों कर रहा है?

अफ्रीका और भारत में भले ही गोदने का रिवाज सदियों से चला आ रहा हो, पर पश्चिमी देशों में यह कभी भी संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा. औरों की देखा देखी टैटू फैशन बन कर पश्चिम में पहुंच गया. जानकारों का मानना है कि जनरेशन वाय पहली ऐसी पीढी है जो टैटू के इस्तेमाल को मुख्यधारा में लाई. जनरेशन वाय यानी वे लोग जो 1980 से 2000 के बीच पैदा हुए हैं. इस से पहले पैदा हुए लोगों को जनरेशन एक्स और इसके बाद वालों को जनरेशन जेड के नाम से जाना जाता है.

**बड़ी हस्तियों का हिस्सा**

अमेरिका में हुई एक शोध में सामने आया कि इस आयुवर्ग में कम से कम 40 प्रतिशत लोगों ने अपने शरीर पर कहीं ना कहीं टैटू करवाया है. जर्मनी में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं. टैटू की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि कई बड़ी हस्तियों की पहचान ही उनके टैटू से होने लगी है. इसमें जॉनी डेप, रिहाना, एंजलीना जोली और सबसे बढ़ कर तो डेविड बेकहम हैं.

**पहले कागज पर बनता है डिजाइन**

भारत में भी बॉलीवुड की कई जानी मानी शख्सियतों ने अपने शरीर पर टैटू बनवाए हैं. मंदिरा बेदी ने अपनी पीठ पर एक ओंकार गुदवाया है तो ईशा देओल ने गायत्री मंत्र. साथ ही सैफ अली खान की बांह पर बेकहम के अंदाज वाला पत्नी करीना के नाम का टैटू कौन नहीं जानता.

**'कूल' दिखने से बढ़कर**

इन मशहूर हस्तियों को देख कर लोगों में भी इन्हें ले कर दिलचस्पी खूब बड़ी है. भारत में दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में कई टैटू पार्लर खुल गए हैं. टैटू उद्योग से जुड़े लोगों की मानें तो टैटू गुदवाना केवल 'कूल' दिखने से कई ज्यादा मायने रखता है.

गुइल जेकरी एक जानेमाने टैटू कलाकार हैं. इस्राएल में पैदा हुए गुइल ने पैरिस में कला की पढाई की और अब जर्मनी के कोलोन शहर में रिइनकारनेशन नाम का टैटू पार्लर चलाते हैं. गुइल का कहना है कि उनके कई ग्राहकों के लिए टैटू थेरेपी जैसा है, ₹कई लोग टैटू करवाते हैं क्योंकि यह उनके लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि वे कुछ कहना चाहते हैं या फिर क्योंकि वे समाज के एक अलग तबके से जुड़ना चाहते हैं.

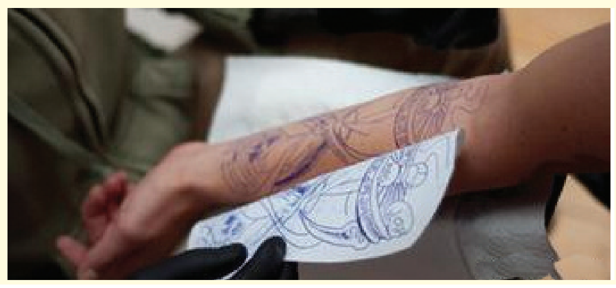

**रिइनकारनेशन स्टूडियो में टैटू करते गुइल जेकरी**

पिछले दस साल में खास तौर से महिलाओं में इनका चलन ज्यादा बढ़ा है. लाइप्जिग यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक शोध में बताया गया है कि 2003 से 2009 के बीच जर्मनी में टैटू करवाने वाली महिलाओं की तादाद दोगुना हो गयी है. मारिया मेदाना रिइनकारनेशन में टैटू बनाने की ट्रेनिंग ले रही हैं. उन्होंने खुद 15 साल की उम्र से ही टैटू करवाने शुरू कर दिए थे. वह कहती हैं कि उन्हें टैटू की यह बात लुभाती है कि वह हमेशा के लिए आपके साथ जुड़ जाता है, आप अपने शरीर पर एक निशान बना लेते है. इस से पता चलता है कि आप हमेशा के लिए उस चीज से जुड़े रहना चाहते हैं.

**ना उम्र की सीमा हो..**

मारिया बताती हैं कि जर्मनी में टैटू के चलन के बारे में आप कोई व्यापक अनुमान नहीं लगा सकते, सब लोग अलग अलग उम्र के हैं, अलग अलग पेशों से जुड़े हैं. कुछ लोग तो 50 या 60 साल के होते हैं, जब वे अपना पहला टैटू कराते हैं. यहां हमने सबसे अधिक उम्र वाले जिस व्यक्ति के लिए टैटू बनाया था वह 74 साल का था और वह उसका पहला टैटू था.

# पार्टी में ट्राई करें ग्राफिक प्रिंटेड ड्रेसेज, नहीं हटेगी देखने वालों की नजर

फैशन आए दिन बदलता ही रहता है। आजकल की लड़कियां इंटरनेट के जरिए नए फैशन के साथ पूरी अप-टू-डेट रहती हैं। फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेसेज, प्रिंटेड ड्रेसेज आपने कई बार कैरी की होंगी। लेकिन इस बार आप ग्राफिक प्रिंटेड ड्रेसेज किसी भी पार्टी में पहन सकती हैं। यह ड्रेसेज आपको स्मार्ट के साथ-साथ एक्टिव लुक भी देंगी। शादी में कई सारे फंकशन होते हैं उनमें से एक बैचुलर पार्टी भी होती है। बैचुलर पार्टी में आप अपने दोस्तों के साथ प्रिंटेड ड्रेसेज कैरी कर सकते हैं।

**स्कर्ट**

गर्मियों के फंक्शन्स में स्कर्ट एकदम परफेक्ट चॉइस हो सकती है। आप ग्राफिक स्कर्ट के साथ पार्टी की सारी लाइमलाइट ले सकती हैं। ब्राइट कलर के टॉप के साथ आप ग्राफिक प्रिंटेड स्कर्ट कैरी कर सकते हैं। कर्ली हेयर्स और पिंक मेकअप के साथ आप अपने लुक को पूरी तरह से कंप्लीट कर सकती हैं।

**शॉर्ट जंप सूट**

अगर आप कम्फर्टेबल लुक चाहती हैं तो ग्राफिक प्रिंट में जंपसूट कैरी कर सकते हैं। जंप सूट के साथ बेल्ट स्टाइल करके आप एक यूनिक लुक क्रिएट कर सकते हैं। इस तरह की ड्रेस के साथ आप ब्राउन मेकअप को हाइलाइट कर सकते हैं। इस तरह के मेकअप के साथ की ड्रेस का कर्लस भी हाइलाइट हो जाएगा।

**शॉर्ट ड्रेस**

बैचुलर्स पार्टी में लड़कियां शॉर्ट ड्रेस पहनना भी काफी पसंद करती हैं। खासकर यंग लड़कियां इस तरह के ड्रेसेज काफी पसंद करती हैं। आप ग्राफीक प्रिंट शॉर्ट ड्रेस ट्राई करके पार्टी में सबसे अलग दिख सकते हैं।

**लहंगा**

अगर आप एथनिक वियर करना चाहती हैं तो ग्राफीक प्रिंट में लहंगा भी कैरी कर सकते हैं। शिल्पा की तरह सिंपल लहंगा कैर करके आप पार्टी में हाइलाइट हो सकती हैं। ग्राफीक प्रिंट लहंगा पहनने में भी कम्फर्टेबल होगा और आप इसको आसानी से किसी भी ड्रेसे के साथ वियर कर सकते हैं

**लॉन्ग जैकेट ड्रेस**

आप सारा अली खान की तरह लॉन्ग जैकेट ड्रेस भी बैचुलर पार्टी में कैरी कर सकते हैं। ग्राफीक प्रिंट लॉन्ग जैकेट ड्रेसेज पहनने में भी कम्फर्टेबल होंगी। इन ड्रेसेज के साथ आप पार्टी और भी अच्छे से एन्जॉय कर पाएंगे। ओपन हेयर लुक के साथ आप पार्टी में अपनी खूबसूरती पर चार-चादं लगा सकते हैं।

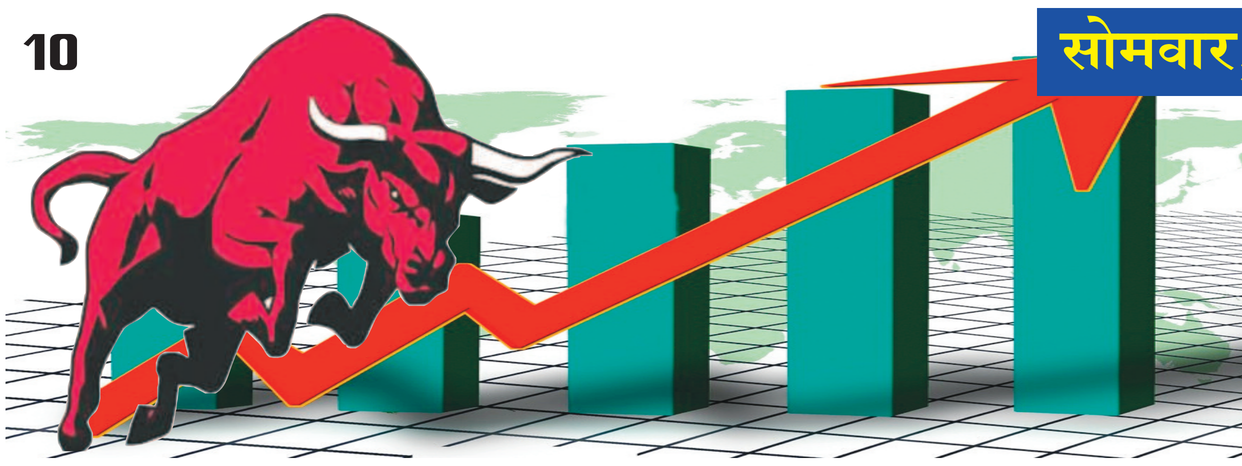

## घड़ी बनाने वाली कंपनी ने बदला था बिग बुल का टाइम, 3 का स्टॉक अब 2500 के भाव पर

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का 62 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में कई ऐसे स्टॉक्स हैं जिन्होंने बिग बुल को मालामाल किया। हालांकि, इसमें भी घड़ी बनाने वाली कंपनी टाइटन एक ऐसा स्टॉक है, जिसने झुनझुनवाला को सबसे बड़ा रिटर्न दिया। 3 रुपये पर खरीदे थे शेयरः टाटा समूह का यह स्टॉक पिछले 20 वर्षों में लगभग 3 से 2500 के स्तर तक बढ़ गया है। अप्रैल से जून 2022 तिमाही के दौरान राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के कुल मिलाकर 4,48,50,970 शेयर हैं, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 5.05 प्रतिशत है। बिग बुल ने 2002-2003 के दौरान टाइटन कंपनी के 8 करोड़ शेयर 3 प्रति शेयर के औसत मूल्य पर खरीदे थे। पिछले 20 वर्षों में, स्टॉक ने अपने निवेशकों को 83,250 प्रतिशत रिटर्न दिया है। टाटा समूह का यह स्टॉक पिछले एक साल में लगभग 1,835 से 2,500 के स्तर तक बढ़ गया है, जिससे इसके शेयरधारकों को लगभग 35 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। पिछले पांच वर्षों में, राकेश झुनझुनवाला का यह स्टॉक 625 से बढ़कर 2,500 हो गया है, इस अवधि में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

# बिग बुल ने 150 प्वाइंट पर की थी बाजार में एंट्री

### 59400 पर कहा अलविदा; कुछ ऐसा रहा राकेश झुनझुनवाला का सफर

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के वॉरेन बफेट कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला का 62 साल की उम्र निधन हो गया है। मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में सोमवार की सुबह आखिरी सांस लिए।

बताया जा रहा है उन्हें कुछ दिनों से सांस लेने में समस्या हो रही थी। स्टॉक मार्केट के बिग बुल कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला ने जब बाजार में एंट्री मारी थी तब सेंसेक्स 150 अंकों पर था। और आज जब उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा तब सेंसेक्स 59,400 पर पहुंच गया है। आइए डालते एक नजर शेयर बाजार में उनके सफर पर ।

राकेश झुनझुनवाला देश के 48वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) रहे झुनझुनवाला ने कंपनियों के खातों का ऑडिट करने के बजाय दलाल पथ की राह चुनी। 1985 में उन्होंने 5,000 रुपये की पूंजी

के साथ इसकी शुरुआत की। सितंबर, 2018 तक शेयरों में उनका निवेश का मूल्य बढ़कर 11,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। उनके पोर्टफोलियो में स्टार हेल्थ, टाइटन, रैलिस इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन होटल्स कंपनी, एग्रो टेक फूड्स, नजारा टेक्नोलॉजीज और टाटा मोटर्स शामिल हैं। जून तिमाही के अंत तक उनका 47 कंपनियों में निवेश था। टाइटन, स्टार हेल्थ, टाटा मोटर्स और मेट्रो ब्रांड्स जैसी कंपनियों में उनकी बड़ी हिस्सेदारी थी। वह हंगामा मीडिया और एप्टेक के चेयरमैन थे। वह कई कंपनियों के निदेशक मंडल में भी शामिल थे। झुनझुनवाला का जन्म पांच जुलाई, 1960 को राजस्थान के परिवार में हुआ था। वह मुंबई में पले-बढ़े थे। मुंबई में उनके पिता आयकर आयुक्त थे। उन्होंने साइडेन्हेम कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की और बाद में भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) में नामांकन कराया। झुनझुनवाला ने 1986 में टाटा टी के 5,000 शेयर 43 रुपये के भाव पर खरीदे। तीन माह में यह शेयर 143 रुपये पर पहुंच गया। यह उनका पहला बड़ा मुनाफा था। तीन साल में उन्होंने 20 से 25 लाख रुपये की कमाई की।

# नए निवेशकों के गुरु थे झुनझुनवाला

### आखिरी वक्त तक बदलते रहे अपना पोर्टफोलियो

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में निवेश करने वाले हर शख्स की नजर बिग बुल राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो पर होती है। आज यानी 14 अगस्त को झुनझुनवाला का निधन हो गया है। वह लंबी समय से बीमारी से जूझ रहे थे। आज हम आपको बताएंगे कि आखिरी वक्त में झुनझुनवाला ने अपने पोर्टफोलियो को कैसे मेंटेन किया था। आपको बता दें कि ये सभी आंकड़े जून तिमाही के हैं। जून तिमाही के दौरान सरकारी एल्युमीनियम फर्म नाल्को में राकेश झुनझुनवाला की हिस्सेदारी एक

फीसदी से नीचे आ गई थी। 31 मार्च, 2022 तक झुनझुनवाला के पास 2,50,00,000 इक्विटी शेयर या कंपनी में 1.36 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।-राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला ने जून तिमाही के दौरान डेल्टा कॉर्प में हिस्सेदारी बेची। 31 मार्च, 2022 तक दोनों के पास कुल मिलाकर 2 करोड़ इक्विटी शेयर या कंपनी में 7.48 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो अब कम हैं। जून तिमाही के दौरान राकेश झुनझुनवाला ने टाटा मोटर्स के 30,00,000 इक्विटी शेयर बेचे। पिछली तिमाही में 39,250,000 इक्विटी शेयरों या 1.18 प्रतिशत की तुलना में जून तिमाही के दौरान कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 36,250,000 इक्विटी शेयरों या 1.09 प्रतिशत तक कम हो गई थी।जून तिमाही तक बिग बुल के पास ट्रैक्टर निर्माता कंपनी में 1.39 प्रतिशत हिस्सेदारी या 1,830,388 इक्विटी शेयर थे। इससे पहले कंपनी में 75 लाख शेयर या 5.68 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। एनसीसी, ऑटोलाइन इंडस्ट्रीज, स्टार हेल्थ एंड अलाइंड इंश्योरेंस, जियोजित फाइनेंस सर्विस और एपटेक सहित अलग-अलग कंपनियों में कॉर्पोरेट कार्रवाई के कारण झुनझुनवाला की होल्डिंग प्रतिशत के संदर्भ में बदल गई है। हालांकि शेयरों की संख्या जस की तस बनी हुई है। जून तिमाही के दौरान कुछ कंपनियों में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी स्थिर बनी हुई थी। इस सूची में अनंत राज, एग्रो टेक, केनरा बैंक, क्रिसिल, एडलवाइस फाइनेंशियल, फोर्टिस हेल्थकेयर, इंडियन होटल्स, जुबिलेंट फार्मोवा, मैन इंफ्रा, ओरिएंट सीमेंट, प्रोजोन इंटू, रैलिस इंडिया, टाटा कम्युनिकेशन, टाइटन, वीए टेक वाबैग, वॉकहार्ट, बिलकेयर, , मेट्रो ब्रांड्स और जुबिलेंट इंग्रेविया शामिल हैं।

# मनमौजी राकेश झुनझुनवाला मछली की तरह शराब पीते थे

### 46 हजार करोड़ कमाए, लेकिन अधूरी रह गई एक ख्वाहिश

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। 'मैंने एहसास किया है कि मुझे कड़े अनुशासन का पालन करना होगा। मैं डायबिटिक हूं और मछली की तरह शराब पीता हूं। मैं मेरे जुड़वां बच्चों को 25 साल का होता देखना चाहता हूं।' साल 2010 में फाइनेंशियल एक्सप्रेस से बातचीत में शेयर मार्केट के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला ने ये बात कही थी। लेकिन रविवार को मुंबई में झुनझुनवाला का निधन हुआ तो उनके जुड़वां बच्चों की उम्र 12 साल ही हुई है। इस तरह 'बिग बुल' की एक ख्वाहिश अधूरी रह गई है। तो चलिए, भारत के वारेन बफेट कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला की जिंदगी के दूसरे पहलू को पांच किस्सों के जरिए जानते हैं... सोशल मीडिया पर राकेश झुनझुनवाला का एक वीडियो है। इसमें वो व्हील चेयर पर बैठे हुए कजरारे-कजरारे गाने पर डांस कर रहे हैं। झुनझुनवाला डायबिटीज के शिकार हैं, जिससे उनके पैर में सूजन रहती थी। वो ठीक से चल भी नहीं सकते हैं, लेकिन व्हील चेयर पर उनका डांस बिग बुल की जिंदादिली का सबूत है। इस वीडियो में झुनझुनवाला के साथ उनकी पत्नी रेखा, करीबी दोस्त उत्पल सेठ, अमित गोएला और परिवार के कई सदस्य दिख रहे थे। राकेश झुनझुनवाला के व्यक्तित्व की एक और खास बात उनकी बेफिक्री है। वो औपचारिकताओं में नहीं फंसते। पिछले साल उनकी दो तस्वीरें खूब चर्चा में रहीं। पहली तस्वीर में वो निर्मला सीतारमण से मिलने चप्पल पहनकर पहुंच गए

थे। दूसरी तस्वीर में वो प्रधानमंत्री के साथ बिना प्रेस की शर्ट पहने दिख रहे हैं। इस बारे में सवाल पूछे जाने पर झुनझुनवाला ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में मुस्कुराते हुए बताया था, 'मैंने 600 रुपए देकर अपनी शर्ट प्रेस कराई थी। इसके बाद भी उसमें सिलवटें पड़ गईं तो मैं क्या करूं। मैं तो शॉर्ट्स पहनकर ऑफिस भी चला जाता हूं।' इसी इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि पीएम मोदी से मुलाकात में क्या बात हुई। झुनझुनवाला ने बेफिक्री से जवाब देते हुए कहा, 'सुहागरात में मेरी बीवी से क्या बात हुई। ये सब कोई बताने वाली बात है क्या?' तीसरा किस्सा बिगबुल की सादगी काः अगर आज की 10% ही संपत्ति होती, तो भी मैं सेम लाइफ जीता 2021 में राकेश झुनझुनवाला से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि पिछले 18 महीने में आपका पोर्टफोलियो रॉकेट की तरह बढ़ा है। आपकी नेटवर्थ 40 हजार करोड़ पहुंच गई है। इसे कैसे देखते हैं? इस पर झुनझुनवाला बेहद सादगी से कहते हैं, 'किसको गिनना है, क्या गिनना है। किसको बैलेंस शीट दिखानी है। हमारी एक पार्टनर है, उसको कोई इंट्रेस्ट नहीं है। मेरे पास आज जितनी संपत्ति है अगर उसका 10-15% भी होता, तब भी यही जिंदगी होती। मैं वही व्हिस्की पीता, उसी कार का इस्तेमाल करता, ऐसे ही घर में रहता। इसीलिए मैं गिनता नहीं हूं। मैं ये काम करता हूं, क्योंकि मुझे यही आता है।' राकेश झुनझुनवाला अपनी कमाई का 25% हिस्सा दान कर देते हैं। साल 2010 में फाइनेंशियल एक्सप्रेस से बातचीत में झुनझुनवाला ने बताया था कि वो डायबिटीज के मरीज हैं। शराब और सिगार की आदतों पर बात करते हुए झुनझुनवाला ने कहा था कि उन्हें एहतियात बरतने की जरूरत है।झुनझुनवाला ने कहा था- 'मैंने एहसास किया है कि मुझे कड़े अनुशासन का पालन करना होगा। मैं डायबिटिक हूं और मछली की तरह पीता हूं। मैं मेरे जुड़वां बच्चों को 25 साल का होता देखना चाहता हूं।' इकोनॉमिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में झुनझुनवाला ने कहा था कि मुझे जीवन में कोई पछतावा नहीं है। मेरी एक ही तमन्ना रही कि मुझे अपनी पर्सनल आदतें सुधारनी चाहिए थी और ज्यादा एक्सरसाइज करना चाहिए था। राकेश झुनझुनवाला को रिस्क लेने में कभी डर नहीं लगा। शुरुआती दिनों में उन्होंने अपने भाई के क्लाइंट से पैसे उधार लिए और उसे ब्याज सहित लौटाने का वादा किया। झुनझुनवाला को पहला मुनाफा 1986 में हुआ जब उन्होंने टाटा टी के 5 हजार शेयर 43 रुपए की दर से खरीदे। स्टॉक मार्केट बढ़ा और तीन महीने में ही शेयर के दाम 143 रुपए पहुंच गए। उन्हें तीन महीने में ही तीन गुना मुनाफा हुआ। तब से उनके रिस्क लेने का सफर जारी है। इकोनॉमिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में राकेश झुनझुनवाला ने कहा- 'मुझे मार्केट और औरत में इंट्रेस्ट है। औरत प्यार से चलती है और मार्केट रिस्क से। रिस्क लेना मेरी आदत है। बाजार जब अच्छे मौके देती है तो मैं अपनी पत्नी की चूड़ियां तक बेच कर निवेश करने के लिए तैयार हूं।' राकेश झुनझुनवाला के पिता एक इनकम टैक्स ऑफिसर थे। 1985 में झुनझुनवाला जब कॉलेज में पढ़ रहे थे तभी से शेयर बाजार में इन्वेस्टमेंट करना शुरू कर दिया था। उस वक्त सेंसेक्स 150 पॉइंट पर था और आज 60 हजार पार कर चुका है। झुनझुनवाला की सबसे अहम होल्डिंग टाटा की घड़ी और ज्वेलरी कंपनी टाइटन में है। इसके साथ ही स्टार हेल्थ इंश्योरेंस, मेट्रो ब्रैंड्स और कॉनकॉर्ड बायोटेक सहित कई और कंपनियों में भी झुनझुनवाला का स्टेक है। झुनझुनवाला के पास स्पाइसजेट और जेट एयरवेज में भी 1-1% की हिस्सेदारी है। 2003 में राकेश झुनझुनवाला ने अपनी खुद की स्टॉक ट्रेडिंग फर्म दुर्लभ इंटरप्राइसेस शुरू की। ये फर्म राकेश और उनकी पत्नी रेखा के नाम पर बनी है। आरए यानी राकेश और आरए यानी रेखा झुनझुनवाला। रेखा झुनझुनवाला भी एक स्टॉक मार्केट इन्वेस्टर हैं। दोनों ने 1989 में शादी की थी।

# मेडिक्लेम कारोबार में एंट्री को तैयार एलआईसी, इरडा की मंजूरी का है इंतजार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी की एक बार फिर से मेडिक्लेम कारोबार में कदम रखने की मंशा है। इस बारे में बीमा नियामक से स्थिति स्पष्ट होते ही कंपनी अपने कदम आगे बढ़ा सकती है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा, ''हम पहले से ही लॉन्ग टर्म हेल्थ इंश्योरेंस और गारंटी देने वाले हेल्थ प्रोडक्ट की पेशकश कर रहे हैं। हम बीमा नियामक से हाल ही में आए सुझाव की भी समीक्षा कर रहे हैं।'' कुमार ने आगे बताया- मुझे नहीं लगता है कि हमारे लिए मेडिक्लेम कारोबार में उतरना मुश्किल होगा। हम पहले से ही कुछ स्वास्थ्य बीमा उत्पाद मुहैया करा रहे हैं। बीमा कंपनियों को लगी थी रोकः आपको बता दें कि मेडिक्लेम पॉलिसी असल में मुआवजे पर आधारित स्वास्थ्य बीमा योजनाएं ही होती हैं और ये देश में सर्वाधिक लोकप्रिय स्वास्थ्य बीमा उत्पाद हैं। हालांकि, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने वर्ष 2016 में जीवन बीमा कारोबार में लगी कंपनियों को मेडिक्लेम पॉलिसी की पेशकश करने से रोक दिया था। उसके बाद से जीवन बीमा कंपनियों को सिर्फ तय लाभ वाली स्वास्थ्य योजनाओं की ही पेशकश करने की इजाजत है। मुआवजा आधारित स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत बीमा कंपनियां इलाज के दौरान खर्च हुई रकम की भरपाई करती हैं जो बीमित राशि के भीतर हो। वहीं तय लाभ वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत पॉलिसीधारक को पूर्व-चिह्नित बीमारी या स्वास्थ्य स्थिति के लिए एक तय राशि दी जाती है।

इरडा के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने हाल में कहा था कि अब जीवन बीमा कंपनियों के फिर से मेडिक्लेम में प्रवेश करने का वक्त आ गया है। उन्होंने वर्ष 2030 तक देश के हरेक नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने का लक्ष्य हासिल करने को भी कहा है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश देशों में जीवन बीमा कंपनियां स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की भी बिक्री करती हैं।

# टाटा से बिग बुल का था स्पेशल कनेक्शन

### ग्रुप की कंपनी ने ही बदली किस्मत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का निधन हो गया है। किस स्टॉक्स में कब दांव लगाना है, ये झुनझुनवाला को बखूबी पता था। बाजार में जैसे-जैसे अनुभव बढ़ा, झुनझुनवाला का दांव भी सटीक

लगता गया। बिग बुल के पोर्टफोलियो के तमाम स्टॉक्स में टाटा ग्रुप की कंपनियों का एक खास स्थान था। उन्होंने अपनी पहली बड़ी कमाई भी टाटा ग्रुप की ही कंपनी के स्टॉक से की थी। टाटा टी ने बदल दी किस्मतः राकेश झुनझुनवाला का पहला बड़ा मुनाफा 1986 में टाटा टी के शेयरों से आया था। साल 1986 में, राकेश झुनझुनवाला ने टाटा टी के 5000 शेयर 43 प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। खरीद के केवल तीन महीनों में टाटा टी के शेयर की कीमत 43 रुपये से बढ़कर 143 रुपये के स्तर पर पहुंच गई। अगले तीन वर्षों में, राकेश झुनझुनवाला ने टाटा टी के शेयरों से लगभग 25 लाख रुपये कमाए, जो शेयर बाजार से उनका पहला बड़ा लाभ था। यही वजह है कि बिग बुल का टाटा समूह के शेयरों के प्रति लगाव अगले 37 वर्षों तक बना रहा।

टाटा मोटर्स, इंडियन होटल्स कंपनी, टाटा कम्युनिकेशंस और टाइटन कंपनी के शेयर टाटा समूह के शेयर हैं जो जून 2022 तिमाही के अंत के बाद राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में थे।

# बाहर 10 रुपये, अंदर 10 गुने से ज्यादा दाम... मल्टीप्लेक्स में पॉपकॉर्न क्यों इतना महंगा मिलता है?

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। लोग अपने परिवार के साथ सिनेमा हॉल में मूवी देखना पसंद करते हैं। लेकिन, हाल के सालों में यह महंगा शौक हो गया है। कारण है मूवी टिकट और स्नैक्स की आसमान छूती कीमतें। वीकेंड पर तो जेब और ढीली हो जाती है। इन स्नैक्स में लोगों को जो चीज सबसे ज्यादा पसंद होती है वो है पॉपकॉर्न। मूवी और पॉपकॉर्न का करीबी रिश्ता है। पॉपकॉर्न खाते हुए मूवी देखने की बात ही अलग है। लेकिन, यह भी धीरे-धीरे आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। हर कुछ हफ्तों में इसकी कीमत बढ़ रही है। इससे लोगों की नाराजगी बढ़ी है। आखिर जो पॉपकॉर्न बाहर 10 रुपये या कुछ ज्यादा कीमत

में मिल जाता है, सिनेमा हॉल में उसकी कीमत 10 गुने से ज्यादा क्यों होती है। इसका जवाब दिया है पीवीआर के सीएमडी अजय बिजली ने। अजय बिजली ने हमारे सहयोगी बिजनस अखबार इकनॉमिक टाइम्स के साथ बातचीत में इस बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं का मूवी थियेटरों में स्नैक्स की बढ़ती कीमतों के खिलाफ बोलना सही नहीं है। बिजली ने कहा कि भारत अब भी सिंगल स्क्रीन से मल्टीप्लेक्स की ओर बढ़ रहा है। यह बदलाव का दौर है। इन मल्टीप्लेक्स को चलाने में काफी ज्यादा लागत आती है। ऑपरेशनल कॉस्ट को कवर करने के लिए मल्टीप्लेक्स में स्नैक्स को ज्यादा कीमतों पर बेचा जाता है। हालांकि, उन्होंने एक आश्वासन भी दिया। वह बोले कि फिलहाल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी नहीं होगी। पीवीआर के चेयरमैन ने बताया कि देश में फूड एंड बेवरेज कारोबार अभी 1,500 करोड़ रुपये का है। मल्टीप्लेक्स में ज्यादा स्क्रीनें होती हैं। लिहाजा, लागत 4 से 6 गुना बढ़ जाती है। कई प्रोजेक्शन रूम्स और साउंड सिस्टमों के कारण ऐसा होता है। इसके अलावा एयर कंडीशनिंग की जरूरत होती है। इन सभी चीजों का बड़ा खर्च है। इस साल की शुरुआत में देश की दो सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर और आईनॉक्स ने विलय का ऐलान किया था।

इस विलय के बारे में कहा गया था कि यह पासा पलटने वाला साबित होगा। इससे मूवी देखने वाले दर्शकों के लिए सहूलियत बढ़ेगी। इससे दोनों की मिलाकर 1,500 तक स्क्रीनें हो जाएंगी। हाल के कुछ समय में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म ने मल्टीप्लेक्स के सामने बड़ी चुनौती पेश की है। इसके कारण मल्टीप्लेक्स मालिकों को टिकटों के दाम।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | कर्क | में | कर्क... | 03-58 बजे |
| चंद्र- | मीन | में | सिंह... | 06-10 बजे |
| मंगल | वृष | में | कन्या | 08-18 बजे |
| बुध- | सिंह | में | तुला - | 10-22 बजे |
| गुरु- | मीन | में | वृश्चिक | 12-32 बजे |
| शुक्र- | कर्क | में | धनु--- | 14-46 बजे |
| शनि- | मकर | में | मकर- | 16-52 बजे |
| राहु- | मेष | में | कुंभ - | 18-43 बजे |
| केतु- | तुला | में | मीन... | 20-22 बजे |
| | | | मेष-- | 21-57 बजे |
| | | | वृष-- | 23-42 बजे |
| | | | मिथुन.. | 01-42 बजे |

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- पूर्व •कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी- **21-02** तक उपरान्त, पंचमी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , सोमवार, **15 August**
नक्षत्र -उत्तराभाद्रपद - **21 -06** - तक उपरान्त, रेवती
योग - धृति- **23- 22** - तक उप- शूल
करण- बव - **09 -43** - तक,उप- बालव
विशेषः- बहुला चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार -स्वतन्त्रता दिवस,चौथ व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

**राहुकाल**
**07:35** से **09:10** तक

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत. | 06:02 - 07:35 | शुभ | चंचल | 18:41 - 20:06 | शुभ |
| काल. | 07:35 - 09:10 | अशुभ | रोग. | 20:06 - 21:31 | अशुभ |
| शुभ. | 09:10 - 10:45 | शुभ | काल. | 21:31 - 22:56 | अशुभ |
| रोग | 10:45 - 12:20 | अशुभ | लाभ. | 22:56 - 00:21 | शुभ |
| उत्पात | 12:20 - 13:56 | अशुभ | उत्पात | 00:21 - 01:46 | अशुभ |
| चंचल | 13:56 - 15:31 | शुभ | शुभ | 01:46 - 03:10 | शुभ |
| लाभ | 15:31 - 17:06 | शुभ | अमृत | 03:10 - 04:35 | शुभ |
| अमृत | 17:06 - 18:38 | शुभ | चंचल | 04:35 - 06:02 | शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं ।आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगाआपकी टीम को आपसे बेह्तर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी ।घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी।

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): ।आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं ।लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें ।

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे ।इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं ।इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं ।प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे ।फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है ।

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं ।आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें ।आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है ।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें ।अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा ।अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे ।लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है।

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा ।कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

**पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693**

# राजस्थान में राष्ट्रपति शासन चाहती हैं मायावती

## अशोक गहलोत सरकार पर जमकर बरसीं

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर में एक दलित छात्र की पिटाई से उसकी मौत के बाद अशोक गहलोत सरकार विपक्ष के निशाने पर है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने तो राजस्थान में सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दिलतों, आदिवासियों की जान और इज्जत-आबरू बचाने में नाकाम है।
मायावती ने ट्वीट किया, "राजस्थान के जालौर जिले के सुराणा में प्राइवेट स्कूल के 9 साल के दलित छात्र द्वारा प्यास लगने पर मटके से पानी पीने पर स्वर्ण जाति के जातिवादी सोच के शिक्षक ने उसे इतनी बेरहमी से पीटा कि कल उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना की जितनी निन्दा व भर्त्सना की जाए वह कम।" एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, "राजस्थान में आएदिन ऐसी जातिवादी दर्दनाक घटनाएं होती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस की सरकार वहाँ खासकर दलितों, आदिवासियों व उपेक्षितों आदि के जान व इज्जत-आबरू की सुरक्षा करने में नाकाम है। अतः इस सरकार को बर्खास्त कर वहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया जाए तो बेहतर।"
राजस्थान में जालौर जिले के एक प्राइवटे स्कूल में एक टीचर ने पेयजल का मटका छूने पर 9 साल के दलित बच्चे को कथित रूप से पीटा, जिसके बाद शनिवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने 40-वर्षीय अध्यापक चैल सिंह को

गिरफ्तार कर लिया है और उस पर हत्या और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। सुराणा गांव में एक निजी स्कूल के छात्र इंद्र मेघवाल की 20 जुलाई को पिटाई की गई थी और अहमदाबाद के एक अस्पताल में शनिवार को उसकी मौत हो गई।

# मटका छूने पर दलित छात्र की पिटाई से हुई मौत पर घिरी गहलोत सरकार

## जालौर में 24 घंटे इंटरनेट सस्पेंड; भाजपा हमलावर

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर में दलित छात्र की पिटाई से मौत के मामले में गहलोत सरकार घिर गई है। भाजपा ने सीएम गहलोत पर जुबानी हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा की गहलोत के राज में एक वंचित वर्ग का छात्र सुरक्षित नहीं है। जालौर की घटना प्रदेश के माथे पर कलंक है। मुख्यमंत्री को पीड़ित परिवार की सहायता कर दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। सांसद ने ट्वीट कर लिखा- जालौर जिले के सुराणा गांव के एक निजी स्कूल में दलित बच्चे द्वारा मटके से पानी पी लेने पर विकृत मानसिकता के संचालक की मारपीट से बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। मुखिया जी के राज में दलित सुरक्षित नहीं है। जालोर में दलित छात्र की पिटाई के बाद मौत से बिगड़े हालात के बीच और किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए 24 घंटे तक इंटरनेट सस्पेंड किया गया है.

### मटके को छूने पर शिक्षक ने की पिटाई, मौत

उल्लेखनीय है कि जालौर जिले के सुराणा गांव के एक निजी स्कूल में 20 जुलाई को एक दलित छात्र ने मटके को छू लिया। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद शिक्षक छैल सिंह ने इतनी पिटाई की थी कि बच्चे के कान की नस फट गई। उसकी हालत गंभीर हो गई। अहमदाबाद के अस्पताल में इलाक के लिए भर्ती कराया गया था। जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। जालौर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। SC-ST एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को जालौर एसपी मौके पर पहुंचे थे। जालौर एसपी के मुताबकि शांति है। जानकारी के अनुसार 20 जुलाई को तीसरी कक्षा के छात्र इंद्र मेघवाल ने पानी की मटका को छू लिया था। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद शिक्षक छैल सिंह ने इतनी पिटाई की थी कि बच्चे के कान की नस फट गई। उसकी हालत गंभीर हो गई। अहमदाबाद के अस्पताल में इलाक के लिए भर्ती कराया गया था।

### सीएम गहलोत ने की 5 लाख मुआवजे की घोषणा

सीएम गहलोत ने बच्चें की मौत पर गहरा दुख जताया है। सीएम गहलोत ने शनिवार देर रात ट्वीट कर कहा- जालौर के जायला थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल में शिक्षक द्वारा मारपीट के कारण छात्र द्वारा मारपीट के कारण छात्र की मृत्यु दुखद है।

# प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग का फर्जी फेसबुक आईडी

### लोगों से पैसों की हुई डिमांड; शिकायत दर्ज

जोधपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले के प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट के जरिए आम लोगों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है। नामचीन लोगों के पास फेसबुक से पैसे मांगने की जानकारी मिलने पर प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग ने साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कराया है। साइबर क्राइम की टीम प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग के फर्जी अकाउंट की जांच पड़ताल में जुट गई है। प्रदेश में साइबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गहलतो सरकार के मंत्री सुभाष गर्ग के नाम से फेसबुक अकाउंट के जरिए नामचीन लोगों के पास पैसे की जरूरत को लेकर मैसेज भेजे गए हैं। इस बीच मंत्री सुभाष गर्ग ने प्रबुद्ध लोगों को मैसेज से पैसे मांगने की जानकारी मिलते ही साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज करवा दिया है। मंत्री सुभाष गर्ग ने पुलिस महकमे को अपने फेक अकाउंट से पैसे मांगने की घटना पर शिकायत दर्ज कराई है। इस बीच साइबर क्राइम थाना टीम ने फेक फेसबुक अकाउंट की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

### प्रदेश में कई प्रमुख लोगो से मांगे पैसे

जोधपुर के प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग के नाम से फेक अकाउंट बनाने वाले षड्यंत्रकारी ने प्रदेश के कई नामचीन लोगों को फेसबुक मैसेंजर के जरिए मैसेज भेज कर पैसे मांगे हैं। इस बीच प्रभारी मंत्री के एक परिचित ने फेक आईडी से पैसे मांगने का शक होने पर उन्हें जानकारी दी तो वह भी हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस महकमे के अधिकारियों से शिकायत कर साइबर क्राइम थाना मैं शिकायत दर्ज कराई है।

# योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाला भरतपुर से गिरफ्तार

## जुरहरा बॉर्डर से पकड़ा, 3 दिन में बम से उड़ाने की दी थी धमकी

भरतपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 3 दिन में बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी सरफरार राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। सरफराज को यूपी पुलिस ने शुक्रवार 12 अगस्त को भरतपुर के जुरहरा थाना इलाके में उसके गांव सतपुरा से गिरफ्तार कर लिया।
23 साल का सरफराज टटलूबाजी करता रहा है। वह शादीशुदा है और उसके दो बेटे हैं। उसके पिता रत्ती खान इलाके के झोलाछाप डॉक्टर हैं। जानकारी के मुताबिक लखनऊ की साइबर सेल पुलिस टीम ने सरफराज को 12 अगस्त को दोपहर 2 बजे गिरफ्तार किया। 2 अगस्त को आरोपी ने लखनऊ में पुलिस कंट्रोल रूम के वॉट्सऐप हेल्पलाइन नंबर 112 पर योगी आदित्यनाथ को 3 दिन में बम से

उड़ाने की धमकी दी।
112 नंबर के ऑपरेशन कमांडर सुभाष कुमार ने मामला दर्ज कराया। सुभाष इंफोर्मेशन ऑफिसर अंकिता दुबे को जानकारी दी। मैसेज का स्क्रीन शॉट खुफिया एजेन्सियों को भेजा गया। जिस नंबर से धमकी दी गई वह शाहिद खान के नाम पर था। लखनऊ की सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। यूपी पुलिस, साइबर सेल और सर्विलांस सेल की टीमें जांच में जुट गईं। सुशांत गोल्फ सिटी थाना इंचार्ज शैलेंद्र गिरी के मुताबिक 2 अगस्त को सीएम को बम से उड़ाने की धमकी हेल्पलाइन नंबर 112 पर दी गई। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश करने लगी।
गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमों को लगाया। आखिर लखनऊ पुलिस ने आरोपी सरफराज को नंबर के आधार पर ट्रेस कर लिया। वह यूपी से हरियाणा होता हुआ भरतपुर में जुरहरा बॉर्डर में दाखिल हुआ और अपने गांव सतपुरा आ गया। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर भरतपुर पुलिस को कोई जानकारी नहीं हैं।

धमकी भरा लेटर भी मिला था
लखनऊ के आलमबाग इलाके के रहने वाले देवेंद्र तिवारी के घर एक बैग में धमकी भरा लेटर भी मिला था। लेटर में भी योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र तिवारी को 3 दिन में बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

# गहलोत और राजेश पायलट के बीच हमेशा रहा '36' का आंकड़ा

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट की अदावत जगजाहिर है। लेकिन सीएम गहलोत का सचिन पायलट के पिता राजेश पायलट से भी छत्तीस का आंकड़ा रहा है। गहलोत और राजेश पायलट ने एक साथ ही राजनीति में एंट्री की थी। राजेश पायलट ने उस दौर में युवा गहलोत की बजाय उस समय प्रदेश की राजनीति में अपना वर्चस्व रखने वाले वरिष्ठ नेताओं का साथ दिया था। राजेश पायलट ने गहलोत को कभी नहीं गांठा। कांग्रेस नेताओं का तो यहां तक कहना है कि राजेश पायलट की गहलोत के अलावा नटवर सिंह और नवलकिशोर शर्मा से भी नहीं पटी थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह अपने गृह जिले भरतपुर से कांग्रेस का टिकट राजेश पायलट को मिलने से नाराज हो गए थे। यहीं वजह थी कि राजेश पायलट भरतपुर से 1980 में चुनाव जीतने के बाद दोबारा भरतपुर नहीं लौटे। नटवर सिंह की नाराजगी की वजह से राजेश पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने दौसा शिफ्ट कर दिया था। इससे वरिष्ठ नेता स्वर्गीय नवलकिशोर शर्मा नाराज हो गए थे। राजेश पायलट ने मरते दम तक दौसा जिला नहीं छोड़ा। दौसा पायलट की मुख्य कर्म स्थली बन गया। राजेश पायलट दौसा से लोकसभा का चुनाव जीतकर कई बार सांसद बने और केंद्रीय मंत्री बने।

राजेश पायलट गहलोत को पसंद नहीं करते थे
जानकारों का कहना है कि स्वर्गीय राजेश पायलट सीएम अशोक गहलोत की नाराजगी की वजह के पीछे कई कारण थे। राजेश पायलट और अशोक गहलोत गांधी परिवार के करीबी नेता थे। लेकिन राजीव गांधी हत्याकांड के बाद कांग्रेस की कमान पीवी नरसिम्हा राव के हाथ में आ गई। पूर्व पीएम और राजेश पायलट के बीच पुरानी अदावत थी। पीवी नरसिम्हा राव ने राजस्थान में अशोक गहलोत को आगे बढ़ाया। राजेश पायलट को चिढ़ान के लिए गहलोत को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। गहलोत की विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण में दखलअंदाजी बढ़ने से राजेश पायलट नाराज हो गए। उल्लेखनीय है कि राजेश पायलट पीवी नरसिम्हा राव मंत्रिमंडल में अहम विभागों का जिम्मा संभाला था। जानकारों का कहना है कि राजेश पायलट और पीवी नरसिम्हा राव के संबंध कभी मधुर नहीं रहे थे। राजीव गांधी हत्याकांड के बाद कांग्रेस में मची सियासी उठापटक के दौरान अशोक गहलोत ने पीवी नरसिम्हा राव का समर्थन किया था। गहलोत और पायलट की नाराजगी बढ़ती चली गई। सीएम गहलोत ने राजेश पायलट की कांग्रेस अध्यक्ष की दावेवारी का खुलकर विरोध किया था। सीताराम केसरी के खिलाफ राजेश पायलट ने चुनाव लड़ा था।

# अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत

## लोगों का आरोप- गलत खून चढ़ा दिया

भरतपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर के अटल बंद थाना इलाके में स्थित जगरौटा कॉलोनी के रहने वाले 32 वर्षीय रोहतास जाटव की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल जाकर हंगामा खड़ा कर दिया और मौत का जिम्मेदार चिकित्सक को ठहराया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शांति व्यवस्था कायम की।
जानकारी के मुताबिक रोहतास जाटव सरकारी अस्पताल में कर्मचारी सहायक के पद पर तैनात था, जो अपने ससुराल गया हुआ था और वहां छत से उतरते समय वह सीढ़ियों से फिसल गया था उसके दोनों पैरों में चोट आ गई थी। परिजनों ने उसे सिंघल नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया था। निजी अस्पताल के चिकित्सक वैभव अग्रवाल ने परिजनों को कहा कि इसके दोनों पैरों में चोट आई है, इसलिए उसका ऑपरेशन होगा। ऑपरेशन से पहले घायल रोहतास को दो यूनिट ब्लड की जरूरत थी। जब ब्लड की दूसरी यूनिट चढ़ाई जा रही थी तो रोहतास की तबीयत खराब होने लग गई, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई ।

### परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

मृतक की मां और चाचा मुकेश कुमार ने कहा कि गिरने के बाद रोहतास के दोनों पैरों में चोट आई थी। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सकों के कहने के मुताबिक हम ब्लड बैंक से ब्लड लेकर आए थे। ब्लड चढ़ाने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई और फिर उसकी मौत हो गई। रोहतास की मौत के पीछे चिकित्सक की लापरवाही या ब्लड बैंक की गलती है। पुलिस ने इस मामले में बोर्ड गठित करा दिया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

# राजस्थान में आईएसआई के दो जासूस गिरफ्तार

## महिलाओं के नाम से फर्जी अकाउंट बना आर्मी अफसरों को फंसा रहा था जासूस

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान इंटेलिजेंस ने आईएसआई के दो जासूसों को शनिवार रात गिरफ्तार किया है। दोनों जासूस भीलवाड़ा और पाली में स्थानीय एजेंट्स है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अफसरों के

इशारों पर इंडियन आर्मी की सूचनाएं भेज रहे थे। इनमें से एक महिला के नाम से भारतीय सेना के जवानों से दोस्ती करता था। फिर सूचनाएं प्राप्त करता था। सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान भेजी सूचनाओं के एवज में दोनों जासूसों के बैंक अकाउंट में यूपीआई के जरिए रुपए भी ट्रांसफर हुए हैं।
डीजी (इंटेलीजेंस) उमेश मिश्रा ने बताया कि राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की ओर से राजस्थान में की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर निगरानी रख रही है। इसे ऑपरेशन सरहद नाम दिया गया है। ऑपरेशन सरहद के तहत साल 2022 में अभी तक 6 प्रकरण दर्ज कर जासूसों को पकड़ा गया है। इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर भीलवाड़ा के बेमाली निवासी नारायण लाल गाडरी (27) को भीलवाड़ा और विराटनगर जयपुर के गांव सुरजपुरा निवासी कुलदीप सिंह शेखावत (24) को जैतारण पाली से गिरफ्तार किया गया है।
आरोपी कुलदीप सिंह शेखावत जैतारण पाली में आनन्दपुर-कालु शराब दुकान पर सेल्समैन है। दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए पाकिस्तान खुफिया एजेंसी से निरंतर कॉन्टैक्ट होने की जानकारी इंटेलिजेंस को मिली थी। सीआईडी इंटेलिजेंस पिछले काफी समय से दोनों जासूसों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुई थी। आईएसआई के स्थानीय एजेंट जासूस नारायण लाल और कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया। इंटेलिजेंस टीम दोनों जासूसों से पूछताछ कर रही है।
पूछताछ में सामने आया है कि बेमाली भीलवाड़ा निवासी नारायण लाल गाडरी पाकिस्तानी जासूसी एजेंसियों के कॉन्टैक्ट में था। रुपयों के लालच में पाक हैंडलिंग अफसरों के चाहने पर विभिन्न मोबाइल कंपनियों के सिमकार्ड जारी करवाता। पाक हैंडलिंग अफसरों की ओर से भारतीय मोबाइल नम्बरों से सोशल मीडिया अकाउंट संचालन के लिए उपलब्ध कराता। उन मोबाइल नम्बरों पर सेना से संबंधित गोपनीय सूचनाएं भेज रहा था।
आईएसआई के पाली का स्थानीय जासूस कुलदीप सिंह शेखावत पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलिंग अफसर के संपर्क में था। रुपयों के लालच में महिला पाक हैंडलिंग अफसर के चाहे जाने पर फर्जी महिला के नाम से और फर्जी सैन्यकर्मी बनकर सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाकर भारतीय सेना के जवानों से दोस्ती करता।

# आरएसएस के इंद्रेश बोले- बापू की भूल से हुआ बंटवारा

## कहा- नेहरू-जिन्ना गांधी के एडीसी नहीं होते तो देश का विभाजन नहीं होता

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि महात्मा गांधी की भूल की वजह से देश का बंटवारा हुआ। अगर बापू अंग्रेजों से वार्ता के लिए नेहरू और जिन्ना को एडीसी नहीं चुनते तो भारत के टुकड़े नहीं होते। उनकी जगह अगर सरदार पटेल,सुभाष और महर्षि अरविंदो को एडीसी चुन लेते तो भारत का विभाजन नहीं होता। बापू की छोटी सी भूल ने भारत के दो टुकड़े कर दिए। इसलिए आजादी मिली लेकिन टुकड़ों के साथ मिली। इंद्रेश कुमार जयपुर में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे।
इन्द्रेश कुमार ने कहा कि विश्व व देश मे जनसंख्या बढ़ने से असंतुलन बढ़ा है। जल, जमीन व संसाधन कम होने लग गए हैं। आंकलन के अनुसार भारत मे 80 -90 करोड़ आबादी होनी चाहिए, लेकिन 135 करोड़ हो गई है। कुछ लोग वोट को भारत पर

कब्जा करने का माध्यम मान कर जनसंख्या बढ़ा रहे हैं। अब वक्त आ गया है बेरोजगारी, दंगो, हिंसा वाला भारत नहीं चाहिए। विश्व में जनसंख्या नियंत्रण के लिए आंदोलन चलाए जा रहे हैं। भारत में भी जनसंख्या नियंत्रण के लिए आंदोलन शुरू किया गया है।
इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत में डबल स्टैंडर्ड चल रहा है, इसलिए जनसंख्या की बेहिसाब वृद्धि है। गरीबी, बेरोजगारी , अपराध जलालत भी है। ऐसे हिंदुस्तान के लिए हम नहीं हैं। हिंदुस्तान सबका है तो सजाकर रखना होगा, यह हर एक की पहली जिम्मेदारी है। अगर ऐसा नहीं है तो देशद्रोह है।
इंद्रेश कुमार ने कहा कि पूजा स्थल से निकले तो मन में शांति होनी चाहिए, लेकिन भारत में शुक्रवार तो पत्थर वाला शुक्रवार बन गया। किसी भी पूजा के बाद शांति मिलनी चाहिए, हिंसा नहीं होनी चाहिए। लेकिन देश कुछ अलग ही माहौल है। पूजा स्थलों पर टूटी हुई मूर्तियां कहां से आ गई। सभी इबादतगाहों में टूटी हुई मूर्तियां हैं, इसका अर्थ है आक्रांताओं ने मूर्तिया तोड़ी। यदि मूर्तियां है तो पूरी मूर्तियां लगवा लें।

### पीओके एक दिन फिर से भारत में होगा, पाकिस्तान मिट जाएगा

इंद्रेश कुमार ने कहा कि एक दिन आएगा जब सुबह उठेंगे पता लगेगा कि पीओके फिर से भारत में आ गया है। आप भी आ—जा सकें तो कोई खतरा नहीं है। पाकिस्तान में अलग अलग प्रांत आजादी की बात कर रहे हैं, एक दिन पाकिस्तान को ढूंढना पड़ेगा। 1947 से पहले भी नक्शे में नहीं था और आगे भी आपको पाकिस्तान ढूंढना पड़ेगा कहां है।

# ट्रेलर-कार में भिड़ंत, कपड़ा व्यापारी की मौत

### गांवों में मार्केटिंग करने के लिए निकले थे, हाइवे पर हुआ हादसा

बाड़मेर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। गांवों में मार्केटिंग करने जा रहे व्यापारी की कार को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इससे कार चला रहे व्यापारी की मौत हो गई। सीमेंट से भरा ट्रेलर भी पलट गया। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार व ट्रेलर को जब्त कर लिया है। घटना बाड़मेर जिले के बाड़मेर-जोधपुर हाइवे उतरलाई के पास की है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
पुलिस के अनुसार उण्डू पनावास (शिव) निवासी व्यापारी

विरधाराम (30) पुत्र रामाराम रविवार को सुबह शहर से बायतु की तरफ जा रहा था। उतरलाई के पास खुशालगिरी के मठ के पास सामने की तरफ से आ रहे ट्रेलर के बीच भिड़ंत हो गई। कार एक साइड से पूरी पिचक गई और कार के परखच्चे बिखर गए। टक्कर के बाद सीमेंट से भरा ट्रेलर पलट गया। आसपास के लोगों ने कार सवार व्यापारी को जिला अस्पताल पहुंचा। वहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों को सूचना दी गई।
हेड कांस्टेबल धन्नाराम के मुताबिक सड़क हादसे में कपड़ा व्यापारी की मौत हो गई। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। कार व ट्रेलर को जब्त कर लिया है।

### मार्केटिंग के लिए गांवों में जा रहा था व्यापारी

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक कपड़ा व्यापारी है। जो बाड़मेर शहर में दुकान है। गांवो में कपड़े के सैंपल लेकर वहां से बुकिंग लेकर कपड़ा सप्लाई करता है। रविवार को भी सुबह कवास, बायतु सहित आसपास के इलाकों में मार्केटिंग करने के लिए रवाना था।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना ने निकाली विशाल अग्र तिरंगा यात्रा

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के तहत रविवार को विशाल अग्र तिरंगा यात्रा निकाली गई। मोजमजाही मार्केट से लहरा रहे विशाल तिरंगा के साथ से सुबह 9.30 बजे प्रारम्भ हुई यह अग्र तिरंगा यात्रा नामपल्ली, विधानसभा भवन, रवीन्द्र भारती, लुंबिनी पार्क, टैंकबन्ड, राजीव संजीवय्या पार्क से लहरा रहे विशाल तिरंगे के मार्ग से होकर पीपुल प्लाजा पर समाप्त हुई। डीईसी इंडस्ट्रिज (अनिरुद्ध गुप्ता) के आयोजन और समाज की कोतापेट, मलकपेट, दोमलगुडा, हैदरगुडा, आबिड्स शाखाओं के संयोजन से आयोजित उक्त रैली के संयोजक महावीर प्रसाद अग्रवाल और सह संयोजक सीए मनोज अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, अशोक जिंदल और संजय अग्रवाल ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों अध्यक्ष ए.के. अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलीप पसारी, मानद मंत्री कपुरचन्द गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान ने भाग लिया।

# 'मना वुरु मना बड़ी' के कार्यों में तेजी लाएं : हरीश राव

सिद्दीपेट, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को अधिकारियों को उन स्कूलों की एक सूची तैयार करने का निर्देश दिया, जिन्हें शेष कार्यों को पूरा करने के लिए माना वुरु मन बड़ी (एमवीएमबी) कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त धन की आवश्यकता है।

सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र में "मना वुरु मना बड़ी" कार्यों की प्रगति पर अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने कहा कि सूची को शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भेजा जाना चाहिए, ताकि वह धन के अनुदान को आगे बढ़ा सकें। चिन्ना कोदुर, नारायणरावपेट, सिद्दीपेट अर्बन, सिद्दीपेट ग्रामीण और नंगनूर मंडल में कुछ स्कूलों की सूची, जो जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं, राव ने अधिकारियों से इन स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए कहा। मंडल को एक इकाई मानते हुए पेयजल की सुविधा, शौचालय, बिजली आपूर्ति, जल निकासी, खेल मैदान, चारदीवारी, रसोई, अतिरिक्त क्लासरूम, डिजिटल क्लासरूम आदि उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये. उन्होंने उन्हें पुराने भवनों के नवीनीकरण का भी कार्य करने का सुझाव दिया है। राव ने तीन माह के अंदर काम पूरा करने का निर्देश दिया। कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल आदि उपस्थित थे।

# लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कल्याणकारी योजनाएं : विजयसाई

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संसद में वाईएसआरसीपी विधायक दल के नेता विजयसाई रेड्डी ने कहा कि कल्याणकारी योजनाएं मानव पूंजी और जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से हैं, लेकिन मुफ्त में अलग हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बार-बार की जा रही "मुफ्त उपहार" और सार्वजनिक वित्त पर इसके खतरनाक प्रभाव की बात पर उन्होंने कहा कि हमें मुफ्त की परिभाषा को समझने की जरूरत है या जिसे "रेवरी" कहा जा रहा है। फ्रीबीज कल्याणकारी योजनाओं से अलग हैं। उन्होंने बताया स्वाभाविक रूप से, 2014 में संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के विभाजन के बाद राज्य की उधारी 1.24 लाख करोड़ थी। तेलुगु देशम पार्टी के अगले पांच वर्षों के दौरान, यह 2.6 लाख करोड़ हो गया है। आंध्र सरकार की योजनाओं पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि सरकार की एक योजना है रैतु भरोसा, जहां मुख्यमंत्री किसानों को आय सहायता प्रदान कर रहे हैं। हमारे पास शुल्क प्रतिपूर्ति की एक योजना भी है; यहां आंध्र प्रदेश सरकार छात्रों की सहायता कर रही है। नामांकन में सुधार कर रही है और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित कर रही है। स्वास्थ्य पर हमने आंध्र प्रदेश के सभी 26 जिलों में एक सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की जरूरत है। मेरे विचार में,यह लोग ही तय करते हैं कि कोई विशेष सरकार नीतियां जारी रखती है या नहीं या उसकी नीतियां स्वीकार्य हैं। न्यायपालिका का काम यह तय करना है कि संसद द्वारा पारित कानून संवैधानिक है या नहीं। जनता और देश के लोगों की जरूरतों को राजनीतिक वर्ग न्यायपालिका से बेहतर जानता है। उन्होंने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम का पालन करते हुए केंद्र सरकार कदम उठा सकती है और कह सकती है कि 'देखो आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं, और इसलिए अधिक क्रेडिट तक आपकी पहुंच सीमित हो जाएगी'।

# देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एकजुटता जरूरी : डॉ. पुरोहित

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी महाविद्यालय में आज़ादी के अमृत महोत्सव के द्वितीय दिवस को अत्यन्त हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में वरिष्ठ न्यूरो सर्जन और साहित्यकार डॉक्टर अनिरुद्ध पुरोहित उपस्थित थे। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुमारी लहरी की सरस्वती वंदना के प्रस्तुति से हुआ। प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने तिरंगे की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए उसकी उपादेयता पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष श्याम सुंदर मूंदड़ा ने आज़ादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सुझाव दिय। मानद मंत्री लक्ष्मीनिवास शर्मा ने स्वतंत्रता प्राप्ति में जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने भागीदारी दी उन सब को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कोषाध्यक्ष एसबी काबरा ने सब को आज़ादी की शुभकामनाएं दीं। प्राध्यापिका कु. लहरी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। मुख्य अतिथि डॉ. अनिरुद्ध कुमार पुरोहित ने अपने वक्तव्य में सनातन धर्म, देश की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता,मनोबल तथा आज़ादी को एकजुट होकर बनाए रखने का सभी से वचन लिया। क्रार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती आरती शर्मा ने किया तथा आभार ज्ञापन प्राध्यापिका श्रीमती बिंदु द्वारा दिया गया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम का समापन समारोह एवं 76वां स्वतंत्रता दिवस 15, अगस्त को संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे होगा जिसमें प्रसिद्ध समाज सेवी एवं उद्योगपति श्रीमती भगवती बलदेवा मुख्य अतिथि के रुप मे सम्मिलित होंगी।

# भाग्यनगर गणेश उत्सव महिला समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिअम्बर बाजार स्थित बाहेती भवन में आगामी गणेश उत्सव के संदर्भ में भाग्यनगर गणेश उत्सव महिला समिति की मीटिंग समिति के प्रधान सचीव डॉ. भगवंत राव व उपाध्यक्ष करोडीमल नरसिंगपुरीया की अध्यक्षता मे आयोजित की गयी।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में महिला समिति की संयोजिक शशिकला एवं रूबी मिश्रा ने बताया कि आगामी 31 अक्टोबर से 9 सितम्बर तक भाग्यनगर की धन्यधरा पर भव्य गणेश उत्सव का आयोजन होने जा रहा है। प्रतिवर्ष की तरह गणेश उत्सव को भव्याती भव्य रूप से मनाने के लिए भाग्यनगर गणेश उत्सव महिला समिति द्वारा विधानसभा क्षेत्र के साथ साथ डिविशन स्तर पर समितियों के गठन के संदर्भ मे महिला समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए शशि कला ने पधारी सभी नारी शक्तियो का स्वागत करते हुए कहा कि सभी को निवेदन किया कि दो दिन मे असेंबली के कनवीनर डिवीजन वाइज कन्वीनर के नामो की सूची दें। रूबी मिश्रा ने सभी महिलाओ को एक परिवार के तौर पर समझ कर गणेश उत्सव को मनाना है। पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के मुताबिक महिला कनविनर बनाने का सुझाव दिय । अरुणा ज्योति ने बताया की विधानसभा के मुताबिक टीम बनाने से डिवीजन वाइज सभी जगह पहुंचने मे आसानी होगी।

डॉ. भगवंत राव ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान की परिस्थितियों में हम सभी सनातन धर्मप्रेमियों को राजनीति से ऊपर उठकर, जातपात साम्प्रदायिक भेदभाव के बिना संगठित होकर राष्ट्र और धर्म की रक्षा करने की सख्त जरूरत है।

भगवंतरावजी ने कहा कि भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के डिवीजन कमेटियों में जुडकर धार्मिकता से गणेश उत्सव मनाएं। बैठक का संचालन केन्द्रीय समिति सदस्य मुकेश चौहान जैन ने किया।

सरस्वती बजाज के महत्ती कार्यों के लिए उनका सम्मान करते हुए विशिष्ट समाजसेवी गोपाल बल्देवा। साथ में हैं राजेंद्र बजाज, देवकन्या, निखिल, सोनिया व खुशी बजाज।

बजरंग सेना द्वारा राम मंदिर गौलीगुडा से रामकोट चौरास्ता तक हर घर तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। इसमें भाग लेते हुए बजरंग सेना तेलंगाना राज्य अध्यक्ष शिवप्रसाद, एनआर लक्ष्मण राव, रजनी, प्रवीण दुबे, सूर्या शुक्ला व अन्य।

# आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महात्मा गांधी मंदिर में भक्तों की बढी भीड़

नलगोंडा, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष की पूर्व संध्या पर देश में देशभक्ति का जोश उमड़ रहा है, तेलंगाना के इस जिले के एक गांव में महात्मा गांधी के मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में दर्शन' और आशीर्वाद के लिए उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तेलंगाना के चित्याल शहर के आसपास के कई लोगों के लिए, हैदराबाद से लगभग 75 किलोमीटर दूर, महात्मा गांधी मंदिर जाना एक भावना बन गया है।

महात्मा गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव पीवी कृष्ण राव कहते हैं कि जिले के चित्याल शहर के पास पेड्डा कपार्थी गांव में अपनी तरह का पहला मंदिर दूर-दूर से ध्यान आकर्षित कर रहा है। राव कहते हैं कि जिस मंदिर में आम तौर पर 60-70 की संख्या में दर्शनार्थी आते हैं, अब तेलंगाना सरकार और स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए केंद्र की पहल के बाद भक्तों की संख्या में लगभग 350 की वृद्धि देखी जा रही है। आम तौर पर लगभग 60 से 70 लोग मंदिर में पूजा करने के लिए प्रतिदिन आते हैं। अब केंद्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव और तेलंगाना सरकार द्वारा स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के नाम पर व्यापक प्रचार के कारण, आगंतुकों की संख्या बढ़कर 300 से 340 हो गई है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर विशाल तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। अलवाल सर्कल कनाजीगुडा पर पूर्व एमएलसी रामचंद्र राव, पार्षद श्रवण, प्रभाकर, राजेंद्र प्रसाद रेड्डी, शिवा, अभिषेक भारद्वाज, लक्ष्मण अनिल, विश्वमंगल गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, संगीता सीरवी, रमेश सीरवी, नारायण लाल, दिनेश, विशनाराम , दलपत सिंह और अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

# केएमसी के मृतक श्रमिकों के परिवारों से मिले परिवहन मंत्र पुव्वाड़ा

खम्मम, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने खम्मम नगर निगम (केएमसी) के एक कार्यकर्ता और उसके आपदा राहत बल (डीआरएफ) के दो सदस्यों के शोक संतप्त परिवारों को यहां केएमसी की ओर से अनुग्रह राशि के लिए 5-5 लाख रुपये के चेक सौंपे। एक कार्यकर्ता सी . संदीप और डीआरएफ सदस्य पी. वेंकटेश और बी. प्रदीप की हाल ही में अलग-अलग दुर्घटनाओं में मौत हो गई थी।

मंत्री ने केएमसी कार्यकर्ता और डीआरएफ सदस्यों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने संदीप के माता-पिता, वेंकटेश की मां नागलक्ष्मी और प्रदीप की पत्नी नागलक्ष्मी को चेक सौंपे। बाद में उन्होंने उनसे बातचीत कर उनकी पारिवारिक स्थिति के बारे में जानकारी ली। वेंकटेश की मां नागलक्ष्मी ने शोक व्यक्त किया कि उनके छोटे बेटे की मृत्यु के कारण परिवार की आजीविका चली गई। जवाब में, मंत्री ने नगर आयुक्त आदर्श सुरभि को केएमसी में अपने बड़े बेटे को आउटसोर्सिंग नौकरी देने का निर्देश दिया।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हैदराबाद के ओल्ट सिटी मदीनागुड़ा सर्किल पर निकाली गई रैली में भाग लेते हुए अग्रवाल समाज के तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल व अन्य।

# भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर : जिग्नेश दोशी

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दि गुजराती वेलफेयर सोसायटी, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं श्री गुजराती प्रगति समाज के महासचिव जिग्नेश दोशी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव पर गुजराती समाज के अलावा देश के हर नागरिक को इस अमृत उत्सव अमृत पान की तरह तन-मन-धन से मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जैसे अमृत पान के बाद संसार की हर चीज व्यक्ति के लिए तुच्छ हो जाती है, उसी प्रकार इस पर्श को ऐसे मनाएं कि यह अन्य सभी त्योहारों से श्रेष्ठ हो जाए, क्योंकि यह हमारे देश का सम्मान है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' के नारे का जिक्र करते हुए उन्होंने घर-घर इस भव्य उत्सव को मनाने को कहा। उन्होंने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व भारत वर्ष की ओर निगाहें गड़ाए बैठा है कि, वहां क्या हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने हर घर तिरंगे का नारा दिया और सारा देश उनके साथ हो गया। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार आज भारत की छवि पूरे विश्व में बनी है, इससे यह साबित होता है कि भारत विश्व गुरु बनने की कगार पर है। इस शुभ अवसर पर उन्होंने सभी भारत वासियों को 76वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दीं।

संजीवय्या पार्क स्थित राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित वीर दुर्गादास जयंती कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व समाज बन्धु।

ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सुलतान बाजार हनुमान मंदिर से निकाली गई तिरंगा रैली में भाग लेते हुए कमेटी के चेयरमैन गोविंद राठी, डॉ. मोहन गुप्ता, सुमित राठी, घनश्याम तोषणीवाल, लालचंद कलंत्री आदि ने भाग लिया।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित श्रावणी उपाकर्म महोत्सव व नौ कुंडीय यज्ञ के सफल आयोजन पर पुष्करणा ब्राह्मण समाज द्वारा रामदेवनागला व गोकुलचंद उपाध्याय का सम्मान करते हुए शांतिलाल चांडा व हुक्मीचंद थानवी, मुरलीधर तिवाड़ी।

बोडुप्पल स्थित राठौड़ वॉलीबॉल ग्राउंड में बोर्ड उप्पल वॉलीबॉल क्लब द्वारा आयोजित शूटिंग वॉलीबॉल टूर्नामेन्ट के शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित कोरेमुला सीरवी समाज संरक्षक भामाशाह प्रभुराम परिहारियां, सचिव डायाराम लचेटा, वनेसिंह राठौड़, आयोजक, खिलाड़ी व अन्य।

# केटीआर का पीएम मोदी से सवाल : आप गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के खिलाफ क्यों हैं?

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार के मुफ्त अभियान पर तीखा हमला करते हुए, उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने गरीबों के कल्याण की अनदेखी के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की खिंचाई की और केंद्र सरकार द्वारा लिए गए उधार के व्यय विवरण जानने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से पहले, देश का कर्ज 56 लाख करोड़ था, लेकिन अकेले मोदी सरकार ने 80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज लिया। फिर भी, बढ़ती मुद्रास्फीति और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें लोगों की कमर तोड़ रही हैं।

उद्योग मंत्री ने कहा कि हाल ही में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कड़ी चेतावनी जारी की है कि देश की वार्षिक आय का 37 प्रतिशत मोदी सरकार द्वारा उधार लिए गए धन के ब्याज के भुगतान पर खर्च किया जा रहा है। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के अनुसार, केंद्र सरकार को सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से अधिक उधार नहीं लेना चाहिए, लेकिन मोदी सरकार पहले ही अपने कर्ज का 54 प्रतिशत खर्च कर चुकी है। कैग ने चेतावनी दी है कि अगर स्थिति बनी रहती है, तो देश की अर्थव्यवस्था के ढहने का खतरा है। उन्होंने कहा कि एक भी मेगा सिंचाई परियोजना नहीं बनी और न ही कोई अन्य राष्ट्रीय स्तर का निर्माण किया गया। केंद्र सरकार ने देश के गरीबों को लाभ पहुंचाने के लिए एक भी कल्याणकारी योजना शुरू नहीं की, फिर भी लाखों करोड़ कहां गायब हो गए? उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही व्यक्ति हैं। फ्री कल्चर पर प्रधानमंत्री की राय पर गंभीर आपत्ति जताते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने लोगों के कल्याण की अनदेखी की है।

दूध और दही जैसी आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाया जा रहा था और मोदी सरकार के शासन में गरीबी काफी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जहां कर्ज के रूप में लाखों करोड़ रुपये उधार लेती है और राशि का सदुपयोग करने में विफल रहती है, वहीं यह गरीबों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को शुरू करने के लिए राज्य सरकारों पर जहर उगलती है। प्रधान मंत्री की राय में वास्तव में फ्रीबी क्या था, इस पर आश्चर्य करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुफ्त बिजली, रैतु बंधु, रैतु बीमा, किसानों को कुछ सहायता प्रदान कर रहे हैं।

# तेलंगाना के दो अग्निशमन कर्मी और तीन होमगार्ड सराहनीय सेवाओं के लिये सम्मानित

नई दिल्ली/हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीरता के लिये राष्ट्रपति पदक और विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति पदक के साथ साथ अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के कर्मियों को प्रदान किया जाते है। इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 55 कर्मियों को अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें से 11 कर्मियों को उनके शौर्य एवं वीरतापूर्ण कार्यो के लिए वीरता का अग्निशमन सेवा पदक प्रदान किया गया हैं। विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक छह कर्मियों को प्रदान किया गया है और 38 कर्मियों को विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के उनके उत्कृष्ट रिकॉर्ड के लिए सराहनीय सेवा का अग्निशमन सेवा पदक प्रदान किया गया है। तेलंगाना के प्रमुख अग्निशमन कर्मी वेंकटेश्वर राव येर्रागुंता और प्रमुख अग्निशमन कर्मी फरीद शेख को सराहनीय सेवा के लिये अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। तेलंगाना के होम गार्ड चल्ला अशोक रेड्डी, चंदा सुरेश और मोहम्मद अब्दुल शुकुर बेग को सराहनीय सेवाओं के लिये होमगार्ड और नागरिक सुरक्ष पदक प्रदान किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

# एशिया कप में आज तक नहीं हुआ भारत-पाक फाइनल

## 38 साल में 14 बार हुआ टूर्नामेंट का आयोजन, 7 खिताब के साथ टीम इंडिया है सबसे आगे

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। 13 दिन ही बाकी हैं। यह टूर्नामेंट हमेशा भारत-पाकिस्तान महामुकाबले की तरह देखा जाता है क्योंकि दोनों एशिया की बड़ी टीमें हैं। हालांकि, हैरानी की बात है कि एशिया कप के 14 सीजन हो चुके हैं, लेकिन अब तक भारत-पाकिस्तान के बीच कभी फाइनल नहीं खेला गया। इस बार ये दोनों टीमें अपने-अपने अभियान की शुरुआत 28 अगस्त को एक-दूसरे के खिलाफ करेंगी। दोनों को पूल-ए में रखा गया है। मौजूदा समय में भारत और पाकिस्तान एशिया की दो सबसे दमदार टीमें हैं और मुमकिन है कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान फाइनल का 38 साल का सूखा समाप्त हो जाए। क्रिकेट के पंडित भी इन्हीं 2 क्रिकेट महाशक्तियों के बीच फाइनल की भविष्यवाणी कर रहे हैं। चलिए जान लेते हैं कि अब तक एशिया कप के कितने फाइनल हुए हैं और किसके बीच खेले गए हैं... शारजाह स्टेडियम में 1984 में भारत एशिया कप के पहले संस्करण का विजेता बना। इस टूर्नामेंट में 3 (भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका) टीमों ने हिस्सा लिया था। यह टूर्नामेंट में वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। इस त्रिकोणीय सीरीज में भारत ने 2 मुकाबले जीते थे। उसने श्रीलंका को दस विकेट और पाकिस्तान को 54 रनों से हराया था। इस बार मेजबानी कोलंबो ने की। मेजबान श्रीलंका ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराते हुए खिताब जीता था। वह दूसरी बार फाइनल खेल रहा था। 6 अप्रैल को पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए 45 ओवर में 191 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 5 विकेट पर 195 रन बनाते हुए जीत हासिल की। बांग्लादेश के खेले गए इस फाइनल मुकाबले को भारत ने 6 विकेट से अपने नाम किया। वह दूसरी बार एशियन चैंपियन बना था। उसने एक बार फिर श्रीलंका को मात दी थी। बस जगह अलग थी। श्रीलंका ने 43.5 ओवर में 176 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया ने 37.1 ओवर में चार विकेट 180 रन बनाते हुए दूसरा खिताब अपने नाम किया। अब मेजबानी भारत की थी। फाइनल में एक बार फिर भारत-श्रीलंका आमने-सामने थे। कोलकाता के इडेन गार्डंस स्टेडियम में श्रीलंका के पास हिसाब बराबर करने का मौका था। उसने पहले खेलते हुए 204/9 का स्कोर खड़ा किया। भारत ने मोहम्मद अजहरुद्दीन (54*) की कप्तानी पारी की बदौलत 42.1 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य पा लिया। वह तीसरी बार चैंपियन बना था। भारत और श्रीलंका फिर फाइनल खेल रहे थे। संयुक्त अरब अमीरात में श्रीलंका ने 230/7 का स्कोर खड़ा किया था। जिसे भारतीय टीम ने 41.5 ओवर में दो विकेट पर 233 रन बनाकर हासिल कर लिया था। इस मैच में नवजोत सिंह सिद्धू ने नाबाद 84 रन और कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने नाबाद 90 रन बनाए थे। सचिन तेंदुलकर ने 41 रन का योगदान दिया था। भारत ने चौथा खिताब जीता था। छठवां सीजन-1997: श्रीलंका बनाम भारत (श्रीलंका) श्रीलंका दूसरी बार एशिया कप की मेजबानी कर रहा था। कोलंबो स्टेडियम में डिफेंडिंग चैंपियन भारत और श्रीलंका के बीच फाइनल हुआ।

जिसमें भारतीय टीम 239/7 के स्कोर को डिफेंड करने में नाकामयाब रही थी। मेजबानों ने 36.5 ओवर में दो विकेट पर 240 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली थी। मारवन अटापट्टू ने 84 रन बनाए थे। जबकि अर्जुन रणतुंगा 272 रन बना कर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। यहां भारत ने पहली बार फाइनल मैच गंवाया था। बांग्लादेश में आयोजित इस टूर्नामेंट में 4 देशों ने हिस्सा लिया था और पाकिस्तान-श्रीलंका ने फाइनल में जगह बनाई थी। ढाका में पाक ने पहले तो 277/4 रन का स्कोर खड़ा किया उसके बाद श्रीलंकाई टीम को 42.2 ओवर में 238 रन पर आउट कर दिया। वसीम अकरम, मोहम्मद अकरम और अरशद खान ने दो-दो विकेट लिए। मोइन खान (56*) मैन ऑफ द फाइनल बने थे। जबकि मोहम्मद यूसुफ (295) प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। इस बार टीमों की संख्या बड़ी थी। अब टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही थीं। कोलंबो स्टेडियम में एक बार फिर श्रीलंका और भारत फाइनल खेल रहे थे। श्रीलंका ने 50 ओवर में 228 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम तय ओवर में 9 विकेट पर 203 रन ही बना सकी। मारवन अटापट्टू (65) ने एक बार फिर मेजबानों को फाइनल जिताया। इस बार मैन ऑफ द सीरीज सनथ जयसूर्या का बल्ला भी खूब चला। उन्होंने न सिर्फ 293 रन बनाए। बल्कि 4 विकेट भी चटकाए। पाकिस्तान पहली बार एशिया कप की मेजबानी कर रहा था। भारत-श्रीलंका सातवीं बार खिताबी मुकाबला खेल रहे थे। कराची में श्रीलंका ने 273 रन बनाए और टीम इंडिया को 39.3 ओवर में 173 रन पर सिमेट दिया। यहां अजंता मेंडिस (6/13) ने भारत का पांचवीं बार एशियन चैंपियन बनने का सपना तोड़ दिया। वे (46 रन और 17 विकेट) प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे थे। श्रीलंका में आयोजित इस सीजन का फाइनल मैच भी भारत और श्रीलंका के बीच हुआ। ये दोनों टीमें लगातार तीसरी बार फाइनल खेल रही थीं। इनमें से दो भारत ने गंवाए थे। यहां भारत ने पहले तो 268/6 रन बनाए। फिर श्रीलंकाई बल्लेबाजों को 44.4 ओवर में 187 रन पर चलता कर दिया। इस फाइनल में दिनेश कार्तिक ने 66 रनों की पारी खेली थी। जबकि आशीष नेहरा ने चार विकेट चटकाए थे। भारत 15 साल बाद एशियन चैंपियन बना था। पहली बार एशिया कप का फाइनल भारत और श्रीलंका के बगैर खेला जा रहा था। इससे पहले के हर सीजन में भारत-श्रीलंका में से एक टीम फाइनल पहुंची थी।

मीरपुर में पाक टीम ने 236/9 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में बांग्लादेश 234 तक ही पहुंच सकी। वे 2 रन से फाइनल हार गई। शाहिद अफरीदी मैन ऑफ द मैच और शाकिब अल हसन मैन ऑफ द सीरीज रहे थे। फाइनल में सरफराज अहमद ने नाबाद 46 रनों की पारी खेली थी। बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार एशिया कप की मेजबानी की। लेकिन, मेजबान इस बार भी फाइनल में जगह नहीं बना सके। फाइनल श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेला गया। जिसे श्रीलंका ने 5 विकेट से जीता। मीरपुर में पाक ने 261 का लक्ष्य रखा। जिसे श्रीलंका ने 46.2 ओवर में पांच विकेट पर हासिल कर लिया। लसिथ मलिंगा (5/56) मैन ऑफ द मैच रहे। पहली बार एशिया कप टी-20 फॉर्मेट में खेला गया।

इस बार टीमों की संख्या भी बढ़ी। अब 9 टीमों के बीच मुकाबले हुए। इनमें 4 क्वालिफायर से आई थीं। मीरपुर लगातार तीसरी दफा एशिया कप के फाइनल की मेजबानी कर रहा था। बांग्लादेश ने 15 ओवर में 120 रन बनाए। भारत नेद 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। शिखर धवन (60) मैन ऑफ द फाइनल रहे थे। एक बार फिर एशिया कप पुराने यानी कि वनडे फॉर्मेट में खेला गया। इस बार 6 टीमों के बीच मुकाबले खेले हुए। भारत और बांग्लादेश के बीच एक बार फिर फाइनल खेला गया। लेकिन जगह अलग थी। इस बार फाइनल दुबई में खेला गया। बांग्लादेश ने 222 रन बनाए। भारतीय टीम ने जरूरी रन 7 विकेट पर बना डाले। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए थे। शिखर धवन (342) मैन ऑफ द सीरीज रहे।

## वनडे सीरीज के लिए जिम्बाब्वे पहुंची टीम इंडिया

### कप्तान केएल राहुल के फिटनेस और परफॉर्मेंस पर होगी नजरें

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे पहुंच चुकी हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने टीम इंडिया के हरारे एयरपोर्ट पर पहुंचे का वीडियो शेयर किया है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय टीम के रवाना के फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। टीम इंडिया शनिवार सुबह जिम्बाब्वे के लिए रवाना हुई थी। टीम को वहां पर तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है।

**केएल राहुल हैं टीम के कप्तान**

इस सीरीज से विराट कोहली, रोहित शर्मा, और ऋषभपंत सहित कई सीनियर्स खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। इस सीरीज के लिए टीम की कप्तानी केएल राहुल को सौंपी गई है। राहुल का चयन पहले नहीं हुआ था। फिट होने के बाद उनकी वापसी हुई है। धवन पहले कप्तान बनाए थे। अब वह उपकप्तान होंगे। ऐसे में राहुल के पास एशिया कप से पहले अपने को तैयार करने का आखिरी मौका है। वहीं टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण बतौर कोच गए हैं। क्योंकि टीम के नियमित कोच राहुल द्रविड़ को इस हफ्ते एशिया कप के लिए यूएई जाना है। ऐसे में उन्हें आराम दिया गया है।

**दीपक हुड्डा और केएल राहुल पर होगी नजरें**

एशिया कप यूएई में 27 अगस्त से शुरू होना है। जिम्बाब्वे दौरे में शामिल केएल राहुल और दीपक हुड्डा को ही एशिया कप के लिए टीम में जगह मिली है। ऐसे में दीपक और राहुल के प्रफॉरमेंस पर नजर होगी। केएल राहुल वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस और परफॉर्मेंस पर टीम मैनेजमेंट की नजर होगी। दोनों खिलाड़ी जिम्बाब्वे दौरे के खत्म होने के बाद सीधे यूएई के लिए रवाना होंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक जिम्बाब्वे पहुंची टीम इंडिया रविवार से वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में अभ्यास करेगी। भारतीय टीम जिम्बाब्वे में 18, 20 और 22 अगस्त को तीन वनडे मैच खेलेगी।

## वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप से हटीं सिंधु

### टखने की चोट के कारण नाम वापस लिया; कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया था गोल्ड

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश की स्टार शटलर पीवी सिंधु वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप से हट गई हैं। कारण है, टखने की चोट। वे कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चोटिल हो गई थीं। लेकिन, भारतीय खिलाड़ी ने दर्द को सहकर भी खेलना जारी रखा। अब वह चोट गंभीर हो गई है।

ऐसे में रिकवरी के लिए सिंधु ने चैंपियनशिप से हटने का फैसला लिया है। 28 साल की इस शटलर ने शनिवार को एक सोशल पोस्ट में चैंपियनशिप से हटने का ऐलान किया। वे भारतीय ओलिंपिक संघ के दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में भी शामिल नहीं हुईं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत 21 अगस्त को होगी। यह विश्व स्तरीय प्रतियोगिता 28 अगस्त तक चलेगी।

पीवी सिंधु ने कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में कनाडा की मिशेल ली को 21-15, 21-13 से हराया। उन्होंने CWG के विमंस सिंगल्स मुकाबलों में पहला गोल्ड जीता था। वे 2018 के सीजन का फाइनल हार गई थीं। उन्हें एक अन्य भारतीय स्टार साइना नेहवाल ने हराया था। हालांकि, उस सीजन में सिंधु ने मिक्स्ड टीम स्पर्धा में गोल्ड जीता था।

भारतीय स्टार पीवी सिंधु का वर्ल्ड बैंडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार रिकॉर्ड रहा है। वे इस टूर्नामेंट में अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, पिछले साल स्पेन में हुए इस आयोजन में मेडल हासिल नहीं कर सकी थीं। वे 2019 में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने दो सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज भी जीते हैं।

## पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान को सर्वोच्च नागरिक सम्मान

### बाबर आजम को सितारा-ए-इम्तियाज; थ्रोअर अरशद नदीम और वेटलिफ्टर नूह बट को प्राइड ऑफ परफॉर्मेंस पुरस्कार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सितारा-ए-इम्तियाज सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इनके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स में जेवलिन थ्रो इवेंट में 90 मीटर से अधिक भाला फेंक कर गोल्ड जीतने वाले अरशद नदीम और वेटलिफ्टर नूह बट को भी प्राइड ऑफ परफॉर्मेंस पुरस्कार दिया जाएगा। बट ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के वेटलिफ्टिंग में 109 किलो प्लस कैटेगरी में रिकॉर्ड 405 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल पाकिस्तान की झोली में डाली थी।

वहीं पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बिस्माह माहरुफ को भी तमगा-ए-इम्तियाज दिया जाएगा। यह पुरस्कार 23 मार्च, 2023 को दिए जाएंगे।

सि ता रा - ए - इ म्ति या ज पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है। यह उन लोगों को दिया जाता है, जो देश की सुरक्षा, विश्व शांति, देश की संस्कृति के प्रचार-प्रसार के अलावा सार्वजनिक जीवन में बेहतरी का काम करते हैं।

बाबर आजम पिछले कुछ सालों से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस साल अब तक उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने टेस्ट में पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक रन बनाए हैं। बाबर ने 5 टेस्ट में 73 से अधिक की औसत से 661 रन बनाए हैं। जिनमें 2 सेंचुरी और 4 हाफ सेंचुरी शामिल है। वनडे और टी-20 में भी बाबर रन मशीन बने हुए हैं। वहीं इस साल अब तक खेले 6 वनडे मैचों में उन्होंने 91.40 की औसत से 457 रन बनाए हैं। जिनमें 3 सेंचुरी और 2 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं। वहीं 2021-22 सीजन में खेले 13 टी-20

मैचों में 40 की औसत से 492 रन बनाए हैं। जिनमें 6 हाफ सेंचुरी भी शामिल है। बाबर फिलहाल, वनडे और टी-20 में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। टेस्ट रैंकिंग में वो तीसरे स्थान पर है।

एशिया कप में बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान का मुकाबला रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया से है। 28 अगस्त को दोनों टीमें आपस में भिड़ेंगी।

## 17 साल में पहली बार मेसी श्रेष्ठ फुटबॉलर की रेस में नहीं

### बेंजेमा मजबूत दावेदार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सात बार के बैलन डिओर विजेता लियोनल मेसी 2005 के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए नामित 30 खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं। जबकि मेसी के प्रबल प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस रेस में शामिल हैं। पिछले सीजन में रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल किए। इस रेस में करीम बेंजेमा और थिबॉट कर्टोइस मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं जिन्होंने ला लिगा, यूईएफए चैंपियंस लीग और यूईएफए सुपरकप जीतने में टीम की मदद की। ब्राजील के नेमार भी इस बार सूची में नहीं हैं।

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर मेसी ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सात बार जीता है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो 5 बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। उन्होंने पिछले साल कड़ी रेस में पोलैंड के रॉबर्ट लेवानडॉस्की को पछाड़ा था। फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के साथ पहले सत्र में औसत प्रदर्शन के कारण उन्हें इस बार नामांकन नहीं मिला है। उससे पहले वह स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के लिए खेल रहे थे। मेसी ने 2019 में भी यह पुरस्कार जीता था लेकिन 2020 में कोरोना महामारी के कारण यह पुरस्कार नहीं दिया गया था।

## रॉस टेलर का आरआर के मालिकों पर बड़ा आरोप

### जीरो पर आउट होने पर मुझे थप्पड़ मारकर बोले- तुम्हें करोड़ों रुपए आउट होने के लिए नहीं दिए

मुंबईन, 14 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मलिकों पर बड़ा आरोप लगाया है। 38 साल के इस कीवी बल्लेबाज ने कहा है कि जब मैं शून्य पर आउट हो गया था तो राजस्थान रॉयल्स के मालिक ने मुझे थप्पड़ मारे।

टेलर ने यह सनसनीखेज खुलासे अपनी आत्मकथा में किए हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में प्रकाशित ब्लैक एंड व्हाइट नाम की बुक में टेलर ने आईपीएल में अपने साथ हुई एक अप्रिय घटना के बारे में बताया है।

अपनी बुक में टेलर ने लिखा- 'राजस्थान रॉयल्स के मालिकों में से एक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी के साथ उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें चेहरे पर थप्पड़ मारा था। क्योंकि वह पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब) के खिलाफ हुए मैच में जीरो पर आउट हो गए थे। हालांकि उन्होंने ये भी बताया कि थप्पड़ जोर से नहीं मारा गया था, लेकिन उन्हें ये मजाक जैसा भी नहीं लगा। रॉयल्स के मालिकों में से एक ने मुझसे कहा कि रॉस, हमने आपको जीरो पर आउट होने के लिए एक मिलियन डॉलर का भुगतान नहीं किया और मुझे तीन या चार बार चेहरे पर थप्पड़ मारा।'

**खराब शॉट पर 'गंदे शब्द'**

उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के नस्लवाद को भी उजागर किया। टेलर ने लिखा कि वहां मुझे भारतीय समझते थे और साथी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में मुझे बंदर कहते थे। इतना ही नहीं, टेलर ने लिखा कि कई बार जब मैं खराब शॉट खेलता था तो उस पर बहुत ही गंदे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि उसी तरह के शॉट पर टीम के बाकी बल्लेबाजों के लिए ऐसा कुछ नहीं कहा जाता था।

आत्मकथा ब्लैक एंड व्हाइट में टेलर के कई खुलासे

वह मुकाबला पंजाब और राजस्थान के बीच का मुकाबला मोहाली में खेला गया था। 195 रनों का पीछा करते हुए मैं जीरो पर आउट हो गया और हम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच सके थे। इसके बाद खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और टीम प्रबंधन होटल की सबसे ऊपरी मंजिल पर मौजूद बार में थे।

रॉस टेलर आईपीएल में 55 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 1017 रन बनाए हैं। उनके नाम 3 अर्धशतक भी हैं। वे दिल्ली कैपिटल्स, पुणे वॉरियर्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेल चुके हैं।

## वैक्सीन नहीं लगवाने पर जोकोविच यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क, 14 अगस्त (एजेंसियां)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अगले हफ्ते सिनसिनाटी में शुरू हो रहे हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। दरअसल, कोरोनारोधी टीका नहीं लगवाने की वजह से उन्हें अमेरिका में यात्रा करने की अनुमति नहीं है। वह 29 अगस्त से न्यूयॉर्क में होने वाले साल के अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट यूएस में भी नहीं खेल सकेंगे।

पुरुष एकल के 21 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले 35 वर्षीय सर्बिया के जोकोविच ने कहा कि वह कोरोना वायरस के कारण होने वाली बीमारी से बचाने वाला टीका नहीं लगवाएंगे, भले ही कुछ टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति न मिले। जोकोविच राफेल नडाल (22 ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी) से एक खिताब पीछे हैं।

**ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद भी बिना खेले लौटना पड़ा था**

टीका नहीं लगवाने की वजह से जोकोविच इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में तो वह ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बावजूद नहीं खेल सके थे। मामला कोर्ट तक भी पहुंचा था। नियमों का हवाला देते हुए जोकोविच को खेलने की अनुमति नहीं मिली थी। यूएस ओपन से पहले उन्हें मोंट्रियल सहित दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेना था लेकिन वह नहीं खेल सके। बिना टीका लगवाए विदेशी नागरिकों को अमेरिका और कनाडा में प्रवेश की अनुमति नहीं है। इसलिए सिनसिनाटी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के पीछे यात्रा प्रतिबंधों का हवाला दिया गया है।

**यूएस टेनिस एसोसिएशन ने कहा, सरकार की नीति का करेंगे पालन**

जोकोविच ने कहा, वह यूएस ओपन में खेलने को लेकर आशान्वित थे। उन्होंने कहा, इसके लिए सरकार की नीति में परिवर्तन करना पड़ता। यूएस टेनिस एसोसिएशन ने कहा कि वह सरकार की नीति का पालन करेगा। तीन बार 2010, 2015 और 2018 में यूएस ओपन का खिताब जीत चुके जोकोविच पिछले साल उपविजेता रहे थे। उन्हें रूस के दानिल मेदवेदेव ने हराया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.